श्रावण मास की शुभकामनाएं

10 अगस्त 2024 शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

गंगा के बढ़ते जलस्तर ने सरकार की बढ़ाई टेंशन, सीएम ने हालात का लिया जायजा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

17 माह बाद जेल से छूटे मनीष सिसोदिया

सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को बड़ी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत मिल गई। सिसोदिया शाम 6.50 बजे 17 महीने बाद तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। इस दौरान तिहाड़ के बाद आप कार्यकर्ता और पार्टी सांसद और मंत्री आतिशी उन्हें लेने पहुंचीं। जेल से बाहर आने के बाद मनीष सिसोदिया भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि निर्दोष लोगों को संविधान बचाएगा। तानाशाही सरकार से संविधान बचाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही केजरीवाल भी बाहर आएंगे। आज मुझे संविधान की ताकत से जमानत मिली। सुप्रीम कोर्ट का दिल से धन्यवाद करता हूं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार और ईडी-सीबीआई पर हमला बोला है। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसी बेनकाब हो गई है। 17 महीने से एक ऐसे व्यक्ति को जेल में रखा, जिसने शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी। नेताओं ने कहा कि वह पहले दिन से कह रहे थे कि कोर्ट में यह केस एक दिन भी नहीं टिकेगा।

आप नेता संदीप पाठक ने कहा कि मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने से मोदी सरकार की तानाशाही की एक्सपायरी डेट की शुरूआत हो चुकी है। जेल से बाहर आकर मनीष सिसोदिया स्वतंत्र रूप से अपना काम कर सकेंगे, सुप्रीम कोर्ट ने कोई रोक नहीं लगाई है।

50 ग्राम कैलिफोर्नियम गोपालगंज से जब्त, कीमत 850 करोड़ रुपये

- ♦ कुचायकोट के बलथरी चेक पोस्ट के पास वाहन जांच में पुलिस को मिली सफलता
- ♦ पुलिस ने रेडियोएक्टिव पदार्थ के साथ तीन तस्करों को किया गिरफ्तार

एजेंसी/पटना

बिहार की गोपालगंज पुलिस ने रेडियोएक्टिव पदार्थ कैलिफोर्नियम जब्त किया है। जब्त की गई रेडियोएक्टिव पदार्थ का वजन करीब 50 ग्राम है। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 850 करोड रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई एसटीएफ एसओजी 7, डीआईयू और कुचायकोट पुलिस ने वाहन जांच के दौरान की। इस मामले में पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि कुचायकोट के बलथरी चेक पोस्ट के पास वाहन जांच की जा रही थी। इसी दौरान एसटीएफ, डीआईयू और कुचायकोट की टीम के द्वारा 50 ग्राम रेडियो एक्टिव पदार्थ कैलिफोर्नियम को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया इस रेडियोएक्टिव पदार्थ की 1 ग्राम की कीमत 17 करोड़ रुपये है। इस हिसाब से इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 850 करोड़ रुपये आंकी गई है।

कैलिफोर्नियम का न्यूक्लियर प्लांट में होता है उपयोग

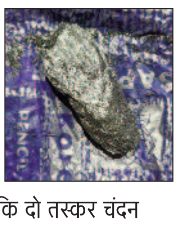

एसपी ने कहा कि यह एक प्रतिबंधित रेडियोएक्टिव पदार्थ है। जिसकी तस्करी की जा रही थी। इस रेडियोएक्टिव पदार्थ का उपयोग न्यूक्लियर प्लांट में बिजली उत्पादन और ब्रेन कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में किया जाता है। एसपी ने कहा कि इस मामले में तीन तस्करों के गिरफ्तार किया गया है। जिसमें मुख्य तस्कर छोटेलाल प्रसाद यूपी के कुशीनगर का रहने वाला है। जबकि दो तस्कर चंदन गुप्ता मोहम्मदपुर के कुशहर, गोपालगंज और चंदन राम नगर थाना के कौशल्या चौक गोपालगंज का रहने वाला हैं। ये दोनों युवक लाइनर का काम कर रहे थे। एसपी ने कहा कि इंटरनेट से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस पदार्थ का लैब टेस्ट कराया गया। आईआईटी मद्रास में टेस्ट हुआ है। इस मामले में गोपालगंज पुलिस ने पांडिचेरी पुलिस से भी सम्पर्क साधा है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दो युवक गोपालगंज के रहने वाले हैं। वे लाइनर का काम करते थे। जबकि मुख्य तस्कर यूपी के कुशीनगर का छोटेलाल प्रसाद है। जो पिछले कई दिनों से इस रेडियोएक्टिव पदार्थ को बेचने की फिराक में था। एसपी में कहा कि इसकी जांच के लिए एफएसएल की विशेष टीम को बुलाया गया है।

लोकसभा में बीजेपी नेता अनुराग ठाकुर ने नेता प्रतिपक्ष पर जमकर साधा निशाना

राहुल गांधी को गाजा की चिंता लेकिन बांग्लादेशी हिन्दुओं पर साधे हुए हैं चुप्पी

- ♦ बीजेपी सांसद का आरोप- कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख को बधाई देने के दौरान वहां के हिंदू की सुरक्षा का नहीं किया कोई उल्लेख

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा में बीजेपी नेता अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी जी गाजा की चिंता तो करते हैं लेकिन अपने पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और दुर्व्यवहार पर चुप्पी साधे रहते हैं। ठाकुर ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई दी और वहां के हिंदू और अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और विकास की मांग की, लेकिन कांग्रेस ने ऐसा कुछ नहीं किया। बीजेपी के सांसद ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख को बधाई देने के दौरान वहां के हिंदू और अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा का कोई उल्लेख नहीं किया। ठाकुर ने इस बात पर सवाल उठाया कि कांग्रेस के नेताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा की चिंता क्यों नहीं की, जबकि वे गाजा की स्थिति पर हमेशा बड़ी-बड़ी बातें करते रहते हैं।

दरअसल, राहुल गांधी ने मोहम्मद यूनुस के बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने के बाद गुरुवार को उन्हें बधाई दी साथ ही लिखा शांति और सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली समय की मांग है।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर हाई लेवल कमेटी गठित

बांग्लादेश में जारी हिंसा में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इसके चलते भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति है। ऐसे में सीमा पर निगरानी रखने के लिए एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया गया है, जिसकी जानकारी खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दी है। इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा गठित कमेटी के सदस्य बांग्लादेश में अपने समकक्ष के अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगी, जिससे वहां रहने वाले हिंदुओं समेत सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

आरएसएस ने हिन्दुओं पर हो रहे हमले पर जताई चिंता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शुक्रवार को बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा पर चिंता जताई और नरेंद्र मोदी सरकार से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तुरंत सख्त कार्रवाई करने और पीड़ितों के जीवन और संपत्ति तथा सम्मान की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों की लक्षित हत्या, लूटपाट, आगजनी, महिलाओं के साथ जघन्य अपराध तथा मंदिर जैसे श्रद्धास्थानों पर हमले जैसी क्रूरता असहनीय है तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी घोर निंदा करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने की आलोचना: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटना की संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि हम नस्लीय आधार पर होने वाले हमलों, हिंसा को बढ़ावा देने के खिलाफ हैं।

आईएसआईएस का आतंकवादी रिजवान दिल्ली से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल को 15 अगस्त से पहले बड़ी कामयाबी मिली है। स्पेशल सेल ने रिजवान नाम के आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। रिजवान आईएसआईएस मॉड्यूल का आतंकी है। वह दिल्ली के दरियागंज का रहनेवाला है। माना जा रहा है वह 15 अगस्त से पहले किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। रिजवान आईएसआईएस पुणे मॉड्यूल से जुड़ा था। रिजवान और इसके कुछ साथियों पर एनआईए ने 3 लाख रुपए का ईनाम घोषित किया था। स्पेशल सेल ने कुछ आतंकियों की गिरफ्तारी पहले की थी। रिजवान कई सालों से फरार चल रहा था। स्पेशल सेल ने पुरानी दिल्ली दरियागंज के पास से इसे गिरफ्तार किया है और कुछ हथियार भी बरामद किया है। जानकारी के मुताबिक दिल्ली के कुछ वीआईपी इलाकों की रिजवान ने रेकी की थी। शक ये है कि वह 15 अगस्त से पहले किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में था।

अब गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद बोलेंगे स्कूली बच्चे

हरियाणा के सभी स्कूलों में लागू होगा आदेश

एजेंसी/चंडीगढ़

15 अगस्त 2024 को भारत अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहा है। इस खास मौके पर हरियाणा सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने घोषणा की है कि स्वतंत्रता दिवस से राज्य के सभी स्कूलों में गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद का अभिवादन किया जाएगा। यह नया आदेश 15 अगस्त 2024 से लागू होगा। हरियाणा सरकार ने हाल ही में एक अहम फैसला लिया है, जिसके तहत स्वतंत्रता दिवस से राज्य के सभी स्कूलों में गुड मॉर्निंग की जगह जय हिंद का उपयोग करने का आदेश जारी किया गया है इस आदेश की प्रतियां सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला प्राथमिक व खंड शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों को भेज दी गई हैं।

देश के प्रति सम्मान की भावना बढ़ाना है उद्देश्य

सरकार का मानना है कि जय हिंद का प्रयोग करने से छात्रों में देश की एकता और उसकी ऐतिहासिक धरोहर के प्रति सम्मान की गहरी भावना उत्पन्न होगी। यह नारा स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और बलिदानों की भी याद दिलाएगा और छात्रों को अपने देश के प्रति गर्व महसूस कराने में सहायक होगा। हरियाणा सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि ‘जय हिंद’ का अभिवादन छात्रों को देश की स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानों की सराहना करने के लिए प्रेरित करेगा। इसके अतिरिक्त, यह नारा क्षेत्रीय, भाषाई और सांस्कृतिक भिन्नताओं को पार करते हुए विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले छात्रों के बीच एकता को बढ़ावा देगा।

विशेष राज्य के लिए राजद ने किया प्रदर्शन

एजेंसी/नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनता दल के सांसदों ने शुक्रवार को बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर संसद के बाहर प्रदर्शन किया। राजद सांसद मीसा भारती ने बिहार के लिए विशेष पैकेज के वादे को पूरा न करने के लिए पीएम मोदी से माफी मांगने की मांग की और कहा कि मौजूदा दी गई मदद काफी नहीं है। यह बिहार के साथ धोखा है। मीसा भारती ने कहा, एक समय नीतीश कुमार भी यही मांग कर रहे थे। आज बिहार में डबल इंजन की सरकार है। बिहार दौरे के दौरान पीएम ने कहा था कि विशेष पैकेज दिया जाएगा। लेकिन अब पीएम को याद नहीं है कि उन्होंने पहले क्या कहा था। बिहार को दी जाने वाली मौजूदा सहायता कम है। किसी न किसी तरह से बिहार के लोगों के साथ धोखा हुआ है। पीएम को बिहार के लोगों से माफी मांगनी चाहिए।

दरअसल, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा है कि अंतर-मंत्रालयी समूह की 2012 की रिपोर्ट के अनुसार बिहार को विशेष दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

10 साल की बच्ची से रेप के दोषी को 20 साल कठोर कारावास की सजा

केटी न्यूज/पटना

बेतिया में 10 साल की एक बच्ची से दुष्कर्म करने के एक मामले की सुनवाई पूरी करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश षष्टम सह पॉस्को एक्ट के विशेष न्यायाधीश विवेकानंद प्रसाद ने नामजद अभियुक्त रौशन ठाकुर (54) को दोषी पाते हुए 20 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

पॉस्को एक्ट के विशेष लोक अभियोजक वेद प्रकाश द्विवेदी ने बताया कि सजायाफ्ता मझौलिया थाना क्षेत्र के रमपुरवा गांव निवासी रौशन ठाकुर (54) बताया गया है। उन्होंने बताया कि 16 मार्च 2020 को मिठाई खिलाने का लालच देकर रौशन ठाकुर ने बच्ची को अपने घर ले गया। जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। बच्ची के चीखने-चिल्लाने पर गांव की एक किशोरी पहुंची तो रौशन ठाकुर बिना कपड़ा के बच्ची को छोड़कर भाग गया। उसके बाद बच्ची व किशोरी ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। इसको लेकर बच्ची के पिता ने मझौलिया थाना में एफआईआर दर्ज कराई।

वर्ष 2070 तक देश को नेट जीरो कार्बन बनाने के लिए उत्तर प्रदेश के किसान लगाएंगे पेड़

कार्बन फाइनेंस के जरिए 25 हजार किसानों की बढ़ेगी आय

- ♦ पहले चरण में प्रदेश के पांच मंडलों में कार्बन फाइनेंस की सुविधा दे रही योगी सरकार
- ♦ किसानों को उनके द्वारा लगाए गए प्रत्येक पेड़ के लिए 250 से 350 रुपये प्राप्त होंगे

केटी न्यूज/लखनऊ

भारत को 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है। इसे पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में इस वर्ष 36 करोड़ से अधिक पौधे रोपकर कीर्तिमान रचा गया, तो वहीं आगामी पांच साल में 175 करोड़ से अधिक पौधे रोपने का लक्ष्य भी रखा गया है। 2017 से 2024 तक प्रदेश में अबतक दो सौ करोड़ से भी अधिक पौधे रोपे गये हैं। योगी सरकार अब प्रदेश के किसानों को भी इस महा अभियान से जोड़ रही है। सरकार का इरादा किसानों को कार्बन फाइनेंस योजना से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने का है। योजना का उद्देश्य किसानों को खेती-किसानी के साथ-साथ अपने खेतों में वृक्षारोपण करके अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रथम चरण में 25 हजार से अधिक किसानों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है।

द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (टेरी) और वीएनवी एडवाइजरी सर्विस के सहयोग से इस योजना के जरिए किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रथम चरण में प्रदेश के 6 मंडल, गोरखपुर, बरेली, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर के किसानों को कार्बन फाइनेंस योजना से जोड़ा गया है। अबतक 25,140 किसान इस योजना से जुड़ चुके हैं, जो 25,874 हेक्टेयर भूमि पर पेड़ लगाएंगे। इन पेड़ों से 42 लाख 19 हजार 369 कार्बन क्रेडिट का लक्ष्य सरकार ने रखा है। इस मद में सरकार द्वारा किसानों के लिए 202 करोड़ रुपए की धनराशि तय की गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कार्बन क्रेडिट पाने के लिए किसानों को अधिक से अधिक तेज गति से बढ़ने वाले पौधों जैसे पापुलर, मीलिया डूबिया, सेमल आदि को लगाना होगा। प्रत्येक पांचवें वर्ष में छह अमेरिकी डॉलर के हिसाब से प्रति कार्बन क्रेडिट की खरीद होगी।

योजना के दूसरे चरण में सात नये मंडलों को शामिल किया जाएगा, इनमें देवीपाटन, अयोध्या, झांसी, मीरजापुर, कानपुर, वाराणसी व अलीगढ़ मंडल में किसानों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा पहले चरण में शामिल मंडलों में नये किसानों को भी दूसरे चरण में जोड़ने की योजना है। इसी प्रकार तीसरे चरण में प्रदेश के बचे हुए पांच मंडल आगरा, प्रयागराज, आजमगढ़, बस्ती और चित्रकूट में योजना को लागू किया जाएगा।

JGG FARM FOOD INDUSTRIES PVT. LTD

स्वाद प्यार का सेहत परिवार का

Factory Address : Tiri, NH-107, PO- Tiri Dhanchhoa- 852121
Saharsa (Bihar), Cont - +91- 8405903701|
www.grgroups.co.in | info@grgroups.co.in
CIN NO – U15549BR2017PTC035566

दुखद: मामूली बात पर आपस में भिड़ गये दो पति-पत्नी, 4 की गई जान

केटी न्यूज/जमुई

पति-पत्नी के मधूर रिश्ते के बीच खटास मामूली बात को लेकर हो गई। परिणाम हो गया कि जिले के एक दंपति की मौत ट्रेन के नीचे से हो गई। दोनों अपने छह माह के बेटे को अनाथ छोड़ दिये। वहीं दूसरे मामले में पति ने बेटी व पत्नी की हत्या कर दी। खुद भी आत्महत्या का प्रयास किया। परंतु उसकी जान नहीं गई। उसे इलाज के लिए लगाया गया। मिली जानकारी के मुताबिक जमुई में एक पत्नी चलती ट्रेन के आगे छलांग इस लिए लगा दी कि पति से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। लिहाजा पत्नी को बचाने के चक्कर में पति भी ट्रेन की चपेट में आ गया। जिसके बाद इस खौफनाक घटना में दोनों की मौत हो गई। यह घटना जुमई जिले के किऊल-जसीडीह रेलखंड के तलवा रेलवे हॉल्ट के समीप की है। वहीं, इस घटना में मृतक की पहचान झाझा प्रखंड क्षेत्र के बलियाड़ीह गांव निवासी 25 वर्षीय कृष्णा दास तथा उसकी 20 वर्षीय पत्नी सोनी देवी के रूप में की गई है। आरपीएफ इंस्पेक्टर शंकर दास ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। जिससे नाराज होकर ट्रेन का आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि, पति कृष्ण रविदास का उसकी पत्नी सोनी देवी के साथ कुछ दिन पहले ही घरेलू मामले को लेकर विवाद हो गया था। जिससे नाराज उसकी पत्नी अपने 6 माह के पुत्र के साथ अपने मायके बांका चली आई थी। लिहाजा नाराज पत्नी को मनाने के लिए उसका पति कृष्णा दास भी पहुंचा। लेकिन वह नहीं मानी और रात ही अपने बच्चे को लेकर आत्महत्या के लिए निकल गई। उधर, पत्नी के घर से निकलते ही पीछे-पीछे पति भी चल पड़ा। छह माह के बच्चे को प्लेटफार्म पर रखकर ट्रेन के आगे कूद गई। बचाने में पति की भी जान चली गई।

पत्नी और पांच माह की बेटी का किया कत्ल

जमुई। आपसी विवाद में पति ने अपनी पत्नी और पांच महीने की मासूम बेटी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, दोनों की हत्या करने के बाद उसने खुद भी धारदार हथियार से गला रेतकर आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस हिरासत में आरोपी का इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, मामला जिले के सोनो थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पेलवाजन गांव निवासी ओलायत मियां ने आपसी विवाद में पत्नी नसरीन खातून (26)और चार माह की बेटी अलीशा की गला दबाकर कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद ओलायत मियां ने खुद को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के द्वारा घायल सनकी युवक को पीएचसी केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जमुई सदर अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं युवक की गंभीर स्थित को देखते हुए सदर अस्पताल से भी डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए जमुई सदर अस्पताल भेज दिया गया है। साथ ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मजदूरी मांगने पर मजदूर को तीसरी मंजिल से फेंका, मौत

मधुबनी। मधुबनी में एक डीजेटी फाइनेंशियल सर्विस कार्यालय से कंपनी के आदमी ने एक मजदूर को अपना मेहनतनामा मांगने पर मारपीट करते हुए तीन मंजिल भवन से नीचे धकेल दिया। इस घटना में मौके पर ही मजदूर की मौत हो गई। यह घटना झंझारपुर थाना क्षेत्र के नगर परिषद के ओशो नगरी की है। मृत मजदूर की झंझारपुर नगर पंचायत के बेलाराही गांव वार्ड-11 निवासी दिवंगत काशी राम मंडल के बेटे झौटाई मंडल के रूप में हुई। झौटाई मंडल को नीचे फेंके जाने पर तत्काल परिजनों ने उसे अनुमंडल अस्पताल झंझारपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, झौटाई मंडल उस कार्यालय में पत्नी के साथ झाड़ू-पोछा करने और खाना बनाने का काम करता था। तीन चार रोज पहले काम छोड़ दिया था। शुक्रवार को बची हुई मजदूरी मांगने अपनी पत्नी के साथ गया था। मुख्य रूप से मैनेजर व उसके साथियों ने मिलकर मारपीट करते हुए दंपती को दूसरी मंजिल से तीसरी मंजिल पर ले गए। फिर वहां से नीचे धक्का देकर फेंक दिया। उसकी मौत हो गई। वहीं पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सीएम नीतीश ने अधिकारियों व प्रशासन को अलर्ट में रहने का दिया निर्देश

गंगा के बढ़ते जलस्तर ने सरकार की बढ़ाई टेंशन, सीएम ने हालात का लिया जायजा

- बिहार और पड़ोसी राज्यों में हो रही बारिश के कारण राज्य की नदियों का तेजी से बढ़ रहा जलस्तर
- सभी नदियों के जलस्तर में दर्ज की गई है वृद्धि, पटना, बक्सर, भागलपुर समेत अन्य जिलों में गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचा, बाढ़ का खतरा

केटी न्यूज/पटना

सीमावर्ती राज्यों के साथ साथ बिहार में भी मानसून ने जोर पकड़ लिया है। लगातार हो रही बारिश ने बिहार की लगभग सभी नदियां उफान पर आ गई है। इसी बीच पटना में गंगा के बढ़ते जलस्तर ने सरकार की टेंशन को बढ़ा दिया है। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हालात का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए हैं। दरअसल, बिहार और पड़ोसी राज्यों में हो रही बारिश के कारण राज्य की नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। करीब-करीब सभी नदियों के जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। पटना में गंगा नदी में भी उफान आ गया है। गंगा से सटे निचले इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल रहा है। संभावित बाढ़ के खतरे से गंगा के तटीए इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ का खौफ सता रहा है। गंगा के बढ़ते जलस्तर की जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मरीन ड्राइव पहुंचे और ताजा हालात की जानकारी ली। बाढ़ के खतरे को देखते हुए मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद पटना डीएम चंद्रशेखर सिंह समेत अन्य अधिकारियों को एहतियात बरतने को कहा है और जरूरी दिशा निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री अटल पथ होते हुये जेपी गंगा पथ पहुंचे और कंगन घाट तक गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जेपी गंगा पथ के कंगन घाट, काली घाट, गांधी घाट एवं कृष्णा घाट पर रूककर गंगा नदी के आसपास के इलाकों की स्थिति को देखा और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। अशोक राजपथ को जेपी गंगा पथ से मिलाने वाले कृष्णा घाट पर निमार्णाधीन पहुंच पथ की भी सीएम ने जानकारी ली और तेजी से निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया। गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गंगा नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर को ध्यान में रखते हुये पूरी तरह अलर्ट रहें और सारी तैयारी पूर्ण रखें। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त-सह-जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद, जिलाधिकारी चन्द्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा,, प्रमोद कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी मौजूद थे। बिहार में बारिश होने के बाद गंगा के जल स्तर में भी बढ़ोतरी हुई है। कई जिलों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। पटना में गंगा नदी से सटे क्षेत्र का सड़क धंस गया। अब लोगों को इस बात का डर सताने लगा है कि यह कहीं कटाव होने के वजह से तो नहीं हुआ हैपटना में गंगा नदी का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। गंगा के जल स्तर बढ़ने से फतुहा के कटैया घाट के किनारे बनी सड़क धंस गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ गई है। गंगा के किनारे रहने वाले लोग बढ़ते गंगा के स्तर को देखकर चिंतित हो रहे हैं। उनका कहना है कि सड़क धंसने की वजह कहीं कटाव तो नहीं। इसके लिए जल्द तैयारी पूरी कर ली जाए।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने दिया आदेश, जल्द पूरा हो स्कूलों में असैनिक कार्य

केटी न्यूज/पटना

बिहार शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ द्वारा सभी जिला पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरकारी विद्यालयों में आवश्यकता के अनुरूप असैनिक निर्माण कार्य की योजनाओं का क्रियान्वयन त्वरित गति से सुनिश्चित कराया जाए। बता दें कि इस संबंध में अपर मुख्य सचिव ने एक पत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया कि उपर्युक्त विषयक आप अवगत हैं कि राज्य के सरकारी विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं की परिपूर्णता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर असैनिक निर्माण कार्य की योजनाओं को आगामी वर्षों में क्रियान्वित किया जाना है। इस हेतु कार्य की महत्ता एवं कार्य की अधिकता को ध्यान में रखते हुए कतिपय संशोधन के उपरांत राज्य परियोजना निदेशक बिहार शिक्षा परियोजना परिषद पटना के स्तर से दो पत्र निर्गत किए गए हैं। योजनाओं के चयन एवं प्राथमिकता निर्धारण हेतु समिति की बैठक अगस्त, 2024 में ही आयोजित कर लिया जाए तथा सितम्बर 2024 से योजनाओं का क्रियान्वयन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाय। पत्र में आगे लिखा गया है कि निर्गत पत्रों की प्रति संलग्न कर प्रेषित करते हुए निदेश है ।

उचित मूल्य ☎ 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
☎: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

कटिहार में हुआ रेल हादसा, पेट्रोल लदी मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतरीं

केटी न्यूज/कटिहार

पेट्रोल लदी मालगाड़ी हुई डिरेल हो गई। पटरी से उतरी पांच बोगियां देश के अंदर पिछले कुछ दिनों रेल हादसों के मामले में लगातार इजाफा देखने को मिला है। कई राज्यों से डिरेल होने की खबरें निकल कर सामने आती रहती है। इतना ही नहीं बढ़ते रेल हादसों को लेकर सदन में भी विपक्षी सांसदों के तरफ से जमकर हंगामा किया। इसके बाद अब एक ताजा मामला कटिहार से निकल कर सामने आ रहा है। जहां एक मालगाड़ी डिरेल हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक कटिहार रेल मंडल के खुरीयाल और कुमेदपुर के पास पेट्रोल लदी एक मालगाड़ी डिरेल हो गई। इस घटना में फिलहाल 5 टैंकर के डिरेल होने की सूचना हासिल हुई है। इस घटना की सूचना मिलने के बाद रेल प्रसाशन हरकत में आई है। घटना की जांच के लिए रेस्क्यू टीम और वरीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचने वाले हैं। बताया जा रहा है कि, कुमेदपुर रेलखंड पर तेल लदी मालगाड़ी का टैंकर पटरी से उतर गया। यह घटना शुक्रवार सुबह 10 बजकर 45 मिनट की है। मालगाड़ी सिलीगुड़ी से कटिहार की ओर जा रही थी। इस दौरान रेलवे के गेट नंबर एनसी 82 के पास पहुंचते ही बीच के 5 टैंकर पटरी से उतर गए। इन टैंकरों में तेल भरा हुआ है। राहत की बात यह है कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और किसी तरह के जानमाल का नुकसान इस हादसे में नहीं हुआ। वहीं इस दुर्घटना के बाद कटिहार-आजमनगर रेल खंड पर ट्रेनों का परिचालन पूरी तरह से बाधित हो गया। उधर, मालगाड़ी टैंकर को पटरी पर लाने में कई घंटे का वक्त लग सकता है ऐसी संभावना जताई जा रही है। इधर, मालगाड़ी पटरी से उतरी तो ये जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। मालगाड़ी के टैंकरों के पटरी से उतर जाने के बाद इस रूट से आने जाने वाली ट्रेनों को दूसरे मार्ग से डायवर्ट किया जा रहा है या ट्रेनों को दूसरे स्टेशनों पर रोक कर रखा गया है। इससे यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। इस रेल हादसे के बाद कई गाड़ियों के रूट बदलने से यात्रियों को दूसरे स्थान पर जाना पड़ रहा है या अपनी टिकट रद्द करवाना पड़ा। वहीं यात्रियों का आरोप है कि रेल प्रशासन की ओर से कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करायी जा रही है। इस कारण और भी परेशानी हो रही है। वहीं दूसरी ओर रेल के अधिकारी भी कुछ कहने को तैयार नहीं हो रहे है।

छपरा में प्रेमिका से मिलने गये युवक की हत्या

छपरा। छपरा में प्रेम प्रसंग में हत्या करने का मामला सामने आया है। मामला भेल्दी थाना क्षेत्र के तरवार तख्त टोला का है, जहां एक 20 वर्षीय युवक का शव कुंआ से बरामद हुआ है। शव मिलने की बात जंगल में आग की तरह फैल गई। स्थानीय पुलिस ने कुआं से मृत युवक के शव को बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान मढ़ौरा थाना क्षेत्र के बरदहिया रामचक गांव निवासी भरत राउत के पुत्र रंजन राउत (20) के रूप में हुई है।हत्या के संबंध में मृतक का भाई विजय राउत ने बताया कि गुरुवार की शाम सात बजे से ही रंजन घर से लापता था। उसके खोजबीन में परिजन लगे हुए थे। इसी दौरान यह पता चला कि उसके भाई का प्रेम प्रसंग भेल्दी थाना क्षेत्र के तरवार गांव निवासी एक युवती से चल रहा था, जिससे वह मिलने गया हुआ था। इसके बाद वह अपने परिजनों के साथ जानकारी हासिल करने लगा तो पता चला कि रंजन की हत्या कर उसके शव को कुएं में फेंक दिया गया है। कुआं उस लड़की के घर के समीप ही है, जिससे उसके भाई का प्रेम प्रसंग चल रहा था।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018
ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING
FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in
S2 MALL
APPROVED RERA APPROVED

मुआवजा को लेकर उत्पन्न भ्रम को हाई कोर्ट ने किया समाप्त

ट्रेन से गिरकर मौत पर पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला पीड़ित परिजनों को मिलेगा आठ लाख रु का मुआवजा

केटी न्यूज/पटना

देश के अंदर आए दिन ट्रेन से गिरकर मौत की खबरें निकल कर सामने आती रहती है। इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला पटना हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। जहां ट्रेन से गिरकर होने वाली मौतों के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। इस आदेश से आमजनों को बड़ी राहत मिलेगी। कोर्ट ने ऐसे मामलों में आठ लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी सूरत में आठ लाख रुपये से कम का मुआवजा नहीं मिलेगा। न्यायमूर्ति सुनील दत्त मिश्रा की एकलपीठ ने शत्रुघ्न साहू की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया। बिहार में ट्रेन से गिर कर मौत की घटनाएं अक्सर होती रहती है।

PATNA HIGH COURT पटना उच्च न्यायालय

कोर्ट ने रेल मंत्रालय की ओर से जारी गजट अधिसूचना 22 दिसम्बर 2016 का हवाला देते हुए कहा कि मुआवजा को लेकर उत्पन्न भ्रम को समाप्त करने के लिए मुआवजा राशि को बढ़ाकर आठ लाख रुपये कर दिया गया है। कोर्ट ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण आदेश में संशोधन करते हुए कहा कि यदि ब्याज सहित मुआवजा राशि 8 लाख रुपये से कम है तो उसे कम से कम आठ लाख रुपये का मुआवजा देना होगा। कोर्ट को बताया गया कि आवेदक के पुत्र ने एक जून 2014 को गया जंक्शन जाने के लिए गाड़ी संख्या 53608 की द्वितीय श्रेणी का टिकट खरीदा था।लेकिन, अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशन से टिकट लेकर ट्रेन में चढ़ा पर यात्रियों की धक्का-मुक्की के कारण वह चलती ट्रेन से गिर गया। ट्रेन से गिरने के चलते बिपुल साव गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल अनुग्रह नारायण लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके बाद मृतक के पिता ने मुआवजा राशि के लिए पटना स्थित रेलवे दावा न्यायाधिकरण में केस दायर किया।

खुशखबरी: इस वर्ष के अंत तक बक्सर में निर्मित बिजली से रौशन होगा बिहार

◆ चौसा में 1320 मेगावॉट बिजली संयंत्र परियोजना को जल्द शुरू करने की कवायद तेज

केटी न्यूज/चौसा

चौसा की बहुप्रतिक्षित 1320 मेगावॉट की बिजली संयंत्र परियोजना से इसी वर्ष शुरू हो जाएगी। जिससे बिहार को बड़ा लाभ मिलेगा। इस योजना के चालू होने के बाद बक्सर में निर्मित बिजली से बिहार रौशन होगा। बता दें कि यहां निर्मित बिजली का 80 प्रतिशत हिस्सा बिहार को मिलेगा। शेष 20 प्रतिशत ही दूसरे प्रदेशों या केन्द्र को दिया जाएगा। इस वर्ष इस परियोजना को शुरू कराने की प्रशासनिक कवायदें तेज हो गई है। जहा निर्माण कम्पनी निर्माण के लिए दिन-रात एक किये हुए है। वही, कच्चे सामग्री की उपलब्धता की योजना को आयाम दिया जा रहा है। जिसके लिए जिला प्रशासन भी अपनी ओर से पुरजोर कोशिश की जा रही है। जहा वैकल्पिक व्यवस्था को पूरी तरह तैयार किया जा रहा है।

अपर समाहर्ता के नेतृत्व में आयोजित हुई बैठक : शुक्रवार को अपर समाहर्ता अनुपम सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्र व एसटीपीएल के मानव संसाधन प्रमुख बलजीत सिंह द्वारा चौसा अंचल कार्यालय में बैठक की गई। जिसमें इस संयंत्र को शीघ्र चालू कराने के लिए प्रभारी अंचल पदाधिकारी व कर्मियों को कई दिशा निर्देश दिया गया। जहा रेल गति शक्ति के माध्यम से विकल्प के तौर पर निर्माण की जा रही तीसरी लाइन के लिए एलपीसी बनाने के लिए अंचल को निर्देशित किया गया था। जिसके तहत लगे कैम्प का आयोजन किया गया था। जिसके तहत कुल 63 रैयतों के बीच ऑफलाइन एलपीसी निर्गत किया गया है। शेष रैयतों को दो दिनों के अंदर कागजात जमा करने की घोषणा की गई है।

बताया जाता है कि भूमि राजस्व एवं सुधार विभाग के द्वारा निर्देशित किया गया है कि वैसे जमीन जो भू-अर्जन किया जा रहा है उनका ऑफलाइन भू-स्वामित्व प्रमाण पत्र निर्गत करने का निर्देश प्राप्त है। इसलिए चौसा अंचल पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि चौसा अंचल अंतर्गत विभिन्न परियोजना हेतु अर्जित भूमि का ऑफलाइन एलपीसी निर्गत करे ताकि हितबद्ध रैयतों को अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। इसके प्रचार-प्रसार भी किया जाय।

एसडीओ ने बताया कि बक्सर बिजली संयंत्र परियोजना इसी वर्ष से चालू किया जाएगा। इसके लिए पानी व कोयला के लिए विकल्प तैयार है। उम्मीद है कि इस वर्ष के अंत तक यह परियोजना चालू हो जाएगी।

राज्य में दूर होगी बिजली की समस्या

1320 मेगावॉट के इस थर्मल पॉवर प्लांट के चालू होने के बाद बक्सर सहित पूरे बिहार की बिजली की समस्या बहुत हद तक ठीक हो जाएगी। चूकी यहां बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन किया जाएगा तथा यहां निर्मित बिजली का अधिकांश हिस्सा बिहार को मिलेगी। जिस कारण बिहार तथा बक्सर वासियों को बड़ा लाभ मिलेगा। जानकारों का कहना है कि इस संयत्र के चालू होने के बाद जिले में गहराए बिजली संकट से लोगों को मुक्ति मिलेगी। यही, नहीं बल्कि बिजली आधारित उद्योगों में भी चार चांद लगेगा।

एक नजर

जिला परिवहन पदाधिकारी ने डुमरांव में एस ड्राइव चला वसूले 1.48 लाख जुर्माना

डुमरांव। जिला परिवहन पदाधिकारी संजय कुमार ने शुक्रवार को विभागीय निर्देश के आलो में डुमरांव में विशेष एस ड्राइव चलाया। इस दौरान हेलमेट, सीट बेल्ट, फिटनेस एवं पॉल्यूशन प्रमाण पत्र इत्यादि की सघन जांच की गई, जिसमें उक्त नियमों के उल्लंघन में 25 वाहनों से कुल 1.48 लाखरुपए का जुर्माना वसूला गया। डीटीओ के इस अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। वाहन चालक परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे जांच से बचने के लिए दूसरे रास्ते से भागते दिखे। जानकारी के अनुसार परिवहन पदाधिकारी द्वारा इस विशेष एस ड्राइव के दौरान सैकड़ो वाहनों को रोक उनके कागजातों, पॉल्यूशन, डीएल, हेलमेट आदि की जांच की जा रही थी। जबकि बिना मानक के वाहन दौड़ाने वाले 25 वाहनों के चालक से जुर्माना वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष एस ड्राइव विभागीय निर्देश पर चलाया गया था। उन्होंने बताया कि आगे भी ऐसे अभियान चलाए जाएंगे।

कोरानसराय में वसूले 11 हजार रूपए का जुर्माना : दूसरी तरफ कोरानसराय पुलिस ने स्थानीय थाना के पास वाहन जांच अभियान चला 9 वाहनों से 11 हजार रूपए का जुर्माना वसूला है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कोरासनसराय थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि वाहन जांच अभियान के दौरान 9 वाहनों से 11 हजार रूपए का जुर्माना वसूला गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार वाहन चेकिंग अभियान चला रही है।

लाल निशान से 83 सेमी पहले आकर थमी गंगा

बक्सर। बक्सर में फिलहाल बाढ़ का खतरा टल गया है। शुक्रवार को गंगा के जल स्तर वृद्धि का रफ्तार थम गया। पूरे दिन एक इंच भी पानी नहीं बढ़ा। हालांकि गुरूवार की देर रात ही गंगा चेतावनी बिंदू को पार कर खतरे के निशान की तरफ बढ़ रही थी। लेकिन 59.49 सेमी पर पहुंच जल स्तर बढ़ना रूक गया। बता दें कि खतरे का निशान 60.32 मीटर है। जल स्तर बढ़ना थमने से लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि अभी पानी घटना शुरू नहीं हुआ है। जिस कारण जिला प्रशासन द्वारा अभी भी लोगों को एहतियात बरने की चेतावनी दी जा रही है। इसी कड़ी में नौका के परिचालन पर भी रोक लगाई गई है। जबकि लोगों को भी गंगा स्नान नहीं करने की नसीहत दी गई है। वही, दियारा वासियों में अभी भी बाढ़ का आने का भय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि जब तक गंगा का जल स्तर कम नहीं होता है तबतक बाढ़ का खतरा बना रहेगा।

नप ने छापेमारी कर वसूला पांच हजार का जुर्माना

डुमरांव। स्थानीय शहर में पॉलीथिन की पाबंदी के बाद भी छोटे-बड़े दुकानदारों द्वारा धड़ल्ले से इसका उपयोग जारी है। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर शुक्रवार को नगर परिषद प्रशासन ने सख्ती बरतते हुए शहर की मंडियों में छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान से मंडी के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदारों से भारी मात्रा में पॉलीथिन बरामद हुई। नप प्रशासन ने करीब पांच हजार की राशि बतौर जुमार्ना के रूप में वसूली की। नगर परिषद प्रशासन ने पुलिस बल के साथ शहर के स्टेशन रोड, गोला रोड, किराना मंडी, सब्जी मंडी में छापेमारी के दौरान पॉलीथिन के उपयोग करने पर दुकानों की तलाशी ली। जहां कई दुकानों से पॉलीथिन बरामद हुआ। छापेमार टीम को देखते ही कई दुकानदार अपने दुकानों से पॉलीथिन छिपाने में जुट गये। फल और सब्जी वाले भी इधर-उधर पॉलीथिन हटाने लगे। इस दौरान मंडी में अफरा-तफरी मच गयी। नप के स्वच्छता पदाधिकारी सौरभ कुमार पांडेय, प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह व उप सहायक बजेंद्र राय ने बताया कि पॉलीथिन के पाबंदी के बावजूद भी इसका उपयोग करना गंभीर मामला है। कई दुकानदार खुलेआम रूप से पॉलीथिन का उपयोग करते पकड़े गये, जिनसे जुमार्ना की राशि वसूल की गयी है। नप क्षेत्र में छापेमारी को लेकर टीम गठित की गयी है, जो लगातार मंडियों में छापेमारी अभियान चलायेगी। मौके पर दिनेश यादव, राजा के अलावे पुलिसकर्मी मौजूद थे।

खबरें फटाफट

दुर्गा मंदिर के सामने रोड जर्जर, परेशानी

डुमरांव। स्थानीय रेलवे स्टेशन के समीप दुर्गा मंदिर से पूरब और दक्षिण दिशा की ओर जाने वाली सड़क पूरी तरह से जर्जर होने से राहगीरों और श्रद्धालुओं की परेशानी बढ़ गई है। सड़क पर आये दिन गड्ढा होने से वाहन चालकों को भी मशक्कत करनी पड़ती हैं। बता दें कि इस मंदिर में हर दिन आस पास के सैकड़ो श्रद्धालु महिला व पुरूष पूजा अर्चना करने आते है। जिन्हें सड़क के जर्जर हालत से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। समाजसेवी राजीव रंजन सिंह, रमेश कुमार रौनियार आदि ने जनप्रतिनिधियों से सड़क बनाने की मांग की हैं। ताकि सावन माह में श्रद्धालुओं को राहत मिल सके।

गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की हुई नि:शुल्क जांच

केसठ। प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केसठ में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच को लेकर शुक्रवार को नि:शुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसको लेकर महिलाओं की भीड़ जुटी रही। शिविर का नेतृत्व पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विनय कुमार ने किया। वही चिकित्सक व एएनएम ने सभी महिलाओं को जांच किया।वही इस दौरान केसठ कुल 25 गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की नियमित जांच की गई।गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था काल के दौरान होने वाले विभिन्न गंभीर बीमारियों के लक्षण, उनसे बचाव के उपाय और समय पर दवा खाने को लेकर विस्तार से जानकारियां दी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची गर्भवती महिलाओं के सुगर का लेबल, ब्लड की मात्रा, एचआईवी और वजन की जांच की गई। इसके साथ ही उन्हें खानपान और सरकारी नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान जरूरत के अनुसार गर्भवती महिलाओं को अस्पताल से आयरन एवं कैल्शियम की खुराक भी दी गई। मौके पर डॉ. विजय पांडेय, स्वास्थ्य प्रबंधक सुशील कुमार, शांति देवी, विनोद कुमार, पप्पू कुमार, विक्की कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

तेज होगा चौसा के किसानों का आंदोलन, कलेक्ट्रेट का घेराव कर दी चेतावनी... बोले

किसानों के घर में घुस जुल्म करने वाले पुलिस एवं अधिकारियों पर हो कार्रवाई

◆ चौसा के आंदोलनकारी किसानों ने कहा- न्याय मिले बिना चुप नहीं बैठेंगे

◆ 17 सूत्री मांगों को लेकर उग्र किसानों ने किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा के किसानों को न्याय दो
संयुक्त किसान मोर्चा
बक्सर
अगस्त जिला समाहर्ता के समक्ष प्रदर्शन

देशभर में नौ अगस्त को संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुक्रवार को बिहार राज्य किसान सभा के तत्वावधान में जिले के किसानों द्वारा 17 सूत्री मांगों को लेकर बक्सर समाहरणालय के घेराव किया गया। इससे पहले बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह के नेतृत्व में जुलूस निकाली गई। जो अंबेडकर चौक होते हुए कचहरी के रास्ते कलेक्ट्रेट पहुंचा। जिला समाहरणालय के पास एक सभा का आयोजन किया गया।

यह तो सिर्फ झांकी है, आंदोलन अभी बाकी है

सभा में किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि यह तो सिर्फ झांकी है, किसानों का आंदोलन अभी बाकी है। उन्होंने कहा कि आज तो सिर्फ महाभारत में जिस तरह से कृष्ण ने युद्ध टालने के लिए पांच गांव की मांग लेकर गए थे, उसी तरह आज हम अपने 17 सूत्री मांगों को लेकर हुक्मरान को देने आए हैं। यदि हमारी मांगे नहीं सुनी गई और इसकी पूर्ति नहीं हुई तो हम एक बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे। इसके लिए गांव-गांव में किसानों को एकजुट करने के लिए किसान चौपाल लगाएंगे। उन्होंने कहा कि 20 मार्च को जो कुछ जिला प्रशासन के नेतृत्व में चौसा में हुआ, उससे मानवता शर्मसार हुई है। बनारपुर, कोचाढ़ी और मोहनपुरवा की घटना की न्यायिक जांच और दोषी को जबतक सजा नहीं मिलेगी तबतक किसान चैन से नहीं सोएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों पर से झूठे मुकदमों को वापस लिया जाए। रेलवे कॉरिडोर पाइपलाईन और एन एच 319 ए में कम से कम जमीन लिया जाए। इस तरह का रूट बनाया जाए। साथ ही वर्तमान बाजार दर से चार गुणा जमीन का मुआवजा तथा परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी की गारंटी हो। उन्होंने कहा कि ज्यादा झूठ बोलने वालों का यदि विश्व में कोई ओलंपिक किया जाए, तो मोदी जी गोल्ड मेडल लेकर के भारत आएंगे। किसानों के साथ जो कुछ लिखित समझौता किया गया। उसे आज तक पूरा नहीं किया गया। 2022 तक किसानों की आय दुगुनी करने की मोदी गारंटी आज तक पूरा नहीं हो सका। संसद में किसान विरोधी पेश बजट के बदले, अलग से कृषि बजट संसद में पेश हो और पूरे बजट का 30 प्रतिशत कृषि पर खर्च हो।

सभा को किसान नेता केदार सिंह, अजय मिश्रा, नरेंद्र मोहन सिंह, ज्योतिश्वर सिंह, छात्र नेता क्षितिज कुमार और राहुल ठाकुर ने भी संबोधित किया। पांच सदस्यी प्रतिनिधिमंडल में अशोक प्रसाद सिंह, सुरेंद्र सिंह, शैलेश राय, केदार सिंह और अनिल तिवारी ने जिला समाहर्ता के प्रतिनिधि उपसमाहर्ता अनुपम सिंह को स्मार-पत्र सौंपा। जिनके द्वारा सहानुभूति पूर्वक मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया।

पिछले दो साल से अधिक समय से आंदोलन कर रहे हैं किसान

चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगावॉट थर्मल पॉवर प्लांट तथा इसके लिए रेल कारिडोर व वाटर पाइप लाईन बिछाने के लिए किसानों की जो जमीन अधिगृहित की गई है, उसका उचित मुआवजा नहीं मिला है। जिस कारण किसान पिछले दो साल से अधिक समय से आंदोलन कर रहे है। हर दिन किसान शांतिपूर्ण धरना देते हैं। इस दौरान दो बार पुलिस से आंदोलनकारी किसानों का टकराव हो चुका है। पिछले मार्च में भी पुलिस ने आंदोलन को दबाने के लिए बनारपुर, कोचाढ़ी और मोहनपुरवा गांव में घुस किसानों के परिजनों की बेरहमी से पिटाई की थी। बावजूद किसानों का आंदोलन नहीं थमा। इस मामले की सुनवाई लारा कोर्ट में भी हो रही है। इसके अलावे कई बार जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप कर विवाद सुलझाने का प्रयास किया था। लेकिन, किसान अपनी मांगों पर डटे रहे। जिस कारण उनका आंदोलन थमा नहीं। किसानों ने अपने आंदोलन को धार देने के लिए समाहरणालय का घेराव कर जिला प्रशासन को चेतावनी दे दी है।

आकाशीय बिजली से चौसा में युवक तो राजपुर में महिला की हुई मौत

केटी न्यूज/बक्सर

देर शाम घनघोर बादल व तेज कड़क के साथ बारिस शुरू होने से आकाशीय बिजली की चपेट में आने से जिले के राजपुर व चौसा में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। दोनो शव का पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया।

शुक्रवार की शाम राजपुर में धान रोपनी करने गई एक 45 वर्षीय महिला आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौत हो गई। उक्त महिला मंगराव गांव निवासी भूखन राय की पत्नी शारदा देवी अन्य महिलाओं के साथ खेतों में धान रोपने गई थी। शाम चार बजे के आसपास अचानक घनघोर बादल छाया हुआ था। तेज कड़क के साथ बारिस शुरू हो गई। इसी समय तेज कड़क के साथ आकाशीय बिजली कड़की जिसकी चपेट में शारदा देवी आ गई। आनन-फानन में उक्त महिला को इलाज के लिए राजपुर सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं, इस बीच मुफस्सिल थाना के बघेलवा गांव में संजय चौहान के बेटे रामप्रीत चौहान अपने खेतों में खाद डालने गए थे। तभी तेज कड़क के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसके चपेट में आने से युवा किसान की मौत हो गई। हालांकि, उक्त युवक को आनन-फानन में ग्रामीणों द्वारा इलाज के लिए चौसा सीएचसी ले जाया गया जहा चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी के बाद पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया।

सरकारी दफ्तरों में नहीं बदले गए पुराने नंबर, परेशान हो रहे लोग

◆ केसठ बीडीओ कार्यालय के बाहर अभी भी अंकित है बीएसएनएल का नंबर

केटी न्यूज/केसठ

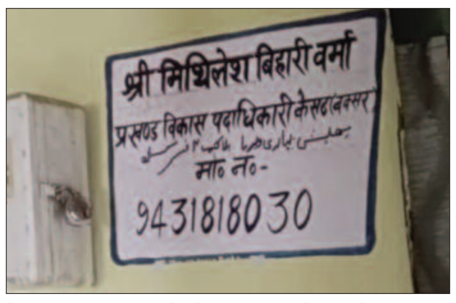

श्री मिथिलेश बिहारी वर्मा
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी केसठ बक्सर
मो० नं०-
9431818030

विभाग ने जिले के सभी बीडीओ के सरकारी मोबाइल नंबर बदल दिया है, साथ ही पुराने नंबर ले नया नंबर सभी बीडीओ को दे दिया है। नए नंबर देने के बाद अभी अभी तक केसठ प्रखंड कार्यालय के पुराने नंबर लिखी हुई है। नए नंबर मिले करीब एक माह होने का रहा है। लेकिन अभी तक केसठ प्रखंड कार्यालय के बाहर लिखे पुराने सरकारी नंबर को नहीं बदला गया है, जिस कारण लोग बार बार वही पुराने नंबर पर कॉल कर रहे है और उनको नंबर गलत या बंद होने की जवाब मिल रही है।

नए नंबर को बीडीओ कार्यालय और प्रखंड कार्यालय के बाहर नहीं लिखे जाने से आम लोगों को सूचना लेने में या देने में काफी समस्या हो रही है। हैरानी की बात ये है कि किसी भी सूचना को 24 घंटे में अंदर लागू करने का नियम है, लेकिन एक महीने के बाद भी बीडीओ कार्यालय के बाहर अंकित पुराने मोबाइल नंबर के बदले नए नंबर को नहीं अंकित किया गया। वही अभी तक नए सरकारी चिठ्ठियों पर भी पुराने मोबाइल नंबर अंकित की हुई है। जिससे साफ तौर पर ये कहा जा सकता है कि विभाग ने तत्परता दिखाते हुए नंबर तो दे दिया, लेकिन प्रखंड कर्मियों के उदासीनता के कारण अभी तक पुराने ही नंबर अंकित रह गई। बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा ने बताया कि कर्मियों के कुछ व्यस्तता के कारण अभी तक नया नंबर कार्यालय के बाहर नेम प्लेट पर अंकित नहीं किया जा सका है। जल्दी ही नया नंबर लगा दिया जाएगा।

5 वर्षों का अनुभव..
7992243949 9570252986
AN ISO Certified Clinic 9001 : 2015
शिवम डेन्टल मल्टीस्पेशलिटि क्लिनिक
दाँत अस्पताल
मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ
टूटे हुए जबड़े का सफल ईलाज होता है।
डॉ० हिमांशु पाण्डेय
डॉ० आलोक पाण्डेय
B.Sc. (Hons), BDS (Pat), MIDA
Implantologist (Korea)
Orthodontic Practitioner
ORTHO & IMPLANT CENTRE
अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ।
पता: पाल कॉम्प्लेक्स, स्टेशन रोड, डुमरांव

बिहार पृथ्वी दिवस के मौके पर इटाढ़ी व डुमरांव में हुआ पौधरोपण, दिया गया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पर्यावरण बचाएं, जीवन में एक पौधा जरूर लगाएं: पीओ

केटी न्यूज/बक्सर

शुक्रवार को जिला पदाधिकारी सह अध्यक्ष जिला गंगा समिति के निदेर्शानुसार जिला गंगा समिति व वन प्रक्षेत्र बक्सर के द्वारा इटाढ़ी के उच्च विद्यालय बैरी में बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम अभियान की शुरूआत की गई। इस संबंध में जानकारी देतते हुए नोडल पदाधिकारी जिला गंगा समिति ने बताया कि जिला पदाधिकारी के निर्देश पर अधिक से अधिक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। अपने संबोधन में जिला गंगा समिति के परियोजना अधिकारी ने कहा कि डीएम के निर्देश के आलोक में पौधरोपण अभियान की शुरूआत की गई।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को अत्यधिक से अधिक संख्या में पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया और कहा कि प्रत्येक छात्र को अपने जीवन में कम से कम एक पौध लगा उसका संरक्षण करना चाहिए। मौके पर उच्च विद्यालय बैरी के प्रधानाचार्य अंजनी कुमार, वनपाल संजय पासवान, वनरक्षी नीतीश, अमिताभ, दिलीप, चंदन कुमार, अमर सिंह के साथ अन्य वनकर्मी व शिक्षक मौजूद रहे। जिला गंगा समिति व वन विभाग द्वारा 18 स्कूलों में यह अभियान चलाया गया।

प्रकृति बचाओ अभियान के तहत डुमरांव में किया गया पौधरोपण

पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रकृति बचाओ अभियान के तहत शुक्रवार को बिहार पृथ्वी दिवस एवं नाग पंचमी के शुभ अवसर पर हरित भारत, स्वस्थ भारत के संकल्प के साथ ग्रीन एंबेसडर बिहार तरु मित्र उमेश गुप्ता रौनियार, पर्यावरण योद्धा सह योग प्रशिक्षक डॉ संजय कुमार सिंह, शिक्षक सह पर्यावरण योद्धा विमलेश कुमार सिंह एवं अन्य के द्वारा एक वृक्ष मां के नाम कार्यक्रम के तहत सफाखाना रोड, नहर के किनारे पौधरोपण किया गया। जिसमें पीपल, आम, ऑवला, गुलमोहर श्रीफल का 11 पौधा लगाकर लोगों को संदेश दिया कि पर्यावरण ही हम लोगों का जीवन है। धरती को स्वर्ग बनाएंगे तभी हम लोग सही जीवन जी पाएंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ संजय कुमार सिंह ने बताया कि 11 सूत्र संकल्प के साथ आज 11 पौधा लगाया गया तथा पॉलीथिन का प्रयोग नहीं करने के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया। मौके पर कमलेश प्रसाद, संतोष कुमार, संजय कुमार सिंह, अजय राय, शुभम राय, मनोज कुमार, नवीन गुप्ता, रामलाल, मिथिलेश कुमार आदि उपस्थित थे।

समस्त डुमरांव नगरवासियों को शिव के अति प्रिय
श्रावण मास, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता की हार्दिक शुभकामनाएं
सुशीला देवी
पूर्व वार्ड पार्षद नम्बर -02
नप क्षेत्र डुमरांव बक्सर
ब्रह्मा ठाकुर
पूर्व उप चेयरमैन
डुमरांव नप क्षेत्र वार्ड नम्बर -02

च्यवनप्राश के जन्मदाता महर्षि चयवनाश्रम की भूमि फिर रह गई उपेक्षित

- मनरेगा से मुनि के नाम पर बन रही थी 36 जड़ी बूटियों का पार्क अधूरी

केटी न्यूज/चौसा

आज पूरे देश मे कई कम्पनियां च्यवनप्राश का निर्माण कर बेहतर पैकेजिंग के जरिये अच्छी कमाई कर रहे है। लेकिन, जिसने दुनिया को च्यवनप्राश दिया वह स्थल वर्षो से उपेक्षित है। विगत वर्ष मनरेगा से इस पौराणिक स्थल महर्षि च्यवनमुनि आश्रम को सजाने व संवारने का कार्य प्रारम्भ किया गया। लेकिन, कुछ दिनों बाद संरचना का निर्माण कर सौंदर्यीकरण का कार्य ठप कर दिया गया। जिससे इसका सपना आज भी अधूरा है। विगत वर्ष इस स्थल पर सुंदर पार्क के अलावा पौधरोपण, मुनि की प्रतिमा के अलावा, च्यवनप्राश बनाये जाने वाली उन 36 जड़ी बूटियों का पार्क का निर्माण कराया जा रहा था। पार्क की घेराबंदी व 36 जड़ी बूटियों का संरचना तैयार कर छोड़ दिया गया। जिससे यह पौराणिक स्थल अपने विकास से महरूम रह गया।

गौरतलब हो कि, चौसा की पहचान ऐतिहासिक व पौराणिक दोनों रूप में है। जहा 26 जून 1539 ई में चौसा में मुगल शासक हुमायूं व शेरशाह के बीच हुए युद्ध मे हुमायूं को उस समय मुंह की खानी पड़ी थी। किसी तरह हुमायूं को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा था। वहीं पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि च्यवन ऋषि जिन्होंने जड़ी-बूटियों से च्यवनप्राश नामक एक औषधि बनाकर उसका सेवन किया जिससे वे वृद्धावस्था से पुनः युवा बन गए थे। कथा के अनुसार, उनमें इतनी शक्ति उत्पन हो गई थी कि वे इंद्र के बज्र को भी पीछे धकेल सकते थे। वे अत्यन्त तपस्वी थे जिनके नाम पर ही चौसा का नामकरण किया गया है। हालांकि, चौसा को नगर पंचायत बनाने के तहत गलत परिसीमन तैयार कर, मूल पौराणिक स्थल को हटा पवनी पंचायत में कर दिया गया। अब इस स्थल का काया-कल्प भी बदलने जा रहा था। मगर, तकनीकी प्रॉब्लम के चलते सारे विकास धरे के धरे रह गए।

विगत वर्ष पहले मनरेगा से घाट के पास पार्क, फेवर ब्लाक, लाइटिंग, घाट व आश्रम के पास बैठने की व्यवस्था, पौधारोपण के अलावा च्यवनप्राश से संबंधित जड़ी बूटियों के भी पेड़ पीधे इस पार्क में लगाए जाने थे। जबकि, स्थानीय जन सहयोग से महर्षि च्यवन मुनि की प्रतिमा भी स्थापित की जानी थी। इस निर्माण कार्य से ग्रामीणों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा था। मगर, कार्य ठप कर दिए जाने से स्थल एक बार फिर से विकास से महरूम हो गया है।

बता दें कि इस आश्रम के साथ महदेवा घाट का भी काफी महत्व होता है धार्मिक अनुष्ठान या हिन्दू तीज त्योहारों के अलावा सावन माह में आसपास एवं दूर दराज के लोग यहां पहुंच कर स्नान ध्यान कर जल भरी करते हैं। क्यों कि इस घाट पर स्नान करने का अपना एक अलग ही महत्व है। इसी घाट से देश की पवित्र नदी गंगा कल कल करती उत्तर दिशा की तरफ घूम जाती है। धार्मिक दृष्टिकोण से उत्तरायणी गंगा में स्नान करने का महत्व उत्तम माना जाता है।

> “ कुछ तकनीकी कारणों से यह पौराणिक स्थल का विकास अधूरा रह गया है। जिसे बहुत जल्द पूरा किया जाएगा। जिससे जहा दूर-दराज आने वाले लोगों में भी इस स्थल को देख मन को संतुष्टि मिल सके। चौसा पौराणिक स्थल है, जिसका महत्व है इसे सजाने व सवारने का कार्य पूरा किया जाएगा।
>
> – प्रवीण कुमार, मनरेगा
> कार्यक्रम पदाधिकारी, चौसा

एक नजर

समेकित कृषि प्रणाली से रूबरू हुए किसान

डॉ. अनुप दास
तिथि : 09 अगस्त, 2024 (शुक्रवार)
कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर

बक्सर। समेकित कृषि प्रणाली के प्रति किसानों के बीच जागरूकता एवं सुव्यवस्थित मॉडल के विकास की संभावनाओं पर विचार के लिए एक दिवसीय कृषक वैज्ञानिक वातार्लाप का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ. देवकरन ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए उन्हें कृषि विज्ञान केन्द्र, बक्सर स्थापित समेकित कृषि प्रणाली मॉडल की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अनुप दास, निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने बताया कि आज के परिप्रेक्ष्य मे समेकित कृषि प्रणाली मॉडल का चयन पारिस्थितिकी अनुरूप फसल विविधता को बढ़ाते हुए जीविकोपार्जन, पोषण सुरक्षा एवं सालोभर रोजगार मुहैया कराने के लिए के लिए बेहतर विकल्प हैं। किसान भाई अपनी आवश्यकता अनुसार मत्स्य पालन, मुर्गी, बत्तख पालन, बागवानी, फसल एवं पशुपालन, मशरूम, मधुमक्खी, आदि घटकों को इस प्रणाली मॉडल के अन्तर्गत 01 एकड़ क्षेत्र मे अपनाकर आमदनी को बढ़ा सकते हैं। साथ ही साथ किसानों से चर्चा करते हुए उन्हें घटकवार विस्तृत तकनीकी जानकारी से अवगत कराया।

पेंशनरों ने की डीएम के समक्ष प्रदर्शन कर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने की मांग

पेंशनर्स एसोसियेशन
जिला बक्सर (बिहार)

बक्सर। अगस्त क्रांति के मौके पर जिले के पेंशनरों ने जिला पदाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन अखिल भारतीय पेंशनर्स फेडरेशन एवं राज्य कार्यकारिणी के निर्णय के आलोक में किया गया। नगर भवन के पास से प्रदर्शन निकाल प्रदर्शनकारी पेंशनर समाज ने अपनी मांगों के समर्थन में गगन भेदी नारेबाजी कर विरोध जताया तथा मुख्यमंत्री के नाम से संबोधित 17 सूत्री मांगों को डीएम को समर्पित किया। प्रमुख मांगों में सभी पेंशनरों को जिनकी उम्र 60 वर्ष हो चुकी है आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने, पेंशन बढ़ोतरी की सीमा 5 प्रतिशत की दर से 65 70 75 एवं 80 करते हुए 85 वर्ष में 100 प्रतिशत करने, सभी बुजुर्गों को जिनकी आयु 60 वर्ष हो गई उन्हें पांच हजार रूपए मासिक पेंशन देने, कोरोना कल के 18 माह का रोके गए महंगाई राहत का भुगतान करने, हरियाणा चंडीगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में बिहार के पेंशनरों को भी कमयूटेड की वसूली 15 वर्ष के बदले 10 वर्ष 8 माह पूरी होने पर रोक लगाने, आठवीं वेतन आयोग का गठन करने, नई पेंशन व्यवस्था को समाप्त कर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने, ठेका संविदा मानदेय नियोजित कर्मियों की सेवा नियमित करने, स्थाई पदों पर नियमित बहाली करने तथा महंगाई पर रोक लगाने आदि मांग शामिल था।

खबरें फटाफट

दो वारंटी को जेल

चेनारी। स्थानीय थाना पुलिस ने गुरुवार की रात छापेमारी कर खुरमाबाद गांव से दो वारंटी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में चेनारी थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी में राम पुकार सिंह, पिता स्व. राम गहन सिंह, दूसरा राज कुमार सिंह, पिता रामपुकार सिंह दोनों खुरामाबाद के निवासी है। जो पूर्व के केस कांड में फरार चल रहें थे। जिसे गुप्त सूचना पर गुरुवार की रात गिरफ्तार कर ने बताया न्यायालय अभिरक्षा में अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

संझौली। स्थानीय पुलिस ने औराई और परसा गांव के बीच एक पीपल के पेड़ से लटका 22 वर्षीय एक युवक का शब बरामद की है। घटना गुरुवार देर शाम की बताई जाती है। युवक का शब मिलने से आसपास के गावों में सनसनी फैल गयी। मृतक पवन कुमार उम्र 22 वर्ष जो औराई निवासी मनु राम का पुत्र बताया जाता है। सूचना पर घटना स्थल पर पुलिस पंहुचकर शब को कब्जे लेते हुए पोस्टमार्टम कराकर मृतक के परिजनों को सौंप दिया है। बताया जाता है कि एक पीपल के पेड़ में फंदा से लटका हुआ युवक को ग्रामीणों ने देखा और इसकी सूचना संझौली थाना को दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

संझौली। थाना क्षेत्र के आरा-सासाराम रेलवे लाइन समुहता हॉल्ट पोल संख्या 73 के पास शुक्रवार की सुबह में ट्रेन के झटके से घायल एक वृद्ध की मौत हो गई। मृत व्यक्ति रामबली सिंह उम्र 70 वर्ष जो समुहता गांव का निवासी बताया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि वृद्ध व्यक्ति टहलने के लिए सुबह निकले थे। इसी बीच पैसेंजर ट्रेन की टक्कर से गंभीर से रूप से जख्मी हो गए। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

गुमनाम हो गए हैं डुमरांव के 21 अमर शहीद, समिति ने धरना दे प्रशासन को दिलाई याद

शहीद हुए 21, अमर सेनानी बने चार

- अगस्त क्रांति दिवस पर शहीद स्मारक समिति ने किया प्रदर्शन, प्रशासन की उदासनीता पर जताया आक्रोश
- डुमरांव के 21 अमर शहीदों की पहचान सुरक्षित रखने के लिए नहीं बनाया गया है स्मृति द्वार तक, पांच सूत्री मांगों को समिति ने दुहराया

केटी न्यूज/डुमरांव

9 अगस्त क्रांति दिवस 2
एक दिवसीय धरना प्रदर्शन प्रशासन के खिलाफ

देश को अंग्रेजो के बेड़ियों से आजाद कराने में अपने प्राणों की आहूति देने वाले डुमरांव के 21 अमर शहीदों को केन्द्र व राज्य सरकार के अलावे स्थानीय प्रशासन ने भूला दिया है। जिस कारण देश के प्रति उनके योगदानों तथा वीरता भरी शहादत से डुमरांव की भावी पीढ़ी अंजान है। शुक्रवार को शहीद स्मारक समिति कपिलमुनी द्वार ने सन 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान डुमरांव थाना पर भारत का झंडा फहराने के दौरान शहीद हुए डुमरांव तथा आस पास के गांवों के 21 अमर सेनानियों को उचित सम्मान दिलाने के लिए एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। शहीद पार्क में आयोजित इस धरना की अध्यक्षता संजय चंद्रवंशी ने जबकि संचालन महेन्द्र राम ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि 1942 ई. में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आह्वान पर देशभर में भारत छोड़ो आंदोलन जोर पकड़ रहा था। उस दौरान डुमरांव के अमर सेनानियों ने अपना बलिदान दे अंग्रेजी थाना पर झंडा फहराया था। इस प्रयास में अंग्रेजी हुकूमत ने गोली भी चलवाई थी। अलग अलग समय में डुमरांव के कुल 21 क्रांतिकारी शहीद हुए थे। लेकिन, आजादी के बाद सिर्फ चार लोगों का नाम ही अमर सेनानियों में शामिल है। अन्य शहीदों की पहचान के लिए न तो कई स्मृति द्वारा या तोरण द्वार बनाया गया है और न ही उनके यादों व बलिदान को संजोने के लिए उनकी प्रतिमा ही स्थापित की गई है। शिलापट्ट पर नाम तक नहीं लिखा जा रहा है। जो अमर शहीदों के प्रति सरकार तथा प्रशासन की उदासीनता को बयां कर रही है। वक्ताओं ने कहा कि आजादी के 77 वर्षों बाद भी देश को आजाद कराने के प्रयास में शहीद होने वालों के परिजन आज बदहाली के दौर से गुजर रहे है। सरकार ने कभी उनकी सुध तक नहीं ली। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उन्हें सम्मान दिलाने के प्रति उदासीन बने रहें। धरना के माध्यम से वक्ताओं ने जिला प्रशासन व अनुमंडल प्रशासन के कार्यालय के सामने शहीदों की मूर्ति लगाने तथा तोरण द्वार बनवाने, उनकी वीरता भरी शहादत की गाथा को पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने, शहीदों के परिजनों को छह डिसमील जमीन देकर उस पर पीएम आवास योजना से मकान बनाने तथा परिजनों को पेंशन देने, शहीद मेमोरियल हाल का निर्माण कराने 21 अमर शहीदों के गांव में उनकी मूर्ति लगाने आदि की मांग जिला प्रशासन व अनुमंडल प्रशासन से किया गया। मौके पर नंदजी गांधी, गोपाल प्रसाद गुप्ता, मनोज चंद्रवंशी, अंर्जुन सिंह, बिजली राम, बड़क गोंड, जगबहादूर सिंह, प्रभु सिंह, ललन कुशवाहा समेत कई अन्य शामिल थे।

गुप्ता धाम जा रहे कांवरिया की करंट लगने से मौत

चेनारी। चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव के समीप बिजली के करंट लगने से एक कांवरिया की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सिवान जिले से पिकअप पर सवार होकर लगभग एक दर्जन से अधिक कांवरिया गुप्ता धाम उगहनी के रास्ते दर्शन करने के लिए जा रहे थे । इसी दौरान उगानी गांव से बाहर बिजली का एक तार सड़क पर गिरा हुआ था तार हटाने के लिए सिवान जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पांडेडिह गांव निवासी नगनारायण साह के 36 वर्षीय पुत्र संजीव साह सड़क पर गिरे तार हटाने का प्रयास किया लेकिन तार में करंट होने की वजह से उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतक के साथ जा रहे कांवरिया सोनू कुमार ने बताया कि हम सभी लोग निजी वाहन से सिवान से गुप्ता धाम दर्शन के लिए जा रहे थे। हम सभी चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव होते हुए पहाड़ी रास्ते से गुप्ता धाम जा रहे थे। इसी दौरान उगहनी गांव से बाहर जाने पर एक बिजली का तार सड़क पर गिरा हुआ था। मृतक तार को अपने हाथ से हटाने का प्रयास किया। तार में बिजली का करंट होने के वजह से उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने में रोहतास पुलिस विफल

केटी न्यूज/डेहरी

रसूखदारो के विरुद्ध न्यायालय आदेश का अनुपालन कराने में रोहतास पुलिस बौनी साबित हो रही है।हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने में रोहतास जिले की डेहरी पुलिस विफल है।

ऐसी घटना डेहरी थाना क्षेत्र के तार बंगला में देखने को मिला है। जहां एक रसूखदार स्थानीय पुलिस के सहयोग से रास्ते की जमीन का चारदीवारी करा रहा है। जिसको लेकर पूर्व में भी विवाद हुआ है। दोनों पक्षों के बीच मारपीट में पुलिस द्वारा एक पक्षीय कार्रवाई कर स्थानीय लोगों को जेल भेजने का भी काम किया गया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होने पर आशा देवी हाईकोर्ट की सरण में पहुंचीं। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने उक्त निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश दिया है। परंतु न्यायालय आदेश का अवहेलना करते हुए डेहरी पुलिस सुरक्षा प्रदान कर रास्ते का घेराबंदी करा रही है। न्यायालय आदेश की प्रति लेकर महिला एसडीएम, एलआरडीसी सहित सीओ से गुहार लगा रही है। परंतु उसका सुनने वाला कोई नहीं है।आशा देवी ने बताया कि डेहरी तार बंगला में सरोज मिश्रा पति डॉक्टर नवीन नटराज मुख्य सड़क से पीछे जमीन खरीद कर मकान बनाई है। पीछे जाने के लिए रास्ता छोड़ा गया। जिसे निजता के लिए पक्के दीवार से घेरा जा रहा है।इस काम में स्थानीय पुलिस भी सहयोग कर रही है। जबकि अंचलाधिकारी कोर्ट नोटिस लेने से भी इंकार कर रही है। निर्माण कार्य का विरोध करने पर मुकदमा आदि का भय दिया जा रहा है।

शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित 11 सूत्री संकल्प लिया, बोले प्राचार्य...

पर्यावरण के प्रति नहीं संभले तो हम सभी का अस्तित्व इस धरती से हो जाएगा समाप्त

केटी न्यूज/भभुआ

शुक्रवार को जिला मुख्यालय के नगरपालिका मध्य विद्यालय भभुआ में बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य,शिक्षकों व छात्र छात्राओं के द्वारा फलदार व छायादार पौधा रोपण किया गया। इसे बड़ा होने तक देखभाल करने के लिए संकल्प लिया गया। विद्यालय के सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित 11 सूत्री संकल्प लिया गया। बिहार पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनना है। जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्ज देते हैं, जिसने संपूर्ण मानव जाति, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों, जल आदि को अपनी गोद में शरण दे रखी है। उसी को आज दिन-रात प्रदूषित कर रहे हैं। पर्यावरण की रक्षा व पृथ्वी की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी और कर्तव्य बनता है। इसके लिए हमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधारोपण करना चाहिए। आज के समय में पर्यावरण का गंभीर समस्या बन गया है। प्लास्टिक पर्यावरण व पृथ्वी को सबसे ज्यादा क्षति पहुंचा रही हैं। इसलिए हमें पर्यावरण संरक्षण व पृथ्वी को संरक्षित करने के लिए आज हम सभी को शपथ लेना चाहिए कि प्लास्टिक व पॉलिथीन का उपयोग नहीं करेंगे और न ही किसी को करने देगें। अगर समय रहते हुए भी नहीं संभले तो हम सभी का अस्तित्व इस पृथ्वी से ही समाप्त हो जायेगा। इसलिए हम सभी को मिलकर धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लेना चाहिए। क्योंकि सांसे हो रहीं कम अब नहीं तो कब हर सांस की कीमत चुकानी पड़ेगी तब? हर एक इंसान एक पौधा लगा कर बड़ा होने तक देख-भाल करें। तो यह एक छोटा-सा कदम पर्यावरण संरक्षण के लिए एक सराहनीय कदम होगा। क्योंकि एक पौधा दस पुत्र के बराबर होता हैं। पर्यावरण हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। प्रकृति का संरक्षण करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि इससे ही हमारे तत्व की सुरक्षा है। विश्व के सामने एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन व प्रदूषण जैसे मुद्दों के कारण हमारा जीवन खतरे में पड़ गया है। अपने शुद्ध प्राण वायु के लिए एक पौधा अवश्य लगायें ताकि हमारी धरती हरी-भरी हो और पर्यावरण संरक्षण हो सके। इस कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य नागेंद्र तिवारी शिक्षक पीयूष कुमार, धर्मेंद्र कुमार प्रभाकर, लीलावती कुमारी, अंजू सिंह, हेमंत कुमारी, नरेंद्र तिवारी, गौतम ठाकुर, देवेंद्रनाथ उपाध्याय, शाहीन परवीन, मो. इकरामुल हक, नीतीश कुमार, वीरेंद्र पासवान व छात्र-छात्राएं आदि रहे।

सभी डुमरांव वासियों को डा. अनिल कुमार मेमोरियल हॉस्पीटल की तरफ से शिव के अति प्रिय श्रावण मास, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता की हार्दिक शुभकामनाएं

DR. ANIL KUMAR MEMOIAL CLINIC

निदेशक

डा. शैलेश श्रीवास्तव

एम.बी.बी.एस (आर्नस), एम.डी
ए.एफ.आई.एच.
पूर्व रेसिडेन्ट मेडिका सुपर स्पेशिएलिटी, रांची

नोटः मिलने का समय प्रत्येक दिन मो. +91 9534712177

खबरें फटाफट

डीएम के जनता दरबार में 56 मामले

जहानाबाद। जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे द्वारासमाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर जिले के आमजनों के परिवादों को सुना गया एवं संबंधित पदाधिकारियों को उक्त परिवादों के निष्पादन हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया। डीएम के जनता दरबार मे लगभग 56 परिवाद प्राप्त हुए जिनमें पेयजल, शिक्षा, भूमि विवाद, प्रधानमंत्री आवास योजना, पंचायती राज,परिवहन, विद्युत विभाग, नल-जल योजना सहित अन्य कार्यालयों, योजनाओं से संबंधित थे। परिवादियों की समस्याओं को सुना गया एवं सभी संबंधित पदाधिकारियों को जनता दरबार में आए सभी मामलों को विशेष रुप से ध्यान देते हुए ससमय निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही अपर समाहर्ता के द्वारा एक सप्ताह के अंदर अनुपालन प्रतिवेदन भी भेजने का निर्देश दिया गया। जनता दरबार में प्राप्त परिवाद संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया गया एवं कुछ मामलों में संबंधित पदाधिकारियों को दूरभाष पर सूचित करते हुए आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया।

एमडीए-2024 को लेकर विद्या भवन सभागार में मीडिया कर्मियों का हुआ उन्मुखीकरण

डीएम आज आरा में फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर कार्यक्रम की करेंगे शुरुआत

केटी न्यूज/आरा

जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर 10 अगस्त से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए-2024) का आयोजन किया जाने वाला है। जिसको लेकर जिला पदाधिकारी राज कुमार व उप विकास आयुक्त विक्रम वीरकर के निर्देशन में शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित विद्या भवन सभागार में जिले के पत्रकारों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. शिवेंद्र कुमार सिन्हा ने की। इस दौरान उन्होंने मीडिया कर्मियों को फाइलेरिया और एमडीए राउंड को लेकर की जाने वाली तैयारियों और इसके प्रभाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सिविल सर्जन ने बताया कि इस बार एमडीए की शुरूआत आशा कार्यकताओं के द्वारा घर-घर जाकर लाभुकों को दवाओं का सेवन करा कर किया जाना निर्धारित किया गया है। 17 दिवसीय इस अभियान के तहत शुरूआत के 14 दिनों तक घर-घर जाकर लोगों को दवाओं का सेवन कराया जाएगा। जिसके बाद तीन दिनों तक स्वास्थ्य संस्थानों व आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ-साथ सरकारी व निजी संस्थानों में बूथ लगाकर दवाओं का सेवन करायी जाएगी। जिसके लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जिले के पत्रकार बंधुओं की भूमका सबसे अहम रहेगी। जिनके माध्यम से लोगों तक यह सूचना पहुंचे कि फाइलेरिया से बचना है तो फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन जरूरी है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को जिला पदाधिकारी एसबी कॉलेज आरा से फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे। मौके पर पिरामल फाउंडेशन के पटना एसपीएम अंशु कुमार राय, भोजपुर एसपीएम सोमनाथ ओझा, पीसीआई इंडिया के भोजपुर डीएमसी रणवीर पटेल, भोजपुर एनआईसी डीईओ सुनील कुमार, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण विभाग के वीबीडीसीओ अजीत कुमार पटेल व अनुज कुमार, डब्ल्यूएचओ के नीरज कुमार, सीएफएआर के एडीसी अमित सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

खाली पेट फाइलेरिया रोधी दवाएं न खाएं: एसीएमओ

आरा। अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सिन्हा ने बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर रोग है जिसे फाइलेरिया की दवा सेवन से ही बचा जा सकता है। कभी-कभी फाइलेरिया के परजीवी शरीर में होने के बाद भी इसके लक्षण सामने आने में वर्षों लग जाते हैं। इसलिए फाइलेरिया की दवा का सेवन सभी लोगों के लिए लाभप्रद है। उन्होंने बताया कि आम लोग खाली पेट दवा का सेवन नहीं करें। कभी-कभी खाली पेट दवा खाने से भी कुछ समस्याएं होती हैं। आम लोगों में फाइलेरिया की दवा सेवन के साइड इफेक्ट के बारे में कुछ भ्रांतियां हैं, जिसे दूर करने की सख्त जरूरत है। फाइलेरिया की दवा सेवन से जी मतलाना, हल्का सिर दर्द एवं हल्का बुखार हो सकता है जो शरीर में मौजूद फाइलेरिया के परजीवी के मरने के ही कारण होता है। इसलिए दवा सेवन से किसी भी प्रकार का साइड इफेक्ट मरीज के हित में ही है।

लोगों की दी जाएगी डीईसी एवं अल्बेंडाजोल की गोलियां

आरा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि इस अभियान में डीईसी एवं अल्बेंडाजोल की गोलियां लोगों की दी जाएगी। इसके लिए आशा कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ताकि, लाभुकों को दवाओं का उचित डोज दिया जा सके। दो से पांच वर्ष तक के बच्चों को डीईसी की एक गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली, 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को डीईसी की दो गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली एवं 15 वर्ष से अधिक लोगों को डीईसी की तीन गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली दी जाएगी। अल्बेंडाजोल का सेवन चबाकर किया जाना है। अभियान को सफल बनाने एवं जीविका एवं शिक्षा विभाग के साथ पिरामल फाउंडेशन, पीसीआई, सीएफएआर व अन्य सहयोगी संस्थानों की भूमिका भी सरीनीय है। उन्होंने जिले के सभी लोगों से अपील किया कि सभी यह सुनश्चित करेंगे कि अभियान में दवा का सेवन शत-प्रतिशत हो।

एक नजर

बालू की अवैध ढुलाई के आरोप में सात वाहन जब्त

छपरा। जिले में बालू के अवैध व्यापार एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सारण जिलाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष के नेतृत्व में जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में औचक छापामारी अभियान चलाया गया,इस क्रम में अवैध बालू के परिवहन को लेकर 5 ट्रक एवं 2 ट्रैक्टर जब्त किये गये। वहीं 4 प्राथमिकियां भी अलग-अलग थानों में दर्ज की गई है,जिसमें अवतार नगर थाना में में दो, डोरीगंज थाना में एक तथा जनता बाजार थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई।वहीं इन वाहनों के विरुद्ध लगभग 11 लाख रुपये का अर्थदंड भी अधिरोपित किया गया है।इस बात की जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि अवैध बालू के परिवहन एवं शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है, इस क्रम में प्रतिदिन जहां बालू घाटों पर अभियान चलाया जा रहा है वही शराब के खिलाफ भी लगातार छापेमारी की जा रही है।इस अभियान के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनपुर सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

स्वतंत्रता दिवस पर होगा फुटबॉल मैच

छपरा। आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसके अंतर्गत मुख्य समारोह का आयोजन राजेन्द्र स्टेडियम, छपरा में किया जायेगा । जिसमें प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा झंडोत्तोलन किया जायेगा। मुख्य समारोह स्थल पर सभी तरह की तैयारियों को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निदेश दिया गया। मुख्य समारोह में सम्मान कार्यक्रम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन या कार्य करने वाले सरकारी कर्मियों एवं गैर सरकारी लोगों को भी सम्मानित किया जायेगा। मुख्य समारोह के उपरांत महादलित टोलों में आयोजित झंडोत्तोलन समारोह में सभी वरीय पदाधिकारी शिरकत करेंगे। अपराह्न में राजेंद्र स्टेडियम में फैंसी फुटबॉल मैच खेला जायेगा। संध्या में भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का अयोजन किया जायेगा।सांस्कृतिक कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय वादन, शास्त्रीय नृत्य, लोकगीत, लोकनृत्य, लघु नाटिका सहित अन्य उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा किया जायेगा।सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति हेतु कलाकारों के चयन को लेकर 10 एवं 11अगस्त को प्रेक्षा गृह में स्क्रीनिंग (ऑडिशन) लिया जायेगा। अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा कलाकारों का चयन किया जायेगा। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्त्ता, अपर समाहर्त्ता लोकशिकायत सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा अयोजन समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

22 अगस्त को प्रखंड कार्यालय पर प्रदर्शन करेगा माले

छपरा। आगामी 22 अगस्त को हक दो ,वादा निभाओ अभियान के तहत भाकपा माले के कार्यकर्ता पानापुर प्रखंड कार्यालय के सामने प्रदर्शन करेंगे।इसका निर्णय भाकपा माले के जिला कमिटी के सचिव सभापति राय के भोरहा स्थित आवास पर प्रखंड कमिटी की हुई बैठक में लिया गया।प्रखंड सचिव नागेंद्र प्रसाद कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक मे प्रखंड में पार्टी के विस्तार पर चर्चा हुई एवं प्रखंड में पांच सौ लोगो को पार्टी से जोड़ने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया।जिला कमिटी के सचिव सभापति राय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के प्रत्येक गरीब परिवारो को लघु उद्योग के लिए दो लाख की सहायता राशि देने का वादा किया था,उसी वादे को पूरा करने,प्रत्येक भूमिहीन परिवार को 5 डिसमिल जमीन तथा पक्का मकान देने आदि मांगों को लेकर विशाल प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया है।बैठक में अनुज कुमार दास,मिंटू कुशवाहा,संतोष कुशवाहा,देवकली देवी,लगन राम,रविंद्र महतो,तारकेश्वर कुशवाहा सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

सारण में संदेहास्पद स्थिति में युवक को लगी गोली, निजी अस्पताल में इलाजरत

केटी न्यूज/छपरा

सारण जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र के रायपुर बिंदगावां गांव में शुक्रवार की सुबह संदेहास्पद स्थिति में युवक को गोली लग गई। जख्मी युवक को गोली बाएं साइड कमर पर लगी है। गोली लगने के कारण वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक छपरा जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र के रायपुर बिंदगावां गांव निवासी द्वारिका राय का 32 वर्षीय पुत्र उपेंद्र राय है। इधर उपेंद्र राय ने बताया कि वह घर के बाहर लघुशंका करने के लिए गया था। उसी दरमियान उसे किसी ने गोली मार दी। इसके बाद उसे इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी उपेंद्र राय ने गांव में अपने किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार के विवाद एवं दुश्मनी की बातों से साफ इनकार किया है। इसके अलावा उसने बताया कि उसे गोली किसने मारी वह नहीं देख पाया। हालांकि उक्त युवक को गोली किसी ने मारी है या खुद से लगी है। यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। बहरहाल स्थानीय पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। जबकि इलाज कर रहे हैं सर्जन चिकित्सक डॉ.विकाश सिंह ने बताया कि जख्मी युवक को गोली बाएं साइड कमर पर लगी थी। ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है।

बड़हरा में शिक्षक सह माले नेता ने सात वर्षीय छात्रा से किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

केटी न्यूज/बड़हरा

स्थानीय थाना क्षेत्र के मनिछापरा गांव स्थित एक निजी विद्यालय के संचालक सह माले नेता द्वारा ट्यूशन पढ़ाने के बहाने बुला एक सात वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस घटना के विरुद्ध बड़हरा थाना में पीड़ित छात्रा के माता के लिखित आवेदन पर आरोपित प्राइवेट स्कूल के शिक्षक पर नामजद प्राथमिकी दर्ज करा उस पर कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई गई है। पुलिस इस घटना को गंभीरता से लेते हुए अविलंब आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार विद्यालय संचालक सह शिक्षक बड़हरा थाना क्षेत्र के रामसागर गांव निवासी स्व लियाक्कत हुसैन का पुत्र मो अमरूल हक उर्फ हाना मियां है। वही पीड़ित छात्रा को मेडिकल जांच व न्यायलय में ब्यान दर्ज कराने को लेकर पुलिस ने आरा भेज दिया है। घटना को लेकर दर्ज प्राथमिकी में पीड़ित छात्रा की माता ने कहा है की आरोपित शिक्षक मनिछपरा गांव में जमीन खरीद उस पर घर का निर्माण कर एक निजी स्कूल चलाते है। वह तीन बजे से लेकर चार बजे तक छात्र छात्राओं को ट्यूशन भी पढ़ाते है। जहां मेरी पुत्री उनके पास ट्यूशन पढ़ने जाती थी। विगत पांच अगस्त को वह ट्यूशन पढ़ाने के बहाने मेरी पुत्री को दोपहर दो बजे ही अपने स्कूल पर बुलाये थे। जिसके बाद निर्लज्ज शिक्षक ने मेरी पुत्री के साथ घिनौना करतूत करते हुए दुष्कर्म किया। उसके अगले दिन ट्यूशन के समय जब मैं अपनी पुत्री को ट्यूशन जाने के लिए बोला तो वह रोने लगी और शिक्षक द्वारा किए गए सभी दुष्कर्मों को बताया जिसके बाद हम लोग शिक्षक से इस संदर्भ में बात किया तो वह बच्ची को लेकर स्कूल पर बुलाने लगे।

सभी जिलेवासियों को मेथोडिस्ट हॉस्पिटल की तरफ से शिव के अति प्रिय श्रावण मास, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता की हार्दिक शुभकामनाएं
METHODIST HOSPITAL
Partap Sagar, Dumraon, Buxar
मेथोडिस्ट अस्पताल में जिले के सर्वश्रेष्ठ आधुनिक पैथोलॉजी लैब की जांच सुविधा उपलब्ध
- पेशाब-पैखाना की जांच
- टीवी की जांच-लिपिड प्रोफाइल की जांच
- एचआईवी की जांच-एचसीवी की जांच
- हेपेटाइटिस बी की जांच
- सुगर की जांच
HBA1C की जांच जो आपके पिछले तीन महीनों का औसत सुगर रिर्पोट देता है कि कितना कंट्रोल में है
- लिवर, किड़नी की जांच
- थायरॉयड की जांच
- सीबीसी की जांच 17 पारामीटर
- विटामिन डी व बी जांच
R. K. Singh
(superintendent)
नोटः गायनी सेवाएं, स्पाइरोमेट्री द्वारा फेफड़े की जांच, अल्ट्रासाउंड की सुविधा

बलिया गाजीपुर और मऊ जनपद में काकोरी ट्रेन एक्शन कांड की 100वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम का आयोजन, जगा देशभक्ति का जज्बा

देश की खातिर बलिदान देनेवालों को अर्पित किया श्रद्धा सुमन

बलिया शुरू से ही रही है क्रांतिकारियों की धरती : परिवहन मंत्री

- शहीद पार्क चौक में परिवहन मंत्री ने किया महान सेनानियों को नमन

केटी न्यूज / बलिया

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का शुभारंभ शहर के शहीद चौक में कार्यक्रम आयोजित कर हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दयाशंकर सिंह, डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार, एसपी विक्रांतवीर व अन्य ने स्वतंत्र्य समर नामक महान क्रान्तिकारियों के शिलापट्ट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। सेनानी रामविचार पाण्डेय व महान सेनानियों के आश्रितों को पुष्प व अंगवस्त्र से सम्मानित भी किया गया। इसके बाद महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि बलिया क्रान्तिकारियों की धरती शुरू से ही रही है। आज ही के दिन काकोरी एक्शन हुआ था। जब आजादी के लिए चलाए जा रहे आंदोलन के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी, तब हमारे महान क्रान्तिकारियों ने अंग्रेजों के सरकारी खजाने को लूट कर सेनानियों को दिया था। हमारे महान सेनानियों ने अपने जीवन का बलिदान दिया, तभी हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के शुभारम्भ के अवसर पर संकल्प संस्था के आशीष त्रिवेदी के नेतृत्व मे देशभक्ति पर आधारित नाटक का मंचन किया गया। इसके अलावा बिरहा गायक जयप्रकाश राजभर, आनंद चौहान, लोकगीत गायक अंजनी उपाध्याय ने देशभक्ति गीतों को सुनाकर सबके मन में क्रान्तिकारी भाव पैदा कर दिया। भोजपुरी भूषण नन्दजी नन्दा ने काव्यपाठ किया। कार्यक्रम में सीडीओ ओजस्वी राज, डीडीओ आनन्द प्रकाश, सीओ श्यामजीत, नेहरू युवा केंद्र के कपिलदेव सहित अन्य लोग मौजूद थे। संचालन करते हुए साहित्यकार डॉ शिवकुमार सिंह कौशिकेय ने काकोरी एक्शन और आजादी की लड़ाई में बलिया के योगदान का सजीव वर्णन किया।

बलिदान हुए क्रांतिकारियों को नमन : जिलाधिकारी

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों, सेनानी परिजनों व अन्य लोगों के प्रति आभार जताया। कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में बलिदान हुए क्रान्तिकारियों को नमन करता हूं। बताया कि आज ही के दिन 1925 में हुआ काकोरी ट्रेन एक्शन आजादी की चल रही लड़ाई के ऐतिहासिक क्षणों में एक था। आज हम उस एक्शन के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। इससे सम्बन्धित कार्यक्रम एक वर्ष तक आयोजित होंगे। इस अवसर पर उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का मौका है, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपनी जान न्योछावर कर दी।

कलेक्ट्रेट से शहीद पार्क तक निकली साइकिल रैली

बलिया। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के अवसर पर कलेक्ट्रेट से साइकिल रैली निकाली गयी। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने इसे हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। पीआरडी जवान, स्काउट, एनसीसी कैडेड्स व स्टेडियम के खिलाड़ियों ने इस रैली में प्रतिभाग किया। विभिन्न देशभक्ति स्लोगन व गुंजायमान नारों के साथ निकली यह रैली टीडी कालेज से पूरा शहर भ्रमण करते हुए शहीद पार्क चौक पर जाकर समाप्त हुई।

कारागार मंत्री ने काकोरी ट्रेन एक्शनकांड के वीर सपूतों को किया याद

- छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम किया प्रस्तुत

केटी न्यूज / गाजीपुर

काकोरी ट्रेन एक्शन कांड की 100वीं वर्षगांठ पर शताब्दी समारोह का आयोजन गाजीपुर में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि कारागार मंत्री उत्तर प्रदेश दारा सिंह चौहान रहे। इस समारोह में काकोरी ट्रेन एक्शन के वीर सपूतों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह विशेष कार्यक्रम परमवीर चक्र से सम्मानित वीर अब्दुल हमीद के गांव धामूपुर में शुक्रवार को किया गया। बता दें कि 1965 के युद्ध में अकेले ही पाकिस्तानी सेना की खटिया खड़ी करने तथा पाकिस्तान के आठ पैटन टैंकों को नष्ट कर लड़ाई का पूरा रुख बदलने वाले वीर अब्दुल हमीद को लोगों ने नमन किया। अब्दुल हमीद का जन्म उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के धामूपुर गांव में एक जुलाई 1933 में मुस्लिम दर्जी परिवार में हुआ था। मुख्य अतिथि ने वीर अब्दुल हमीद को नमन करने के साथ ही काकोरी ट्रेन एक्शन कांड के शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। काकोरी कांड को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान के साथ ही जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक गाजीपुर भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने वीर अब्दुल हमीद की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन के वीर सपूतों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गाजीपुर, एसडीएम जखनियां, क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा, थानाध्यक्ष दुल्लहपुर एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद रहे।

100वीं वर्षगांठ पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताव्दी समारोह का आयोजन

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों में शासन के निर्देश पर शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताव्दी समारोह का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ बीईओ अशोक कुमार गौतम ने किया। आयोजित इस काकोरी ट्रेन एक्शन शताव्दी समारोह के बीच विद्यालयों में विभिन्न तरह के चित्रकला, वाद-विवाद, निबंध आदि तरह के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों/अध्यापकों ने भव्य प्रभात फेरी भी निकाली, जो विद्यालयों से गांव, कब्बे प्रमुख मार्गों से होकर पुनः विद्यालय परिसर आकर समाप्त हुई। इस प्रभात फेरी में भाग लेने वाले छात्रों ने देशभक्ति गीत गाते और हाथों में तख्तियां लेकर चल रहे थे। इसे लेकर देशभक्ति आदि तरह-तरह के नारे लिखे हुए थे। इस दौरान पूरे मार्ग में देशभक्ति की आवाज गूंज रही थी। इस अवसर पर बीईओ अशोक कुमार गौतम ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। हमें इस गौरवशाली इतिहास को सदैव स्मरण करना चाहिए और आने वाली पीढियों को इसके बारे में बताकर जागरूक करना चाहिए। इस बीच बीईओ ने काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़े स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की वीरता और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि काकोरी कांड हमें अपने देश के प्रति कर्तव्य और बलिदान का पाठ पढ़ाता है। ऐसे आयोजनों से हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है और वे अपने देश की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। प्रभात फेरी के बाद विद्यालयों में एक संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने देशभक्ति गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। इस मौके पर एआरपी संत कुमार गुप्ता, प्रधानाध्यापक विजयेंद्र नाथ सिंह, विवेक यादव, धनञ्जय गौतम, विरजू कुमार, अजय सिंह, अनिता सिंह, प्रियंका सिंह, सरिता सिंह आदि उपस्थित थे।

English Medium Primary School
Yuvraipur-I Reotipur, GHAZIPUR

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव में मऊ जनपद के स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों के परिजनों को किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/ मऊ

काकोरी शहीद स्मारक स्थल लखनऊ में आयोजित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ एवं वीरों को नमन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कम्युनिटी हॉल में किया गया। यह कार्यक्रम काकोरी शहीद स्मारक स्थल लखनऊ में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर जनपद में भी विभिन्न स्थानीय कलाकारों द्वारा देशभक्ति पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन कम्युनिटी हाल में किया गया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया।

काकोरी शहीद स्मारक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश पर अपने प्राण न्योछावर करने वालों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सभी ज्ञात अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री जी द्वारा दिए गए पंच प्रण के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने जो बलिदान दिया है, हमें अपने कर्तव्यों में भी उसका पालन करना होगा तथा देश को दुनिया में मजबूत राष्ट्र बनाना होगा। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पूर्व हमारा देश दुनिया में दसवीं बड़ी आर्थिक शक्ति था। इन 10 सालों में हम पांचवी बड़ी आर्थिक शक्ति बन गए हैं। प्रधानमंत्री जी ने 2027 तक देश को तीसरी बड़ी आर्थिक व्यवस्था बनाने का प्रण लिया है, जिसे हम सभी को पंच प्रण के माध्यम से पूरा करना है। उन्होंने जाति, व्यक्ति एवं धर्म से राष्ट्रहित को ऊपर रखा और राष्ट्रहित के लिए इन चीजों को इससे ऊपर उठने हेतु त्याग करने को कहा। वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री ने सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा जिससे काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह की सफलता सुनिश्चित हो सके। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के उपरांत जनपद स्तर पर जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय कालिका प्रसाद के परिजन शारदानंद वर्मा, शहीद सुदामा राजभर की पत्नी आशा देवी, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय केशव प्रसाद के परिजन रणवीर, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय दुख्खीराम के परिजन अजय कुमार, स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय सरीखन पांडेय के परिजन सत्येंद्र पाण्डेय को माला पहना कर स्वागत करते हुए उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा संस्कृति विभाग के कलाकारों एवं सोनी धापा बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित गीत एवं नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक इलामारन , मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर, भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष नूपुर अग्रवाल, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अरशद जमाल,जिला प्रोबेशन अधिकारी, परियोजना निदेशक रामबाबू त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी उमेश चंद्र तिवारी, अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार यादव सहित अन्य संबंधी अधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा लोग उपस्थित रहे।

पांच किमी लंबे मार्ग के टूटने से आवागमन बाधित

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

गाजीपुर। एनएच ताड़ीघाट बारा मार्ग से उधरनपुर होते हुए उतरौली- नगसर मार्ग तक जाने वाले करीब पांच किमी लंबे जर्जर मार्ग एवं आवागमन को लेकर हो रहे परेशानियों से आक्रोशित ग्रामीणों ने शुक्रवार को लोनिवि के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने लोक निर्माण विभाग के खिलाफ नारेबाजी भी किया। इस प्रदर्शन की जानकारी होते ही लोनिवि के अधिशासी अभियंता एके सिंह ने प्रदर्शनरत लोगों से फोन पर वार्ता कर एक हफ्ते के अंदर मरम्मत का आश्वासन दिया तब जाकर लोग शांत हुए। इस बीच ग्रामीणों ने चेताया कि अगर दिए गए आश्वासन के एक हफ्ते में इस मार्ग की मरम्मत नहीं हुआ तो हम ग्रामीण बड़े आंदोलन को मजबूर होगें। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क इलाके के करीब आधा दर्जन गावों टोंगा, उधरनपुर, बड़ौरा, नगसर, उतरौली आदि को जोड़ती है। इसका निर्माण दशकों पहले कराया गया था। इस मार्ग से हर रोज सैकड़ों वाहनों का आवागमन होता है। बताया कि इस सड़क में असंख्य गड्ढे, जलजमाव होने से राहगीरों को दिन रात काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि मार्ग की यह बदहाल दशा पिछले करीब एक साल से है। लोगों ने बताया कि जर्जर मार्ग की बदौलत ही पिछले एक साल पूर्व में कई हादसे हो चुके हैं। इसमें एक की मौत और दर्जनों चोटहिल भी हो चुके हैं ग्रामीणों ने बताया कि जल्द इस मार्ग की मरम्मत की जाए। ताकि क्षेत्रीय लोगों को सहूलियत हो सके। कहा कि यह इलाका कृषि बहुल भी है। इसके चलते किसानों का अपने खेतों तक और फसलों के उत्पाद को मंडियों तक लेकर आने-जाने का सिलसिला लगा रहता है। लोनिवि खंड प्रथम के अधिशासी अभियंता एके सिंह ने बताया कि मार्ग के पुनर्निमाण के लिए शासन को करीब बीस लाख का प्रस्ताव भेजा गया है। बताया कि प्रस्ताव के मंजूर होने और धनराशि के अवमुक्त होते ही पुनर्निर्माण शुरू करा दिया जाएगा।

परीक्षा ड्यूटी में छोटी सी चूक भी अक्षम्यः डीएम

बलिया। उप्र पुलिस परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा में हर स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। जिनको जो जिम्मेदारी मिली है, उसका निर्वहन ध्यानपूर्वक करेंगे। कहीं भी किसी प्रकार की छोटी से छोटी चूक भी नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जो निर्देश पुस्तिका में निर्देश अंकित है, उसी के अनुसार परीक्षा से जुड़ी सभी कार्यवाही की जानी है। इसलिए इस बुकलेट का अध्ययन ध्यान से कर लें। इसमें परीक्षा से जुड़ी हर बारीकियां अंकित हैं। उन्होंने दोहराया कि परीक्षा को सुचितापूर्वक सम्पन्न कराने के प्रति सरकार पूरी तरह गंभीर है, लिहाजा छोटी से छोटी चूक की भी संभावना नहीं होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर किसी की भी लापरवाही मिली तो बड़ी कार्रवाई तय है। बैठक में पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर, एडीएम डीपी सिंह, मुख्य कोषाधिकारी आनंद दूबे, माध्यमिक शिक्षा विभाग के अतुल तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

स्कॉर्पियो की चपेट में आने से पांच वर्ष की बच्ची की मौत, एक गंभीर

फेफना। स्थानीय थाना क्षेत्र के फेफना बलिया मार्ग पर नसीराबाद प्राथमिक स्कूल के समीप स्कॉर्पियो की चपेट में आने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। वही सुचना पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस से घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांचोपरांत एक को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की शाम फेफना थाना क्षेत्र के बघेजी निवासी रोहित सिंह (30) पुत्र रामप्रवेश सिंह, बलिया अपने बड़े पिता को देखने अपने के घर जा रहे थे अभी नसीराबाद प्राथमिक स्कूल के समीप पहुंचे ही थे कि बलिया के तरफ से आ रही तेज रफ्तार की स्कॉर्पियो के चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए वही साथ बैठी परी(6) पुत्री रोहित की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। टक्कर की आवाज सुनकर आस पास के लोग इकट्ठा हो गए, और भीड़ इकट्ठा हो गई भीड़ में से किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। सुचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहा चिकित्सकों ने जांचोपरांत परी(6) को मृत घोषित कर दिया। तथा रोहित की स्थिति गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद मऊ के लिए रेफर किया गया है जहा उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। थाना पुलिस ने इसकी सूचना परिजनों को देने के साथ ही वाहन को कब्जे में ले लिया है।

फेफना के सिंहपुर प्राथमिक विद्यालय नंबर-1 का मामला, अधिकारी से लेकर जनप्रतिनिधि तक मौन

स्कूली बच्चे गंदा पानी पीने को मजबूर, बीमारी का खतरा

- मिड-डे मील खाना बनाने में भी आ रही दिक्कतें
- स्कूली बच्चों की सेहत बिगड़ जाए तो इसका जिम्मेदार कौन होगा

केटी न्यूज / फेफना

प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को खाने के लिए दोपहर में भोजन तो मिल रहा है, पर प्यास बुझाने के लिए पीने योग्य पानी का अभाव है। उन्हें दूषित जल का ही सेवन करना पड़ रहा है। मामला सिंहपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय नंबर 1 का है जहाँ पीने के पानी का संकट है।

यहां हैंडपंप से गंदा पानी निकल रहा है। बच्चे इसी पानी को पीने के लिए मजबूर हैं। साथ ही मिड-डे मील का खाना बनाने में दिक्कतें आ रही हैं। ऐसे में स्कूली बच्चों की सेहत कब बिगड़ जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता है। शिक्षा विभाग से लेकर ग्राम पंचायत के जिम्मेदार इस दिशा में उदासीन बने हुए हैं।

शौचालय बना शो पीस

गांव के वरिष्ठ नागरिक प्रेमनाथ सिंह ने बताया कि यहां पर पानी के साथ-साथ शौचालय का भी परेशानी है। यहां पर पढ़ने आने वाले बच्चियों को बाहर जाने के लिए सोचना पड़ता है।

यहां पर शौचालय तो बना है लेकिन वह केवल शो पीस बनकर रह गया है। प्रधानाध्यापक ओम प्रकाश भारती ने बताया कि पेयजल संकट के चलते बच्चों को बाहर से पानी लाना पड़ता है। इसकी शिकायत की गई, लेकिन अभी तक हैंडपंप ठीक नहीं कराए गए।

बाहर से लाना पड़ता है पानी

बलिया। रसोईया मीना देवी ने बताई कि पांगण में लगे नल से दूषित पानी निकल रहा है। लाल रंग के पानी में दुर्गंध आ रही है। यहाँ पेयजल के लिए बच्चों को परेशान होना पड़ता है। मिड-डे मील योजना अंतर्गत भोजन बनाने में भी दिक्कतें आ रही हैं। खाना बनाने के लिए 200 मीटर दूर से 10 से 15 बाल्टी पानी लाना पड़ता है। कभी-कभी रसोई घर साफ करने के लिए 30 से 40 बाल्टी भी लानी पड़ती है जिसे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वही जब इस संबंध में छात्रों से बात किया गया तो उनका कहना है कि पानी पीते समय दुर्गंध आता है जिससे हमेशा बीमार होने का डर सताए रहता है।

प्राथमिक विद्यालय सिंहपुर नं-1 जनपद बलिया

सभी आरा-बक्सर जिले वासियों व ग्रामीण चिकित्सकों ऑर्थोपिडिक्स क्लिनिक की तरफ से शिव के अति प्रिय श्रावण मास, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता की हार्दिक शुभकामनाएं
ऑर्थोपेडिक्स क्लिनिक
आवासीय क्लिनिकः बीडीओ ब्लॉक रोड़ पार्वती चन्द्रा होटल की गली में आरा
डा. वीरेन्द्र कुमार
एम.बी.बी.एस डी आर्थो पी.एम.सी.एच
एफ.आई.एम. एस यू.के.
भूतपूर्व ऑर्थोपेडिक्स सर्जन, गुजरात सरकार
हड्डी जोड़ एवं नस रोग विशेषज्ञ

LIC
सभी जिलेवासियों व एलआईसी अभिकर्त्ताओं को शिव के अति प्रिय श्रावण मास, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीधर कुमार उर्फ पप्पू मिश्रा
Corporate club member
COT(USA)
LIC OF INDIA

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव, वीरों को नमन कार्यक्रम का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया उद्घाटन, बोले...

भारत को महाशक्ति बनने से कोई रोक नहीं सकता

- ◆ अमृतकाल में पंच प्रण का सब पालन करें तो कोई कारण नहीं कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति न बन सके
- ◆ काकोरी एक्शन ब्रिटिश राज की कायरता का प्रमाण, 4,679 रुपए की लूट के लिए खर्च किए 10 लाख, शहीदों को एक दिन पहले ही फांसी पर लटकाया गया

केटी न्यूज / काकोरी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश की वीर भूमि काकोरी में शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत वीरों को नमन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए डाक अनावरण व संस्कृत विभाग द्वारा निर्मित पुस्तिका का विमोचन किया और बच्चों के साथ काकोरी शहीद मंदिर के बाहर सेल्फी भी ली। सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई शक्ति हमें महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा जो पंच प्रण दिलाए गए हैं, उनको देश के हर नागरिक को आत्मसात करना होगा। यही हमारे अमर बलिदानियों और शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अगर हम इन प्रण को आत्मसात करके अपने कार्यों को पूरा करते हैं तो कोई कारण नहीं है कि हमारा देश विश्वगुरु और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति न बने। इस अवसर पर सीएम योगी ने जिला प्रशासन लखनऊ व संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित एक्शन शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत 'वीरों को नमन' कार्यक्रम में रोहित खत्री (रामकृष्ण खत्री के प्रपौत्र), राजीव कुमार सिंह व क्षिप्रा सिंह (प्रपौत्र व प्रपौत्री ठाकुर रोशन सिंह), आफाक उल्लाह खान (पौत्र अश्फाक उल्लाह खान) तथा मनमोहन पाण्डेय (कैप्टन मनोज पाण्डेय के भाई) समेत स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। इस दौरान लघु फिल्म, नृत्य नाटिका, वीर गायन समेत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन भी हुए।

सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन को याद करते हुए कहा कि देश से बाहर जा रहे राजस्व को देश सेवा में प्रयुक्त करने की मंशा से जो कार्य पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह जैसे वीर सपूतों ने किया था उसने न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरीं थी। प्रदेश भर में आयोजित कार्यक्रमों के जरिए यह मां भारती के वीर सपूतों, उन महान क्रांतिकारियों को जिन्होंने सर्वस्व बलिदान किया था, उन सभी ज्ञात-अज्ञात सेनानियों व शहीदों को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आजादी एक दिन में प्राप्त नहीं हुई। अलग-अलग कालखंड में हुए संघर्षों से इसकी नींव पड़ी। अब आजादी के अमृत काल के शुभारंभ के अवसर पर ही काकोरी एक्शन के शहीदों के प्रति कृतज्ञता प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन के दौरान क्रांतिकारियों ने रणनीति बनाकर भारत का पैसा जो ब्रिटेन ले जाया जा रहा था उसे रोककर भारत की क्रांति में धन का उपयोग किया था। तब जो रकम प्राप्त हुई थी वह मात्र 4,679 रुपए थी, जबकि अंग्रेजी हुकूमत ने 10 लाख रुपए केवल केस पर खर्च कर दिए। घटना में बिना सुनवाई के ही वीरों को फांसी की सजा सुना दी गई थी और नियत दिन से एक दिन पहले ही फांसी दे कर उस समय की हुकूमत ने कायरता दिखाई थी। सीएम योगी ने कहा कि एक्शन में शामिल कुछ वीर सपूतों को फांसी हुई, जबकि कुछ को कालापानी की सजा हुई। इन सभी को अंग्रेजों ने तमाम प्रलोभन दिए मगर इनका एक ही जवाब था, 'जीवन पुष्प चढा चरणों पर, मांगे मातृभूमि से यह वर। तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें।' इसी संकल्प के साथ खुद को बलिदान करना स्वीकार किया मगर हार नहीं मानी। आज आजादी इन्हीं शहीदों के बलिदान का परिणाम है। कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, सदस्य विधान परिषद लालजी प्रसाद निर्मल, अंबरीश कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, लखनऊ पूर्व के विधायक ओपी श्रीवास्तव, बख्शी का तालाब के विधायक योगेश शुक्ल, मलिहाबाद की विधायक जया देवी कौशल, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम, लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार समेत विभिन्न अधिकारी, नेता, अधिकारी व शहीदों के परिजन उपस्थित रहे।

जाति-मत-मजहब नहीं, देश हो सर्वोपरि: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी शानदार यात्रा को आगे बढ़ाया है। भारत अगले 2 वर्षों में देश की तीसरी सबसे बड़ी महाशक्ति बनने जा रहा है। सबके चेहरों पर खुशहाली होगी, मगर ये तभी हो सकता है जब हमारी प्राथमिकता हमारी जाति, मत, मजहब नहीं बल्कि राष्ट्र होगा। समतामूलक समाज की स्थापना के लिए वोकल फॉर लोकल जैसे मूल्यों पर आगे बढ़ना होगा। दुनिया की कोई ताकत भारत का रास्ता नहीं रोक सकती। यही समय है, सही समय है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव पर पंच प्रण की शपथ दिलाई थी, ये हमारा सूत्र होना चाहिए। हम भारत को दुनिया में किस रूप से शक्तिशाली राष्ट के रूप में स्थापित कर सकते हैं इसका चिंतन करना होगा। आज हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं तो कोई कारण नहीं कि भारत की उन्नति न हो।

प्रदेश में साढ़े चार करोड़ घरों पर फहराएगा तिरंगा

योगी ने कहा कि 1942 में आज ही के दिन महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आगाज किया था। आज हर शहीद स्माकर पर राष्ट्र धुन के साथ विभिन्न बैंड की धुन बजेगी। हर घर तिरंगा अभियान चलेगा जिसमें हर घर तिरंगा फहराया जाएगा। उत्तर प्रदेश में साढ़े चार करोड़ तिरंगा हर घर फहराया जाएगा। एक वर्ष तक चलने वाले राष्ट्रभक्ति के विभिन्न कार्यक्रमों में हम सबकी सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कल भारत को हॉकी और जैवलिन थ्रो में भी नीरज चोपड़ा को मेडल प्राप्त हुआ है, इन सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन है, देश इनसे प्रेरणा ले रहा है।

गोरखपुर में भी बसती हैं काकोरी की यादें

लखनऊ। 9 अगस्त 1925 को काकोरी के पास ट्रेन से सरकारी खजाना लूटने के मामले में पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, चंद्रशेखर आजाद, मन्मथ नाथ गुप्त, अशफाक उल्लाह खां, राजेंद्र लाहिड़ी, सचिंद्र नाथ सान्याल, केशव चक्रवर्ती, मुरारीलाल, मुकुंदीलाल और बनवारी लाल के साथ अभियुक्त बनाये गये। इस आरोप में पंडित राप्रसाद विस्मिल गोरखपुर जेल में बंद थे। ट्रायल के बाद उनको 19 दिसंबर 1927 को फांसी दे दी गई। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के नाम पर जिला कारागार में एक खूबसूरत स्मारक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल से बना है। उनके जन्मदिन और शहादत के दिन बड़ी संख्या में पुष्पांजलि अर्पित करने लोग वहां जाते हैं।

बिस्मिल ने गोरखपुर जेल से लिखा था अशफाक उल्ला को पत्र

अशफाक उल्ला खां भी काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों में से एक थे। उनको भी इसी केस में सजा-ए-मौत मिली थी। पंडित रामप्रसाद बिस्मिल से उनका बेहद याराना था। जेल से उन्होंने अशफाक को पत्र भी लिखा था। पत्र कुछ यूं था। "प्रिय सखा...अंतिम प्रणाम, मुझे इस बात का संतोष है कि तुमने संसार में मेरा मुंह उज्जवल कर दिया। ..जैसे तुम शरीर से बलशाली थे वैसे ही मानसिक वीर और आत्मबल में भी श्रेष्ठ सिद्ध हुए।

गोरखपुर का चिड़ियाघर अशफाक उल्ला की याद दिलाता रहेगा

अशफाक उल्ला खां की स्मृति में गोरखपुर चिड़ियाघर का नामकरण उनके नाम पर किया गया है। मुख्यमंत्री जब भी यहां आते हैं, बिस्मिल, अशफाक समेत काकोरी ट्रेन एक्शन के सभी नायकों का जिक्र जरूर करते हैं।

सचिंद्र नाथ सान्याल स्मारक का पिछले साल किया था सीएम योगी ने शिलान्यास

पिछले साल मार्च में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता संग्राम के नायक सचिंद्रनाथ सान्याल की गोरखपुर से जुड़ी यादों को जीवंत रखने तथा वर्तमान व भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा पुंज बनाने के लिए सान्याल स्मारक का शिलान्यास किया था। यह स्मारक बनकर तैयार है और जल्द ही सीएम योगी के हाथों इसका उद्घाटन भी होगा। सनद रहे कि काकोरी केस के नायकों में से एक सचिंद्र नाथ सान्याल को 10 साल की सजा हुई थी। बाद में उन्होंने गोरखपुर को ही अपना घर बना लिया। जीवन पर्यन्त यहीं रहे।

इन कार्यक्रमों के पीछे मंशा

उल्लेखनीय है कि जिस तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर चौरी-चौरा शताब्दी वर्ष पर साल भर जंगे आजादी के शहीदों की याद में कार्यक्रम चले, उसी तरह काकोरी ट्रेन एक्शन की याद में भी साल भर कार्यक्रम चलेंगे। इस अवसर पर वहां आयोजित छह दिवसीय मेले का उद्घाटन 9 अगस्त को मुख्यमंत्री करेंगे। इन कार्यक्रमों के जरिये मुख्यमंत्री का प्रयास रहता है कि युवा पीढ़ी आजादी के इन नायकों के देश प्रेम के जज्बे, जोश और जुनून को जाने। यह भी जाने कि आजादी यूं ही प्लेट में सजाकर नहीं दी गई थी। इसके लिए हजारों लोगों ने कुबार्नी दी। अपना सब कुछ लुटा दिया।

खबरें फटाफट

रोजगार मेला 14 अगस्त को

चंदौली। जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में 14 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्ट पर अपना पंजीयन कराना अनिवार्य है। यह जानकारी देते हुए जिला सेवायोजन अधिकारी गिरीजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि मेले में गीगा कार्पसोल व वाकरू इंटरनेशनल कम्पनी प्रतिभाग करेंगी। बताया कि गीता कार्पसोल मशीन आपरेटर तथा वाकरू इंटरनेशलन कम्पनी ट्रेनी आपरेटर/मशीन हेल्पर पद के लिए युवाओं का साक्षात्कार लेगी। बताया कि हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई व डिप्लोमा की योग्यता रखते हुए युवा रोजगार मेले में अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, अंक पत्र, बायोडाटा व चार फोटो के साथ प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

प्रभारी मंत्री ने किया काकोरी ट्रेन शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ

चंदौली। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत नियामताबाद स्थित डीपीआरसी में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सवर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण राज्य मंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री संजीव गौड़ ने जिलाधिकारी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन व गुब्बारे उड़ाकर किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही कांकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के कार्यक्रम जो कांकोरी में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित किये गए हैं उसका प्रसारण भी उपस्थित लोगों के बीच किया गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। तत्पश्चात लोगों को संबोधित करते हुये प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह हम सभी के लिए गौरव का दिन है कि हम लोगों को कांकोरी ट्रेन कांड का शताब्दी वर्ष मनाने का अवसर प्राप्त हुआ है। हम सभी भाग्यशाली हैं जो इस गौरवशाली क्षण को देख रहे हैं।

अवांछनीय तत्वों के खिलाफ पुलिस कड़ाई से करें कार्रवाई: डीआईजी

केटी न्यूज / चंदौली

पुलिस उप महानिरीक्षक वाराणसी, परिक्षेत्र डा. ओमप्रकाश सिंह ने शुक्रवार को पुलिस लाइन स्थित सभागार में आगामी त्योहारों के मद्देनजर समीक्षा बैठक की। मातहतों को निर्देश दिया कि अवांछनीय तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करें, ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे। आइजीआरएस व जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना पत्रों के डिफाल्टर से पूर्व की स्थिति में समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया। कहा कि विवादित प्रकरणों में निरोधात्मक कार्रवाई अवश्य की जाए। हिस्ट्रीशीटर, टाप टेन सूची में शामिल आरोपितों की सतत निगरानी व उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया।

डीआइजी ने पर्वों के दौरान संवेदनशीलता के दृष्टिगत छोटी से छोटी घटनाओं पर गंभीरता पूर्वक कार्रवाई करने के लिए समस्त क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिया। यूपी 112 पर प्राप्त सूचनाओं को पीआरवी वाहनों की ओर से तत्काल मौके पर पहुंचकर समयबद्ध निस्तारण की हिदायत दी। लुटेरे, अवैध शराब व पशु तस्करों आदि पेशेवर अपराधियों की सूची तैयार कर उनकी सतत निगरानी व सत्यापन करने, सक्रिय दुर्दांत अपराधियों का जमानत निरस्तीकरण की कार्रवाई कराने सहित उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। आपरेशन त्रिनेत्र के तहत ग्राम पंचायत व व्यापारी बंधुओं व प्रतिष्ठान मालिकों, समाजसेवियों व अन्य लोगों संग वार्ता कर/सामंजस्य बना जनसहयोग से अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे अधिष्ठापित व संचालन की कार्रवाई कराएं। आपरेशन कन्विक्शन के तहत अभियोजक व मानिटरिंग सेल की ओर से समन्वय बना प्रभावी पैरवी कर दिलाई जाए। महिला/बालिकाओं से संबंधित अपराधों में गंभीरता से कार्रवाई के निर्देश दिए। वाहनों की सघन चेकिंग, रात्रि गश्त, पैदल गश्त का निर्देश दिया। मिशन शक्ति अभियान के क्रम में महिला बीट अधिकारी 'शक्ति दीदी' की ओर से सार्वजनिक स्थानों/कस्बों/गांवों में चौपाल लगाकर जागरूक करने का निर्देश दिया।

किसानों ने ट्रैक्टरों पर चढ़कर निकाली तिरंगा यात्रा

चंदौली। भारतीय किसान यूनियन, टिकैत गुट के आह्वान पर शुक्रवार को पूरे देश मे ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाला। इसी कड़ी में जिले में दर्जनों ट्रैक्टरों के साथ तिरंगा यात्रा मंडल प्रवक्ता मणिदेव चतुर्वेदी के नेतृत्व में निकाली गई। मणिदेव चतुर्वेदी ने कहा कि प्रशासन इस यात्रा को रोकने के लिए अलर्ट था। यात्रा न निकालने को लेकर शाम से ही पुलिस प्रशासन मुकदमा दर्ज करने की धमकी दे रहा था। इस क्रम में संगठन के पदाधिकारियों को घर में पुलिस ने नजरबंद करने का शुरू कर दिया था। भाकियू जिलाध्यक्ष सतीश सिंह चौहान के घर पर पुलिस जा चुकी थी और दर्जनों ट्रैक्टरों को शहाबगंज में ही रोक दिया गया। तमाम धमकियों व प्रशासनिक दबाव के बावजूद भाकियू ने शुक्रवार को ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा निकाला जो रिलायंस पेट्रोल पम्प से शुरू होकर बिछिया धरना स्थल पर पहुंचे और नायब तहसीलदार चित्रसेन सिंह यादव को ज्ञापन दिया गया। इस दौरान एमएसपी कानून गारंटी, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने, कर्ज माफी, एक फीसदी ब्याज दर पर किसानों को ऋण, अग्निवीर योजना की समीक्षा, गन्ने का 400 रुपया प्रति कुंतल दाम लागू करने, नहरों का पक्कीकरण आदि मांगों को उठाया गया। कहा कि स्वतंत्रता समारोह मनाने को लेकर जिस तरह से किसानों को उनके घरों में नजरबंद किया गया, वह पूरी तरह से असंवैधानिक है। शासन प्रशासन के इस रवैये को लेकर भारत का किसान-मजदूर भयभीत है। आज यह स्पष्ट हो गया है कि संविधान खतरे में है। जिलाध्यक्ष सतीष सिंह चौहान ने कहा कि जिले में मनमानी चल रही है। कोई भी सुविधा देख देखकर बांटी जा रही है।

बरसात होते ही बह गई सड़क आवागमन हो रही कठिनाई

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा गांव में शुक्रवार को दोपहर में बरसात के कारण सई नदी पुल पर जाने वाली सड़क टूटकर बह गई। सड़क टूटकर बहने से राहगीरों को आवागमन में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बता दे कि उक्त गांव में सई नदी पुल पर यह सड़क जाती है। शुक्रवार को दोपहर में बारिश होते ही सड़क पूरी तरह से टूटकर बह गयी। जिसके चलते इस सड़क पर आने-जाने वाले आम जनमानस को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस सड़क से आवागमन करने वाले राहगीरों ने बताया कि भ्रष्टाचार के कारण सड़क की गुणवत्ता ठीक न होने के कारण ही इस प्रकार का कारनामा हुआ है। सई नदी पुल का पहुँच मार्ग सड़क बरसात के कारण टूट कर बह जाना लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

समाजवादी पार्टी ने चलाया पीडीए जागरूकता अभियान

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के चारों युवा संगठनों ने नौ अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर छात्र, नौजवान, पीडीए जागरूकता अभियान शुरू किया गया। समाजवादी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियान के जनपद प्रभारी व समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश महासचिव शैलेश यादव, प्रदेश सचिव सुमित यादव राजा सहित उनके साथ आए हुए प्रांतीय पदाधिकारियों का ज़िले की सीमा पर समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष अशोक नायक ज़िला उपाध्यक्ष महेंद्र यादव, रमापति यादव रामजतन यादव, दीनानाथ सिंह जी के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। समाजवादी युवजन सभा जिलाध्यक्ष अशोक यादव ,समाजवादी छात्र सभा जिलाध्यक्ष दिलीप यादव,समाजवादी लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष आनंद गुप्ता व मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड जिलाध्यक्ष गुड्डू सोनकर द्वारा सदर विधानसभा क्षेत्र के टीडी कालेज मुख्य द्वार पर कैंप लगाकर छात्रों, नौजवानों और पीडीए समाज को जागरूक करते हुए फीस वृद्धि, शिक्षा बजट ने कटौती, पेपर लीक, आरक्षण में कटौती और नियुक्तियों में धांधली आदि भाजपा सरकार के उत्पीड़न से छात्र नौजवान और पीडीए समाज को जागरूक करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनपद प्रभारी शैलेश यादव प्रदेश महासचिव सयुस ने कहा कि भाजपा सरकार की छात्रों, युवाओं के कल्याण और भविष्य के लिये कोई योजना नहीं है।

शहीदों के शिलापट्ट पर पीयू के कुलपति ने अर्पित की पुष्पांजलि

शहीदों के सम्मान में निकाला गया साइकिल मार्च

केटी न्यूज / जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिसर इकाई द्वारा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर शुक्रवार को मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शहीद शिलापट पर पुष्पांजलि अर्पित कर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर शहीदों की वीरता और उनके द्वारा दिए गए बलिदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन स्वतंत्रता के प्रति हमारे वीर क्रांतिकारियों की अटूट प्रतिबद्धता और बलिदान की प्रतीक थी। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक अहम हिस्सा है, जिसने हमें आजादी की राह पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस महोत्सव का उद्देश्य नई पीढ़ी को उस संघर्ष की गाथा से अवगत कराना और उन्हें राष्ट्रप्रेम की भावना से प्रेरित करना है। साथ ही साथ शहीदों की याद में एक विशेष साइकिल मार्च का भी आयोजन किया गया। साइकिल मार्च का उद्देश्य न केवल शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त करना था, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाना और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को जीवित रखना भी था। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक विनोद सिंह ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आज हम उन वीरों को नमन करते है जिन्होंने अपने जीवन को राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके सपनों को साकार करने के लिए हमें एकजुट होकर सशक्त भारत का निर्माण करना होगा। इस अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई एवं क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता में 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसके साथ ही डॉ. नितेश जायसवाल ने काकोरी ट्रेन एक्शन पर आधारित आलेख का वाचन कर छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अजय द्विवेदी, निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. आचार्य विक्रम देव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. सौरभ पाल, प्रो. रजनीश भाष्कर, काकोरी ट्रेन एक्शन के नोडल अधिकारी प्रो. गिरिधर मिश्र, डॉ. पुनीत कुमार धवन एवं डॉ. शशिकांत यादव आदि शामिल थे।

DR. JAGNARAYAN SINGH MEMORIAL NURSING INSTITUTE
Dumraon (Buxar) Bihar 802119
Run & Managed by Raghubir singh Chikitsalaya
केवल ANM कोर्स के लिए
Cont - 7488025032, 9431682605 | Emai- sakarsingh83@gmail.com

रघुवीर सिंह चिकित्सालय
संस्थापक
स्व. डॉ. जगनारायण सिंह
स्व. डॉ. अजीत कुमार सिंह
दुनमुन सिंह
डुमरांव बक्सर

डॉ0 साकार कुमार
एमबीबीएस, एमएस लखनऊ
एक्स सीनियर रेजिडंट,
गुरूगोविन्द सिंह हॉस्पीटल
नई दिल्ली

डॉ. मोनिका सिंह
एमबीबीएस लखनऊ
स्त्री रोग विशेषज्ञ
एक्स रेजिडंट
डॉ0 दीनदयाल उपाध्याय हॉस्पीटल
नई दिल्ली

डॉ. नन्द किशोर सिंह
एमडीएस

डॉ. सिद्धार्थ सिंह
बीडीएस

शुक्रवार बंदी

नोट: दूरबीन द्वारा सभी प्रकार का ऑपरेशन किया जाता है

सुभाषितम्

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है।

-चाणक्य

गिरफ्तारी और अदालती चक्रव्यूह से जनता को राहत जरूरी

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 17 महीने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली है। 100 करोड रुपए के शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अभी जेल में है। उन्हें ट्रायल कोर्ट से ईड़ी मामले में जमानत मिल चुकी है। ईड़ी के अधिकारी बिना आदेश के हाईकोर्ट पहुंच गए। वहां से ट्रायल कोर्ट के आदेश पर स्थगन प्राप्त कर लिया। इसके बाद से वह जेल में बंद है। जैसे ही सरकार को लगा, सुप्रीमकोर्ट के आदेश से अरविंद केजरीवाल जेल से रिहा हो सकते हैं, उनकी रिहाई के पहले सीबीआई ने जेल से उनकी गिरफ्तारी कर ली। हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने गलत मानते हुए निरस्त कर अरविंद केजरीवाल को जमानत दे दी। उसके बाद भी अरविंद केजरीवाल जेल में बंद है। न्याय के नाम पर अन्याय का जो खेल खेला जा रहा है। लोकतांत्रिक देशों में सरकारों द्वारा अपने विपक्षियों को दबाने के लिए कानूनी व्यवस्था का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों से विपक्षियों को राजनीति से दूर करने के लिए कानून के मकड़जाल में उलझाकर, अदालती चक्रव्यूह में फंसा दिया जाता है। कई महीनों और वर्षों तक गिरफ्तारी करके सत्ता से दूर रखा जाता है। सत्ता को चुनौती देने पर विपक्षियों पर न्याय के नाम पर अन्याय किया जा रहा है। अब इसके भीषण परिणाम देखने को मिलने लगे हैं। भारत के संविधान में जमानत को अधिकार माना गया है। अंग्रेजों के कानून में भी जमानत को अधिकार माना गया था। 90 दिन के अंदर यदि जांच एजेंसी ट्रायल शुरू नहीं करती थी, तो जमानत देने का अधिकार ट्रायल कोर्ट के पास था। जमानत लेने का अधिकार आरोपी का है। पिछले वर्षों में जो कानून बनाए गए हैं, उसमें आपातकाल से भी ज्यादा खराब प्रावधान कर दिए गए हैं। जिसके कारण नागरिकों की स्वतंत्रता और उनके मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। घोषित आपातकाल 18 महीने में खत्म हो गया था। कानून व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए इसे कुछ समय के लिए लागू किया गया था। जैसे ही आपातकाल समाप्त हुआ, सभी को जेल से रिहा कर दिया गया था। विपक्षी दलों ने भी चुनाव में भाग लिया था। आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी चुनाव हार गई थी। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी सरकार बनी। अघोषित आपातकाल में अब राजनीतिक दलों के नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोप में कई महीनो और वर्षों तक जेलों में रखा जा रहा है। जांच एजेंसियां वर्षों तक जांच करती रहती हैं। 90 दिन के बाद ट्रायल भी शुरू नहीं होता है। जब बड़े-बड़े नेताओं को इस तरह से जेल भेजा जा रहा है। इसका असर अब देखने को मिल रहा है। जांच एजेंसियां जिनमे ईड़ी, सीबीआई और पुलिस, निरपराध लोगों के ऊपर गलत मामले बनाकर जेल भेज देती है। जेल भेजने की धमकी देकर कारोबारियों और आम जनता से वसूली का नया ट्रेंड भारत में शुरू हो गया है। ईड़ी, नारकोटिक्स, पुलिस और सीबीआई के कई अधिकारी रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जा चुके हैं। सरकार स्वयं जब जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, तब जांच एजेंसी भी निजी स्वार्थ के लिये अधिकारों का दुरूपयोग कर रही हैं। अब तो अदालतों के ऊपर भी रिश्वत के आरोप लगने लगे हैं। न्यायपालिका में भी यह बीमारी तेजी के साथ फैल गई है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अब हाईकोर्ट के जज चुनौती देते हुए नजर आते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के फैसले के बाद ट्रायल कोर्ट और जांच एजेंसियों की मिली भगत से जमानत होने के बाद भी आरोपियों को अन्य मामलों में जेल में रखने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। न्यायपालिका में अनुशासनहीनता फैल चुकी है। जिस संविधान के नाम से सभी शपथ लेते हैं। उस संविधान की हत्या का दिवस सरकार 25 जून को घोषित करती है। ऐसी स्थिति में संविधान का चीर-हरण होना तय है। यह होता हुआ दिख भी रहा है। जिस न्यायपालिका को संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। वह आंख बंद करके सरकार के पक्ष में काम करती हुई नजर आ रही है। ऐसी स्थिति में आम नागरिकों की सुनवाई कहां और कैसे होगी। यह चिंता का विषय बन गया है। हाल ही में बांग्लादेश में तख्ता पलट हुआ है। बांग्लादेश में भी लगभग वही स्थिति बन गई थी, जो आज भारत में है। सभी विपक्षी दलों के नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया था। बिना विपक्ष के चुनाव कराया गया था। विपक्ष को लंबे समय से जेल में बंद रखा गया। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के खिलाफ 100 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए थे।

चिंतन-मनन

सम्यक दृष्टिकोण की जरूरत

आज मानवता को बचाने से अधिक कोई करणीय काम प्रतीत नहीं होता। मनुष्य औद्योगिक और यांत्रिक विकास कर पाए या नहीं, इनसे मानवता की कोई क्षति नहीं होने वाली है, किंतु उसमें मानवीय गुणों का विकास नहीं होता है तो कुछ भी नहीं होता है। एक मानवता बचेगी तो सब कुछ बचेगा। जब इसकी सुरक्षा नहीं हो पाई तो क्या बचेगा? और उस बचने का अर्थ भी क्या होगा? मनुष्य एक सर्वाधिक शक्तिशाली प्राणी है, इस तथ्य को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है।पर मानव जाति का दुर्भाग्य यह रहा कि उसकी शक्ति मानवता के विकास में खपने के स्थान पर उसके हास में खप रही है। मानवता की सुरक्षा के लिए जिस ऊर्जा को संग्रहीत किया गया था, वह हथियार का रूप लेकर उसका संहार कर रही है।मनुष्य के मन की धरती पर उगी हुई करुणा की फसल व्रूरता से भावित होकर धीरे-धीरे समाप्त हो रही है।यह एक ऐसा भोगा हुआ यथार्थ है, जिसे कोई भी संवेदनशील व्यक्ति नकार नहीं सकता। पानी को जीवनदाता माना जाता है, सर्वोत्तम तत्व माना जाता है; फिर भी उसके स्वभाव की विचित्रता यह है कि वह ढलान का स्थान प्राप्त होते ही नीचे की ओर बहने लगता है।दूसरों को जीवन देने वाला जल भी जब नीचे की ओर जाने लगे तो उसके कौन रोक सकता है? यही स्थिति आज के मनुष्य की है।सर्वाधिक शक्तिशाली होकर भी यदि वह स्वयं का दुश्मन हो जाए, करुणा को भूलकर व्रूर बन जाए तो उसे कौन समझा सकता है। इस बात को सब मानते हैं कि विज्ञान ने बहुत तरक्की की है।यह बहुत अच्छी बात है।

आज का राशिफल

मेष आज आपके सुख सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपके रुके कार्य सिद्ध होंगे।

वृषभ आज लाभ होगा और आपका दिन सम्मान से भरा होगा। आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मिथुन करियर के मामले में लाभ देने वाला होगा। शुभ समाचार मिलने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।

कर्क आपका दिन सुख शांति में बीतेगा। कई दिनों से चला आ रहा तनाव आज कम हो जाएगा।

सिंह आज अचानक से लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

कन्या आपके सुस्त पड़े कारोबार में सुधार होगा और आपको धन लाभ होने से आपका मन काफी प्रसन्न होगा।

तुला सफलता प्राप्त होगी और राजनीतिक क्षेत्र में काम करने का शुभ अवसर आपको मिलेगा।

वृश्चिक आपका दिन तनावमुक्त होगा। किसी भी मामले में सोचसमझकर विवेक से काम लें।

धनु आज करियर में सफलता प्राप्त होगी और आर्थिक लाभ होने से आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा।

मकर आज का दिन प्रभाव बढ़ाने का है और आपकी सुख संपत्ति में वृद्धि होगी।

कुंभ लाभ का दिन है और आय के नए स्रोत में इजाफा होगा और आपको दोस्तों से लाभ होगा।

मीन लाभ का दिन है। उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा मिल जाएगा।

जंगल अगर दिल है तो धड़कन है आदिवासी

- निमिषा सिंह

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस। आदिवासियों के मूलभूत अधिकारों की सामाजिक आर्थिक और न्यायिक सुरक्षा के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे विश्व में यह दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। आदिवासियों के हित, उनके अधिकारों की रक्षा,जल जंगल और जमीन पर उनके एकाधिकार की बातें होंगी। मंच सजेगा ,संगोष्ठियां और चचाओं का दौर चलेगा पर क्या आदिवासी जिसकी अस्मिता और अस्तित्व जंगल से परिभाषित होती है उसके जीवन में सामाजिक और आर्थिक रूप से भविष्य में कोई परिवर्तन आएगा।? यह प्रश्न अपनी जगह अटल है। विश्व के लगभग 193 देशों में आदिवासी निवासरत है लेकिन फिर भी आज तक उनके मूलभूत समस्याओं का भी निराकरण नहीं हो पाया है। अगर हम भारत की परिदृश्य पर नजर डालें तो यह बात निकलकर सामने आती है कि आदिवासी क्षेत्रों के लोग मानसिक आर्थिक राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि से छले जा रहे हैं। परिणाम यह हुआ कि विकासशील भारत में आदिवासी समाज 50 वर्ष पीछे चला गया। झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में आदिवासियों की बदहाल छवि विकासशील भारत के के अंदर एक अविकसित भारत को प्रस्तुत करती है। अगर मैं बात करूं झारखंड के विकास के जमीनी हकीकत की जिस की राजनीति की धुरी ही आदिवासियों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है, आज देश के सभी नवनिर्मित राज्यों में सबसे पीछे है। बिहार से बंटकर झारखंड मध्यप्रदेश से बंटकर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से बंटकर उतरांचल बना। स्वभाविक है आदिवासियों के लिए बना झारखंड पृथक राज्य के साथ ही संभावनाओं और आशंकाओं के दो ध्रुव भी बन गए। संभावना थी कि जनजातीय बहुल राज्यों के आने के बाद वहां की आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन मजबूत होगी। आर्थिक उन्नति होगी और बिरसा के सपने झारखंड के घर घर में हकीकत बनकर उतरेंगे। माइंस और खनिज से भरपूर इस इलाके को जब प्रकृति ने ही इतनी नेमत दे रखी है तो वहां के लोगों की विकास की भला क्या चिंता। पर वास्तविकता कुछ और निकली। मौजूदा हालात यह है कि वहां के लोगों की उम्मीदें अब टूट कर बिखर रही है।

स्वतंत्रता के बाद से कई सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों द्वारा आदिवासी समुदायों की आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें विकसित करने के प्रयास किये गए। सात दशक बीत गए पर आज भी आदिवासी लोग भारतीय समाज के सबसे कुपोषित भाग बने हुए हैं। आदिवासी क्षेत्रों में उपलब्ध खनिज संसाधनों संसाधन सरकारी खजाने की आय के स्रोत है बाबजूद इसके यह क्षेत्र सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़ते जा रहे है। ऐसा क्यों? आजादी के बाद से विकास के नाम पर विभिन्न परियोजनाओं के तहत आदिवासियों का विस्थापन होता रहा। समस्या तब और गंभीर हो गई जब संसाधनों की लूट आदिवासियों का विस्थापन और उनके जीवन की बबार्दी मौजूदा विकास मॉडल के साथ आई। आदिवासियों के जंगल जमीनों ,गांवों और संसाधनों पर कब्जा कर उन्हें दर-दर भटकने को मजबूर करने के पीछे मुख्य कारण पूंजीवादियों के साथ सांठ गांठ करने वाली हमारी सरकारी व्यवस्था रही। आदिवासी केवल अपने जंगलों या गांव से ही बेदखल नहीं हो रहे हैं बल्कि मूल्यो नैतिक अवधारणाओं जीवन शैली भाषाओं एवं संस्कृतियों से भी बेदखल कर दिए जा रहे हैं। इस बात की गंभीरता को ऐसे समझा जा सकता है कि देश की आबादी में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 8.6% है लेकिन विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों की कुल संख्या में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 40 प्रतिशत है। जाहिर है जनजातीय लोगों को जो भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची से आच्छादित हैं भूमि अधिग्रहण विस्थापन और अपर्याप्त मुआवजे का सबसे अधिक खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ा है। आजादी के बाद देश में जो वन अधिनियम बने औपनिवेशिक परम्परा में बने पर एकमात्र वन अधिकार कानून 2006 एक ऐसा कानून बना जिसकी बदौलत पहली बार औपनिवेशिक काल से सरकार द्वारा वनआश्रित समुदायों के अधिकारों को छीनने की चली आ रही परम्परा को उलट कर उनके पारम्परिक अधिकारों को उनके मूल रूप मे प्रतिस्थापित करने का प्रावधान किया गया। विडम्बना यह है कि आदिवासी हित की बात और जल जंगल जमीन के बोल के साथ झारखंड में सत्ता हस्तांतरण का दौर चलता रहा।

दुर्भाग्य रहा कि आदिवासियों ने अपने जिन प्रतिनिधियों को जिताकर संसद में बिठाया उन्ही लोगों द्वारा आदिवासी समाज को ही हराने की कोशिश जारी रही। झारखंड आज लुटाने पिटाने का अड्डा बन चुका है। गौर करने वाली बात यह भी है कि आज के वैश्वीकरण के दौर में वन भूमि पर कारपोरेटों की नजर भी गड़ी हुई है। स्थानीय निवासियों के परम्परागत अधिकारों को कानूनी मान्यता मिलने से इनके वन भूमि हस्तान्तरण में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है। इसलिये कई प्रभावशाली वर्गों द्वारा वन अधिकार कानून 2006 को निष्क्रिय या प्रभावहीन करने के योजनाबद्ध प्रयास हो रहे हैं। नौकरशाही की मिली भगत से आदिवासियों को बलपूर्वक या डरा धमकाकर अपनी जमीन से खदेड़ा जा रहा हैं ' इतिहास गवाह है कि आदिवासियों की जिंदगी उनकी संस्कृति उनके सामाजिक जीवन का ताना-बाना जंगलों के साथ इतनी गहराई से जुड़ा होता है कि वह आजीविका के साथ-साथ कभी-कभी आजीविका से ऊपर उठकर भी जंगलों को बचाने और उनके संरक्षण के लिए आवाज बुलंद करते रहे है। यहां तक कि हुकूमत की जड़े हिलाकर रख दी गई। मौजूदा समय में प्रतिरोध के माध्यम बहुत कठिन व सीमित हो गए हैं। वनों की गुणवत्ता का संरक्षण केवल वनवासियों के लिये ही नहीं बल्कि पर्यावरण की व्यापक आवश्यकता है। ऐसे समय में जब समस्त विश्व जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित है। जंगलों को बचाने और नए जंगल लगाने पर विचार और काम किया जा रहा है। ऐसे में जन अधिकार के प्रति गम्भीर व चिन्तित रहने वाले व्यक्तियों के लिये यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे वनाधिकार कानून के जनविरोधी प्रावधानों के प्रति जागरुकता फैलाएँ।

पडोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

- ललित गर्ग

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा? इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था। मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है। भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भुटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता।

चर्चा में महामहिम...और अब लाटसाहब के पद पर विवाद...?

- ओमप्रकाश मेहता

जिस तरह हमारे संविधान के तहत महामहिम राष्ट्रपति जी को देश का सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख माना गया है, उसी की तर्ज पर महा महिम राज्यपालों को राज्यों का संवैधानिक प्रमुख बताया गया है, इसीलिए राज्यपालों की नियुक्ति महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा केन्द्र की अनुशंसा पर की जाती है, हमारे संविधान में इस पद की योग्यता को लेकर भी स्पष्ट उल्लेख है, साहित्य, संस्कृति, सामाजिक व अन्य क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त विद्वान को इस पद पर नियुक्ति का प्रावधान है, किंतु आजादी की हीरक जयंति के इस वर्ष में विद्वतजनों में यही चर्चा का विषय है कि आज के दौर में जो राज्यपाल नियुक्ति किए जा रहे है, वे पद की इस प्रमुख योग्यता की पात्रता रखते है? या राज्य के इस प्रमुख संवैधानिक पद पर भी राजनीतिक चौला चढ़ा दिया गया है और राष्ट्रपति के संरक्षण में रहने वाले राज्यपाल अब केन्द्र की राजनीतिक दया दृष्टि पर निर्भर हो गए है, अर्थात केन्द्र पर राज करने वाला राजनीतिक दल व उसके नेता ही राज्यप्रमुख के माई-बाप हो गए है। हमारे संविधान में राज्यपाल के पद का सम्मिश्रण इसलिए किया गया था कि वह राष्ट्रपति जी का प्रतिनिधि के रूप में राज्य सरकार पर संवैधानिक निगरानी रखे और समय-समय पर राष्ट्रपति जी को राज्य की हर गतिविधि से अवगत रखे। किंतु आज क्या हो रहा है? राज्यपालों के संरक्षक अब राष्ट्रपति जी नही बल्कि केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के राजनेता हो गए है और राज्य के संवैधानिक इस प्रमुख पद पर उन गए गुजरे तथा वयोवृद्ध राजनेताओं की नियुक्ति हो रही है, जो या तो चुनावों में जनता द्वारा कई बार ठुकरा दिए गए हो, या फिर जो सत्तारूढ़ राजनीतिक दल व नेताओं की सेवा सुश्रुषा में विशेष योग्यता प्राप्त हो, फिर चाहे उन्हें संविधान का ज्ञान हो या नहीं? यह जरूरी इसलिए नहीं क्योंकि उन्हें तो अपने अधिनस्थ अफसरों व केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के प्रादेशिक व राष्ट्रीय नेताओं के नेतृत्व ने काम करना है?

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की एक माननीया न्यायाधीश जस्टिस नागरत्ना ने भी महामहिमों की मौजूदा कर्तव्य निष्ठा पर यही सवाल उठाया है, उन्होंने स्पष्ट कहा कि ह्लकुछ राज्यपाल ऐसा काम कर रहे है, जो उन्हें नही करना चाहिएह्व उनका स्पष्ट कहना था कि- ह्वआज राज्यपाल वहां भूमिका निभा रहे है, जहां उन्हें विवादित भूमिका नहीं निभानी चाहिए, जहां उन्हें सक्रिय भूमिका निभानी होती है, वहां वे निष्क्रीय हो जाते है, उनका स्पष्ट कहना था कि सुप्रीम कोर्ट में राज्यपालों की खिलाफ मामले देश में राज्यपाल की संवैधानिक दशा की दुःखद कहानी है ह्ल वैसे नागरत्ना जी ने अपना यह वक्तव्य किसी राज्य विशेष के राज्यपाल को लेकर नही दिया, किंतु चर्चा है कि उनका स्पष्ट संकेत कर्नाटक के राज्यपाल को मध्यप्रदेश के वरिष्ठ राजनेता थावर चंद गेहलोत को लेकर थी, जिनकी वहां की कांग्रेस राज्य सरकार से कथित अनबन चल रही है, जिसका विषय मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण है तथा जमीन आवंटन के नाम पर मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी को कथित तौर पर रिश्वत देने का आरोप है। राज्यपाल गेहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धारामैय्या को कारण बताओं नोटिस दिया था, जिस पर राज्य सरकार ने प्रस्ताव पारित करके राज्यपाल से अपना नोटिस वापस लेने की मांग की है।

विशेष

21 को भारत बंद का आवहान

एससी और एसटी वर्ग समूह ने 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों की चुप्पी इस मामले में लोगों को परेशान कर रही है। कांग्रेस सभी वर्गों के जातीय जनगणना की मांग कर रही है। वहीं सरकार ने जो शपथ पत्र सुप्रीम कोर्ट में पेश किया था। उसी के अनुसार कोटे में उप कोटा बनाने का निर्णय सुप्रीम कोर्ट से आया है। दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दल अपने-अपने हिसाब से जातियों के बारे में पता करना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार एससी, एसटी वर्ग को कमजोर करने के लिए उपजातियां में बांटना चाहती है। वहीं कांग्रेस जातीय जनगणना कराकर उनके अनुपात पर सामाजिक न्याय की बात कर रही है। आरक्षण का मुद्दा धीरे-धीरे गर्मा रहा है भारत बंद का क्या असर होता है। अब इस पर सभी की निगाहें हैं।

तेलंगाना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत

जिस दिन आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने तात्कालिक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, वह सबसे पहले फैसले को लागू करेगी। इसका मतलब यह है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अब जातीय जनगणना का रास्ता खुल गया है। जनगणना पर केंद्र का एकाधिकार नहीं रह गया है। राज्य सरकार जनगणना कराने के बाद आरक्षण का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से आरक्षण को लेकर एक नया पिटारा खुल गया है।

कार्टून कोना

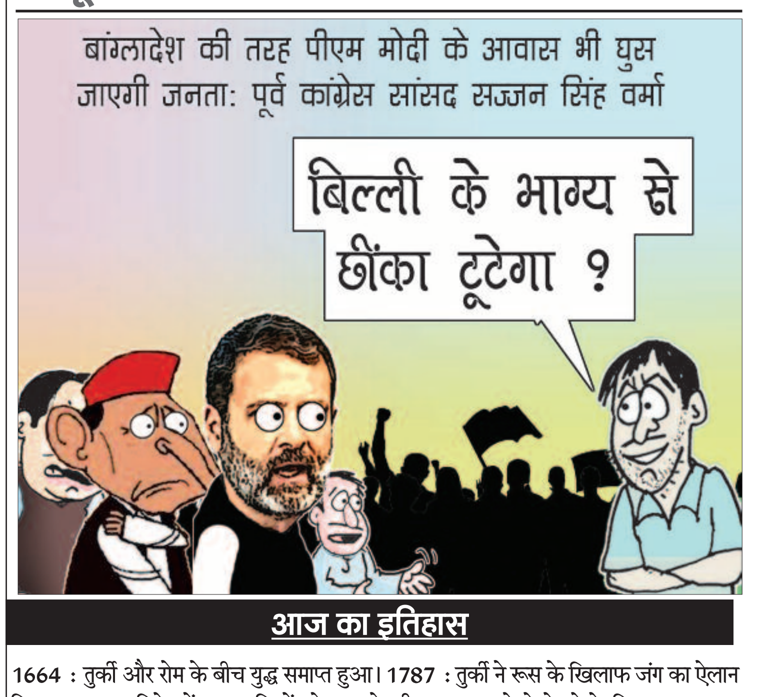
बांग्लादेश की तरह पीएम मोदी के आवास भी घुस जाएगी जनता: पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन सिंह वर्मा
बिल्ली के भाग्य से छींका टूटेगा ?

आज का इतिहास

1664 : तुर्की और रोम के बीच युद्ध समाप्त हुआ। 1787 : तुर्की ने रूस के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1842 : ब्रिटेन में बाल श्रमिकों को खान के भीतर काम करने से रोकने के लिए कानून बना। 1874 : अमरीकी राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर का जन्म। 1894 : राष्ट्रपति वी.वी.गिरी का जन्म। 1904: बोर्टआर्थर के पाए जापानी नौ सेना ने रूसी बेड़े को तबाह कर दिया। 1913 : बाल्कन युद्ध समाप्त करने के समझौते पर हस्ताक्षर हुए. 1944 : फ्रांस ने आस्ट्रिया हंगरी के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1945: द्वितीय विश्व युद्ध में जापान ने आत्मसमर्पण की पेशकश की। 1962 : निरस्त्रीकरण के किसी समझौते की शर्त के रूप में अमरीकी निरीक्षण की योजना को सोवियत संघ ने ठुकरा दिया। 1979 : भारतीय उपग्रह रोहिणी आर एस.1 का श्री हरिकोटा से असफल परीक्षण।

दैनिक पंचांग

10 अगस्त 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

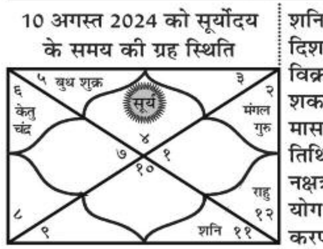

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.07 बजे से
चंद्र	कन्या में	कन्या	08.18 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	10.29 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.44 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	15.00 बजे से
शुक्र	सिंह में	मकर	17.05 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.51 बजे से
राहु	मीन में	मीन	20.24 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	21.55 बजे से
		वृष	23.35 बजे से
		मिथुन	01.33 बजे से
		कर्क	03.46 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2024 वर्ष का 223 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2081
शक संवत् 1946
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ला
तिथि षष्ठी अहोरात्र।
नक्षत्र चित्रा अहोरात्र।
योग साध्य 14.52 बजे को समाप्त।
करण कौलव 16.32 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872067
जूलियन दिन 2460532.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सफर
तारीख 05
विशेष कल्कि जयंती, स्कंद षष्ठी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10	से	08.42 बजे तक
रोग	08.51	से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42	से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19	से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14	से	11.47 बजे तक
चर	11.46	से	01.14 बजे तक	चर	11.47	से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14	से	02.42 बजे तक	रोग	01.19	से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42	से	04.10 बजे तक	काल	02.51	से	04.23 बजे तक
काल	04.10	से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23	से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

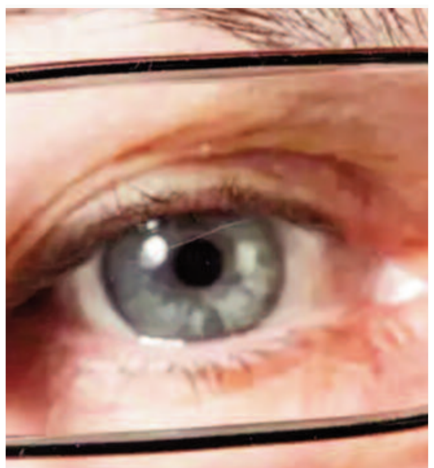

आंखों में नजर आने वाले डॉट्स हो सकते हैं आई फ्लोटर्स के संकेत

आई फ्लोटर्स आंखों की एक समस्या है, जो कई लोगों को प्रभावित कर सकती है। यह समस्या तब होती है, जब आंखों के अंदर के चिपचिपे पदार्थ के संतुलन में दिक्कत होने लगती है। आइए जानते हैं इसके कारणों और बचाव के लिए क्या खाएं इसके बारे में।

कई बार आंखों में डॉट्स नजर आते हैं, लेकिन लोग ऐसा क्यों हो रहा है, इसके कारणों को समझ नहीं पाते हैं। ऐसा आई फ्लोटर्स के कारण हो सकता है। आंखों में जब विट्रोस ह्यूमर जमा होने लगे, तो ऐसी स्थिति को आई फ्लोटर्स कहते हैं। विट्रोस ह्यूमर एक तरह का चिपचिपा पदार्थ होता है, जो आंख के पिछले हिस्से में भर जाता है और आंखों के लगभग दो-तिहाई भाग में फैल जाता है। जिन लोगों को यह समस्या होती है उन्हें आंखों में धब्बे या डॉट्स नजर आने लगते हैं। आई मूवमेंट के दौरान इन डॉट्स को देखा जा सकता है।

आई फ्लोटर्स के लक्षण

आई फ्लोटर्स के लक्षण अलग-अलग हो सकते हैं। इसके लक्षणों में आंखों के सामने डॉट या धब्बा नजर आना शामिल है। यह समस्या एक या दोनों आंखों में हो सकती है। इसके अलावा लाइट या आसमान की ओर देखने पर आंखों में धागे जैसी संरचना भी नजर आ सकती है।

आई फ्लोटर्स के कारण

- आंख से चिपचिपा पदार्थ आना
- आंख में लगी कोई चोट
- आंखों से ब्लीडिंग होना
- आई इंफेक्शन होना
- आंखों में सूजन होना

बचाव के लिए इन फूड्स का करें सेवन

मछली - मछलियों में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो आंखों की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके लिए आप टूना, सैल्मन आदि मछलियों का सेवन कर सकते हैं।

गाजर - आंखों के लिए गाजर अच्छा होता है। इसमें विटामिन ए और बीटा कैरोटीन दोनों ही भरपूर मात्रा में होते हैं। ये पोषक तत्व आंखों को कई बीमारियों से बचाता है

नट्स - आंखों की अच्छी सेहत के लिए नट्स और फलियां को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड की मात्रा मौजूद होती हैं और नट्स में विटामिन-ई भी हाई होता है।

खट्टे फल - खट्टे फल जैसे संतरा, नींबू और आंवला भी विटामिन सी से भरपूर होता है, जोकि आंखों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

कुछ ऐसे हर्ब्स और सब्जियां होती हैं, जिनमें अद्भुत शक्तियां होती हैं। इनका पानी पीने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग हो सकती है। ये हर्ब्स और सब्जियां भिंडी, अदरक, दालचीनी, पीपली और पुदीना हैं, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करती हैं।

इन 5 तरह के पानी से हर मौसम में बीमारियां रहेंगी दूर, आप भी बनाकर करें ट्राई

हेल्दी मेटाबॉलिज्म और बढ़िया इम्यूनिटी पाने के लिए हम अपने आहार में कई तरह के सप्लीमेंट्स को शामिल करते हैं। जरूरी नहीं कि ये सप्लीमेंट्स हर व्यक्ति को सूट करें। इसकी बजाय आप नेचुरल रेमेडी का सहारा ले सकते हैं। कुछ ऐसे हर्ब्स और सब्जियां होती हैं, जिनमें अद्भुत शक्तियां होती हैं। इनका पानी पीने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग हो सकती है। ये हर्ब्स और सब्जियां भिंडी, अदरक, दालचीनी, पीपली और पुदीना हैं, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। इस आर्टिकल में आइए इन इंग्रीडिएंट्स के बेनिफिट्स जानें और इन्हें कैसे आहार में शामिल करना है, जानें।

भिंडी

भिंडी पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी है जो विटामिन, खनिज और डाइट्री फाइबर का अच्छा स्रोत है। विटामिन-ए, सी और के से भरपूर, भिंडी इम्यूनिटी फंक्शन और त्वचा के स्वास्थ्य का समर्थन करती है। इसका घुलनशील फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करता है। जब मेटाबॉलिज्म की बात आती है, तो भिंडी ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर करने और इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाने में सहायता करती है। यह इंसुलिन स्पाइक्स और क्रैश को रोक सकता है, जो संतुलित मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

पिपली

इसे लॉन्ग पेपर के नाम से भी जाना जाता है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ हैं। पिपली में पिपेरिन होता है, जो पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता को बढ़ाने और मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाने की क्षमता के लिए जाना जाता है। पिपेरिन पाचन में सहायता करने और पोषक तत्वों के अवशोषण में सुधार करने के लिए अच्छा है। यह थर्मोजेनेसिस को भी उत्तेजित कर सकता है, जिससे कैलोरी बर्न करने में वृद्धि होती है और मेटाबॉलिक फंक्शन में सुधार होता है।

अदरक

अदरक को सदियों से इसके औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। इसमें जिंजरोल और शोगोल जैसे बायोएक्टिव यौगिक होते हैं जिनमें सूजन-रोधी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव होते हैं। अदरक पाचन एंजाइम्स के उत्पादन को उत्तेजित करके पाचन में सहायता करता है। इसके अतिरिक्त, अदरक में थर्मोजेनिक गुण होते हैं, जिसका अर्थ है कि यह शरीर के तापमान को बढ़ा सकता है और कैलोरी बर्निंग को बढ़ावा देता है। यह वॉर्मिंग प्रभाव मेटाबॉलिक रेट को बढ़ा सकता है और वजन प्रबंधन में हेल्प कर सकता है।

दालचीनी

दालचीनी सिर्फ एक मसाला नहीं है, यह स्वास्थ्य लाभों का एक पावरहाउस है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और ऐसे यौगिक होते हैं जो इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करते हैं, सूजन को कम करते हैं और ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर करते हैं। दालचीनी ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती है, जो ब्लड शुगर में गिरावट के कारण होने वाले अधिक खाने को रोक सकती है।

पुदीना

पुदीना न केवल ताजगी देता है बल्कि कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है। इसमें मेन्थॉल जैसे यौगिक होते हैं जो पाचन तंत्र को सुधारने में मदद कर सकते हैं, सूजन को कम कर सकते हैं और अपच से राहत दिला सकते हैं। इसके अलावा, पुदीने का औषधीय पानी स्वाद को बढ़ाता है, पेट को गर्मी से राहत पहुंचाता है और पाचन को दुरुस्त रखता है।

ये सामग्रियां कैसे करती हैं काम

ब्लड शुगर रेगुलेशन

भिंडी, दालचीनी और अदरक ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर करने के लिए प्रभावी तरीके से काम करते हैं। यह इंसुलिन स्पाइक्स को रोकने में मदद कर सकते हैं और साथ ही बैलेंस्ड मेटाबलॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं।

पाचन स्वास्थ्य

अदरक, पुदीना और पिपली स्वस्थ पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ावा देते हैं। अगर आपका पाचन तंत्र अच्छा है, तो आपका मेटाबॉलिज्म भी अच्छा होगा, जो वेट मैनेज करने के लिए अच्छा हो सकता है।

थर्मोजेनेसिस

अदरक, दालचीनी और पिपली थर्मोजेनेसिस को बढ़ाते हैं। इसका मतलब है कि इन इंग्रीडिएंट्स से कैलोरी बर्निंग रेट में वृद्धि होती है। इससे मेटाबॉलिज्म रेट भी बढ़ता है।

कैसे पी सकते हैं ये मेडिसिनल पानी?

इन चीजों को आप कुकिंग में भी उपयोग कर सकते हैं। मगर सबसे अच्छा तरीका है कि आप इन मेडिसिनल वॉटर को डिटॉक्स ड्रिंक के रूप में पिएं। सुबह ये पानी पीने से न सिर्फ शरीर टॉक्सिन्स को बाहर निकालेगा, पर आप पूरे दिन के लिए तैयार होंगे।

क्या तनाव की वजह से बीपी लो भी हो सकता है?

तनाव सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। इसकी वजह से बीपी बढ़ जाता है और दिल पर भी असर होता है। इतना ही नहीं, स्ट्रेस के कारण, हमारी ओवरऑल हेल्थ भी खराब होती है। हम सभी यह बात जानते हैं कि तनाव लेने से ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। आपने अक्सर घर में बड़े-बुजुर्गों को भी यह बात कहते सुना होगा। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इसकी वजह से बीपी कम भी हो सकता है। जी हां, सेहतमंद रहने के लिए, तनाव से दूर रहना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, बीपी लेवल का भी अधिक या कम होना सही नहीं है। क्या अधिक तनाव, लो बीपी का कारण भी बन सकता है, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

क्या स्ट्रेस की वजह से बीपी लो भी हो सकता है?

- स्ट्रेस को हमेशा हाई बीपी से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन, इसकी वजह से कुछ लोगों को हाइपोटेंशन यानी लो बीपी की दिक्कत भी हो सकती है।
- अधिक तनाव की वजह से बीपी हाई होता है क्योंकि इसके कारण, स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होते हैं। लेकिन, लंबे वक्त तक तनाव में रहना उल्टा असर भी दिखा सकता है।
- जब हम लंबे समय तक तनाव में रहते हैं, तो इसके कारण, शरीर में काफी कमजोरी आ जाती है और एड्रेनल ग्लैंड्स, पर्याप्त मात्रा में भी स्ट्रेस हार्मोन नहीं बना पाती हैं।
- जिस तरह स्ट्रेस हार्मोन का बढ़ना सही नहीं है, उसी तरह, इसके सामान्य से कम होने के भी नुकसान होते हैं।
- इसके कारण, शरीर में हार्मोनल इंबैलेंस होता है और इस हार्मोनल इंबैलेंस के कारण, बीपी लो हो जाता है।
- बहुत अधिक तनाव, वासोवागल सिंकोप का भी कारण बन सकता है। इसकी वजह से नर्व्स, दिल को धीमे धड़कने का सिग्नल देती हैं और ब्लड वेसल्स चौड़ी हो जाती हैं।
- इसके कारण, बीपी अचानक से ड्रॉप हो जाता है और दिल की धड़कन धीमी हो जाती है। इसकी वजह से मस्तिष्क में ब्लड फ्लो कम हो जाता है और थकान, कमजोरी व बेहोशी हो सकती है।
- वहीं, कई बार अधिक स्ट्रेस में रहने के कारण, व्यक्ति मील्स स्किप करने लगता हैं, डिहाइड्रेट रहता है और नींद भी पूर नहीं होती है। इसकी वजह से भी बीपी लो हो सकता है।
- जिन लोगों का बीपी पहले से ही लो रहता है, वे अगर स्ट्रेस लें तो दिक्कत और बढ़ सकती है।

नहीं छूट रही है जंक फूड की लत ये टिप्स आएंगे आपके काम

खास मौके पर अपने पसंदीदा फूड का मजा लेने में कोई हर्ज नहीं है, पर यह आपके नियमित आहार का हिस्सा बन जाए तो फिर ऐसी लत आपके सेहत के लिए नुकसानदेह हो जाती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं जंक फूड की लत की जो आज के समय में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को अपना शिकार बना चुकी है।

इस लत के चलते लोग पेट से जुड़ी समस्याओं से लेकर डायबिटीज और दूसरी गंभीर बीमारियों का तेजी से शिकार हो रहे हैं। ऐसे में समय रहते इस लत पर काबू पाना बेहद जरूरी है, पर स्वाद और शौक के चलते यह लत आसानी से नहीं छूट पाती है। अगर आपके साथ भी कुछ ऐसी ही समस्या पेश आ रही है तो हमारा यह आर्टिकल आपके बेहद काम आ सकता है। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जो जंक फूड की लत को छोड़ने में मददगार हो सकते हैं।

प्रोटीन का सेवन बढ़ाएं

प्रोटीन सबसे अधिक संतुष्टिदायक पोषक तत्व है, जो आपके आहार शैली पर और भोजन विकल्पों पर इसका शक्तिशाली प्रभाव पड़ता है। मेडिकल क्षेत्र में किए गए शोध बताते हैं कि प्रोटीन का सेवन फूड क्रेविंग और अतिरिक्त भूख की इच्छा को कम करने में सहायक होता है। इसलिए फास्ट फूड की क्रेविंग को कम करने के लिए आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करना चाहिए। इसके लिए आहार में अंडे, दूध, दही, पनीर, नट्स और बीज जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं।

मानसिक तनाव कम करें

तनाव की स्थिति में फूड क्रेविंग की अधिक इच्छा होती है, ऐसे में क्रेविंग पर काबू पाने के लिए तनाव पर नियंत्रण पाना जरूरी है। इसलिए जब भी आपको तनाव महसूस हो तो कुछ खाने की सोचने से पहले खुद को तनाव मुक्त करने की कोशिश करें। इसके लिए आप डीप ब्रीदिंग को आजमा सकते हैं, डीप ब्रीदिंग तनाव को तुरंत नियंत्रित करने में काफी मददगार होती है। इसके अलावा तनाव महसूस होने पर आप अपना पसंदीदा गाना सुन सकते हैं या फिर अपने पसंद की गतिविधि में समय बिताना भी तनाव से राहत दिला सकता है।

भरपूर नींद लें

नींद की कमी शारीरिक और मानसिक समस्याओं की वजह बनने के साथ ही आपके व्यवहार में भी बड़ा बदलाव लाता है। ऐसे में अक्सर लोग या तो भूख से कम खाते हैं या फिर अतिरिक्त भूख की इच्छा उन्हे सताती है। दोनों ही स्थिति में जंक फूड का सेवन बढ़ सकता है, क्योंकि जब भोजन कम लेते हैं तो आपको बाहरी चीजें खाने का मन करता है। इसके अलावा जब आपको अतिरिक्त भूख लगती है तो भी आप जंक फूड के बारे में ही सोचते हैं। इसलिए इस लत पर काबू पाने के लिए जरूरी है कि आप अपनी नींद को पूरी करें और जीवनशैली को संयमित रखें।

हेल्दी स्नैक्स को चुने

क्रेविंग होने पर जंक फूड खाने से बचने के लिए जरूरी है कि आप इसके हेल्दी स्नैक्स विकल्पों को चुने। इसके लिए आप फल, स्मूदी, भुने हुए नट्स, ड्राई फ्रूट्स से बने लड्डू का सेवन कर सकते हैं। ऐसी चीजों के सेवन से जहां क्रेविंग आसानी से शांत होगी तो वहीं इससे शरीर को पर्याप्त मात्रा में पोषण भी मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

एलआईसी ने टाटा की तीन कंपनियों में घटा दी हिस्सेदारी, 75 शेयरों में बढ़ा दिया स्टेक

नई दिल्ली, एजेंसी । देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी के इक्विटी पोर्टफोलियो की मार्केट वैल्यू जून तिमाही में 15 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है। पिछले तीन साल में यह लगभग दोगुनी हो गई है। प्राइम इन्फोबेस के आंकड़ों के मुताबिक जून तिमाही के अंत में एलआईसी के पास 282 कंपनियों में हिस्सेदारी थी जिसकी कुल मार्केट वैल्यू मार्च 2021 में 7.67 लाख करोड़ रुपये से दोगुना होकर 15.72 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह देश की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी टीसीएस के मार्केट कैप के बराबर है। देश के सबसे बड़े संस्थागत निवेशक ने साल की पहली तिमाही में एनएसई पर लिस्टेड कम से कम 95 शेयरों में हिस्सेदारी कम की जबकि 75 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी। इस दौरान एलआईसी ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बीएचइएल, एचपीसीएल और गेल जैसे कुछ पीएसयू शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम की है।

मार्च तिमाही में बैंक ऑफ महाराष्ट्र में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.10 प्रतिशत से घटकर 1 प्रतिशत रह गई। इसी तरह कंपनी ने संभवत: लिमि. में पूरी हिस्सेदारी बेच दी है। एलआईसी ने जून तिमाही में टाटा पावर में अपनी हिस्सेदारी 154 बीपीएस घटाकर 5.78 प्रतिशत कर दी है। इसी तरह कंपनी ने वोल्टास में 124 बीपीएस, हीरो मोटो में 122 बीपीएस, टाटा केमिकल्स में 115 बीपीएस और बीएचईएल में 85 बीपीएस स्टेक घटा दिया।

ई-कॉमर्स: त्योहारों से पहले मिलेंगे 12.5 लाख रोजगार, कुल भर्तियों में 10 लाख अस्थायी नियुक्तियां

नई दिल्ली, एजेंसी । त्योहारी सीजन के दौरान मांग में वृद्धि को देखते हुए ई-कॉमर्स क्षेत्र 12.5 लाख भर्तियां कर सकता है ।इनमें 10 लाख अस्थायी और 2.5 लाख अनुबंधित कर्मचारियों को नियुक्ति हो सकती है ।टीमलीज सर्विसेज ने बृहस्पतिवार को कहा, त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स उद्योग की बिक्री में 35 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है। टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालासुब्रमण्यम ए ने कहा, यह भर्ती न सिर्फ रोजगार सृजन में ई-कॉमर्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, बल्कि 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के भारत के लक्ष्य में इसके महत्वपूर्ण योगदान को भी दर्शाता है। एजेंसी

JOBS
LOREM IPSUM
LOREM IPSUM DOLOR SIT AMET
LOREM IPSUM

आईटी क्षेत्र में होंगी 8.5 प्रतिशत अधिक भर्तियां आईटी कंपनियां धीरे-धीरे मंदी से बाहर निकलने लगी हैं। आने वाले समय में ये अच्छी खासी भर्तियां करने के लिए तैयार हैं ।इंडीड की रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल तक इस क्षेत्र में नियुक्तियों में 8.5 फीसदी की बढ़त हो सकती है। सभी तकनीकी नौकरियों में से 70 फीसदी मांग सॉफ्टवेयर के लिए है। पिछले साल के अंत और इस साल की शुरुआत में कुशल प्रतिभाओं की मांग तेजी से बढ़ी है।

अंबानी परिवार की संपत्ति देश की जीडीपी का 10 प्रतिशत, शीर्ष तीन परिवार सिंगापुर की जीडीपी के बराबर

नई दिल्ली, एजेंसी । देश के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के परिवार की कुल संपत्ति देश की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर है। मुकेश अंबानी और उनके परिवार को बार्कलेज हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेसेस लिस्ट में शीर्ष पर रखा गया है।

सूची में दूसरे नंबर पर बजाज तो तीसरे नंबर पर बिड़ला परिवार- रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख मुकेश अंबानी के पूरे परिवार की संपत्ति का कुल मूल्यांकन 25,75,100 करोड़ है। यह राशि देश की जीडीपी के लगभग 10वें हिस्से के बराबर है। इस सूची में दूसरे नंबर पर नीरज बजाज का परिवार है। बजाज परिवार की कुल संपत्ति 7,12,700 करोड़ रुपये है। तीसरे नंबर पर कुमार मंगलम बिड़ला का परिवार है जिनके परिवार की संपत्ति का कुल मूल्यांकन 5,38,500 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शीर्ष तीन पारिवारिक व्यवसायों के हितों का मूल्य 460 अरब डॉलर है, जो सिंगापुर के सकल घरेलू उत्पाद के बराबर है। सूची में सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाला परिवार चौथे स्थान पर है, जिसकी वैल्यू 4.71 लाख करोड़ रुपये है। पांचवें स्थान पर 4.30 लाख करोड़ रुपये के मूल्य वाला नादर परिवार है। नादर परिवार की रोशनी नादर मल्होत्रा शीर्ष 10 पारिवारिक व्यवसायों की सूची में एकमात्र महिला हैं।

1 पर 4 बोनस शेयर का तोहफा

रिकॉर्ड डेट पर रॉकेट बने छोटी कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी सकुमा एक्सपोर्ट्स के शेयर शुक्रवार को रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 20 पर्सेंट के उछाल के साथ 7.76 रुपये पर पहुंच गए हैं। ट्रेडिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी सकुमा एक्सपोर्ट्स के शेयर आज बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 7.83 रुपये है। वहीं, सकुमा एक्सपोर्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 2.97 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1216 करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच गया है। सकुमा एक्सपोर्ट्स ने अपने निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा दिया है। कंपनी 4:1 के रेशियो में बोनस शेयर दे रही है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 4 बोनस शेयर दे रही है। कंपनी के शेयर शुक्रवार 9 अगस्त 2024 को बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट पर ट्रेड कर रहे हैं। सकुमा एक्सपोर्ट्स के बोर्ड ने पिछले दिनों क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के जरिए 500 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दी थी। सकुमा एक्सपोर्ट्स अमेरिका, एशिया, अफ्रीका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और मिडिल ईस्ट से इंपोर्ट और एक्सपोर्ट करती है।

क्या करती है सकुमा एक्सपोर्ट्स

सकुमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड शुगर, एडिबल ऑयल, ऑयल सीड्स, दलहन, कॉटन और कई स्पेशियलिटी क्रॉप्स की प्रमुख बायर, प्रोसेसर, मार्केटर, एक्सपोर्टर और इंपोर्टर है। अगर सकुमा एक्सपोर्ट्स के बिजनेस वर्टिकल्स की बात करें तो यह एग्रो कमोडिटीज के इंटरनेशनल ट्रेड, पेट्रोकेमिकल्स- पेट्रोलियम एंड मिनरल्स, रिन्यूएबल एनर्जी और डिस्ट्रीब्यूशन एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट में है। पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में सकुमा एक्सपोर्ट्स का प्रॉफिट सालाना आधार पर 157 पर्सेंट बढ़ा था। वहीं, कंपनी के रेवेन्यू में 50.19 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली थी। सकुमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 46.29 पर्सेंट है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 53.71 पर्सेंट है। जून 2024 तिमाही में कंपनी की शेयरहोल्डिंग्स में बड़ा बदलाव आया है।

दिल्ली में बेचते थे फल-सब्जी, गांव लौटे तो खुली किस्मत, अब 2 लाख रोज की कमाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के एक उद्यमी शशि भूषण तिवारी ने मशरूम की खेती से अपनी किस्मत बदल दी है। दिल्ली में सब्जी का व्यापार करने वाले शशि भूषण तिवारी को कोरोना महामारी के दौरान मुजफ्फरपुर में अपने गांव लौटना पड़ा था। उस मुश्किल घड़ी को उन्होंने अवसर में बदल डाला। अपने ही खेत में बटन मशरूम की खेती शुरू कर दी। आज इस कारोबार से उनकी लाखों की कमाई है। आइए, यहां शशि भूषण तिवारी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शुरुआत में शशि भूषण ने एक छोटे से कमरे में क्क्न पैनल और एयर कंडीशनर जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके मशरूम उगाना शुरू किया। धीरे-धीरे सफलता मिलने पर उन्होंने अपने काम का विस्तार किया। आज उनके पास मशरूम उत्पादन के लिए 20 कमरे हैं, जहां से रोजाना 1.7 से 1.8 टन मशरूम का उत्पादन होता है। इससे उन्हें हर दिन 2 लाख रुपये की कमाई होती है। सभी खर्च काटकर लगभग 10 लाख रुपये का मासिक मुनाफा होता है।

लागत घटाने के लिए यह किया काम - शशि भूषण का यह व्यवसाय न केवल उनके परिवार का भरण-पोषण करता है, बल्कि लगभग 100 ग्रामीण महिलाओं और कई पुरुषों को रोजगार भी प्रदान करता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। अपनी लागत कम करने और मांग कम होने पर भी आमदनी बनी रहे, इसके लिए तिवारी खुद ही मशरूम स्पॉन तैयार करते हैं। उन्होंने एक मशरूम कैनिंग प्लांट भी स्थापित किया है।

समाज में ला रहे सकारात्मक बदलाव - शशि भूषण की पहल के कारण सामाजिक बदलाव भी आ रहा है। बिहार में महिलाएं ज्यादातर घरों तक ही सीमित रहती हैं। महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शशि उन्हें घर से लाने और ले जाने की सुविधा प्रदान करते हैं। उन्होंने कई महिलाओं को मशरूम की खेती का प्रशिक्षण भी दिया है। कुछ ने घर पर ही अपनी छोटी इकाइयां शुरू की हैं।

बेचना शुरू किया है डिब्बाबंद मशरूम- शशि का मानना है कि मशरूम की खेती परिवार की आय बढ़ाने का अच्छा तरीका है। कई कॉलेज के छात्र उनके यहां पार्ट-टाइम काम करते हैं। शशि के बेटे ने हाल ही में डिब्बाबंद मशरूम ऑनलाइन बेचना शुरू किया है। अब उनकी नजर निर्यात पर है। शशि के पास लाइसेंस है, लेकिन अभी तक उन्होंने विदेश यात्रा नहीं की है। यह उनकी यात्रा का अगला पड़ाव हो सकता है।

सुजलॉन एनर्जी खास क्लब में शामिल, शेयरों में तेजी का सिलसिला बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में पिछले 5 महीनों से लगातार सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। सुजलॉन एनर्जी ने शेयर बाजारों में आज नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी का मार्केट कैप एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। शुक्रवार की सुबह भी कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। यह ग्रीन स्टॉक 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा था। एनएसई में कंपनी के शुक्रवार को 74.60 रुपये पर खुले थे। लेकिन 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 75.30 रुपये के नए उच्चतम स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। आज सुबह 10.40 मिनट पर सुजलॉन एनर्जी का मार्केट कैप 1,00,894.82 रुपये था। मार्च से ही सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 82 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। मार्च 2023 से अबतक अगर देखें तो कंपनी के शेयरों की कीमतों में 836 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

कंपनी के पास 3.8 गीगावाट का ऑर्डर

सुजलॉन एनर्जी इस समय निवेशकों की आखों का तारा बना हुआ है। इसकी वजह है कंपनी का बेहतर प्रदर्शन और कर्ज घटाने के लिए लगातार हो रहा प्रयास, इन दोनों कारणों ने निवेशकों को आकर्षित किया है। वहीं, सुजलॉन एनर्जी को लगातार मिल ऑर्डर ने इंवेस्टमेंट के लिए प्रोत्साहित किया है। बता दें, 30 जून 2025 तक सुजलॉन एनर्जी के पास 3.8 गीगावाट के ऑर्डर थे।

बड़ा दांव लगाने जा रही है कंपनी

मंगलवा को सुजलॉन एनर्जी ने ऐलान किया था कि वो रेनोम एनर्जी सर्विसेज को 660 करोड़ रुपये में खरीदने जा रहे हैं। कंपनी पहले 51 प्रतिशत हिस्सा 400 करोड़ रुपये में खरीदेगी। जबकि दूसरा हिस्सा 25 प्रतिशत 18 महीने के अंदर 260 रुपये में खरीदा जाएगा।

सुस्त लिस्टिंग के बाद ओला इलेक्ट्रिक ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक की शेयर बाजार में लिस्टिंग हो गई। एनएसई में कंपनी की 76 रुपये पर फ्लैट लिस्टिंग हुई है। वहीं, बीएसई में कंपनी के शेयर 75.99 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 76 रुपये था। कमजोर लिस्टिंग की वजह से निवेशकों की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयरों के प्रीमियम में भारी गिरावट के बाद इस तरह की लिस्टिंग की उम्मीद लगाई जा रही थी।

खराब लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। बीएसई में सुबह 10.30 मिनट पर 17 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 89.25 रुपये पर और एनएसई में 89.28 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे।

OLA
ELECTRIC VEHICLE

72-76 रुपये था प्राइस बैंड- ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ का प्राइस बैंड 72 रुपये से 76 रुपये तय किया गया था। कंपनी ने 195 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14,820 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। बता दें, कंपनी के कर्मचारियों को एक शेयर पर 7 रुपये की छूट दी गई थी।

6000 करोड़ रुपये से अधिक का था ये आईपीओ-ओला इलेक्ट्रिक के आईपीओ का साइज 6,145.56 करोड़ रुपये का था। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 72.37 करोड़ फ्रेश शेयर जारी किए हैं। वहीं, ऑफर फॉर सेल के तहत कपंपनी ने 8.49 करोड़ शेयर जारी किए हैं। बता दें, आईपीओ 2 अगस्त 2024 को खुला था। निवेशकों के पास 7 अगस्त 2024 तक दांव लगाने का मौका था।

सब्सक्रिप्शन कैसा रहा था

पहले दिन ओला आईपीओ को 0.38 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। दूसरे दिन आईपीओ पूरा भर गया। इस दिन ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ 1.12 गुना सब्सक्राइब किया गया था। तीसरे और आखिरी दिन ओला आईपीओ को सबसे अधिक 4.45 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ थआ। बता दें, इस दिन रिटेल कैटगरी में 4 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला था।

ओला आईपीओ को लेकर रिटेल निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिला था। यह वजह थी कि रिटेल कैटगरी में पहले दिन ही आईपीओ 100 प्रतिशत सब्सक्राइब हो गया था।

एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश ऑलटाइम हाई पर

जुलाई में 23332 करोड़ रुपए हुआ इंवेस्टमेंट

MUTUAL FUNDS

नई दिल्ली, एजेंसी। जुलाई 2024 में सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश ने नया ऑलटाइम हाई छू लिया है। एम्फी डेटा के अनुसार, जुलाई महीने में एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में 23,332 करोड़ रुपए का निवेश हुआ, जो जून में 21,262 करोड़ रुपए था। इसी महीने में एसआईपी निवेश में 2,070 करोड़ रुपए की वृद्धि देखी गई है।

हालांकि, इक्विटी म्यूचुअल फंडों में जुलाई में 8.61 प्रतिशत की कमी आई है, जिससे कुल निवेश 37,113.39 करोड़ रुपए रह गया है।

रिटेल निवेशकों में एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। जुलाई में रिकॉर्ड एसआईपी के जरिए 23332 करोड़ रुपए का निवेश आया है जो जून में 21,262 करोड़ रुपए था। दिसंबर 2023 में एसआईपी के जरिए 17,610 करोड़ रुपए का निवेश आया था यानि 2024 में मंथली एसआईपी में 5722 करोड़ रुपए का उछाल आया है यानि 2024 में मंथली एसआईपी निवेश में पिछले सात महीने में 32.50 फीसदी का उछाल देखने को मिला है।

इंक्विटी फंड्स में निवेश में कमी

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया ने जुलाई, 2024 के लिए म्यूचुअल फंड्स में निवेश का डेटा जारी किया है। इस डेटा के मुताबिक जुलाई महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लार्ज-कैप और मिड-कैप फंड्स में निवेश में कमी के चलते कमी आई है। जुलाई में इक्विटी फंड्स में 37,113.39 करोड़ रुपए का निवेश आया है जो जून 2024 में 17 फीसदी के उछाल के साथ 40,608.19 करोड़ रुपए रहा था जो कि रिकॉर्ड हाई है। लार्ज-कैप फंड्स में इंफ्लो में 31 फीसदी की गिरावट आई है और ये 670 करोड़ रुपए रहा है। स्मॉल-कैप फंड्स में 2109.20 करोड़ और मिड-कैप फंड्स में 1644.22 करोड़ रुपये का निवेश आया है। जुलाई महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश घटने के बावजूद ओपन-एंडेड इक्विटी फंड में लगातार 41 महीने पॉजिटिव जोन में रहा है। सेक्टरोल और थीमैटिक फंड्स में इंफ्लो बढ़ने के चलते जुलाई महीने में इस कौटगरी में 18,386.35 करोड़ रुपए का निवेश आया है। जुलाई महीने में सेक्टरोल थीमैटिक फंड ने एनएफओ के जरिए 12,974 करोड़ रुपए जुटाए हैं। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का नेट एसेट अंडर मैनेजमेंट जुलाई 2024 में 65 लाख करोड़ रुपए के करीब जा पहुंचा है।

आरवीएनएल के शेयरों में भारी भरकम गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले एक साल के दौरान शेयर बाजार में जिस एक कंपनी के शेयरों में धमाका मचा कर रखा था अब उसमें गिरावट का सिलसिला जारी है। हम बात रेल विकास निगम की कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों में शुक्रवार को भी गिरावट देखने को मिली है। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि रेल विकास निगम के शेयर एक फिर से रफ्तार पकड़ पाएंगे या नहीं?

एनएसई में आज रेल विकास निगम के शेयर अधिक की गिरावट के साथ खुले थे। 538 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद इस सरकारी रेलवे स्टॉक का भाव 4.5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 514 रुपये के लेवल तक आ गया था। कंपनी के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से गिरावट देखने को मिली है। इसके पीछे की वजह कमजोर तिमाही नतीजों को माना जा रहा है। हालांकि, इसके बाद भी एक्सपर्ट्स को भरोसा है कि लॉन्ग टर्म के निवेशकों के लिए यह अच्छा मौका है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लोकसभा चुनाव की वजह से कंपनी के लिए पहली तिमाही शानदार नहीं रही है। ऐसे में अगर कोई निवेशक लॉन्ग टर्म को ध्यान में रखकर पैसा लगाना चाहता है तो यह उसके लिए अच्छा मौका है। बता दें, बुधवार से अबतक रेल विकास निगम के शेयरों की कीमतों में 9 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

रेल विकास निगम लिमिटेड
RAIL VIKAS NIGAM LIMITED

घरेलु ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी से जुड़े सीनियर मैनेजर गणेश डोंगरे कहते हैं, रेल विकास निगम का शेयर 495 रुपये से 590 रुपये के रेंज में है। अगर कंपनी के शेयर 495 रुपये के नीचे आते हैं तो यह और टूट सकते हैं। ऐसे निवेशक जिन्हें हाई रिस्क पसंद है वो रेल विकास निगम के शेयरों को खरीद सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि यह सिर्फ लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए ही सही रहेगा। रेल विकास निगम के रिजल्ट की बात करें तो कंपनी का नेट प्रॉफिट जून 2024 में 224 करोड़ रुपये रहा था। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 343 करोड़ रुपये का रहा था। बता दें, अप्रैल से जून के दौरान कंपनी का रेवन्यू 4074 करोड़ रुपये रहा है।ख्ब

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

संक्षिप्त समाचार

बच्चों को नेत्र जांच कर दी गई चश्मा

चाईबासा, एजेंसी। राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय बाल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों का नेत्र जांच एवं चश्मा का वितरण स्थानीय सदर प्रखंड स्थित राजकीय 10 2 कन्या उच्च विद्यालय चाईबासा में किया गया। सदर अस्पताल चाईबासा के नेत्र पदाधिकारी डॉ. मनोज सिंह मुंडा, नेत्र सहायक कविता महतो एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चाईबासा की नेत्र सहायक मेरी करुणा टोप्पो ने 10 विद्यालयों के 111 दृष्टि दोष छात्राओं की नेत्र जांच की गई। जिसमें 80 छात्र–छात्राओं को चश्मा लगाने की आवश्यकता बताई गई। नेत्र पदाधिकारी डॉ मुंडा ने कहा कि सभी चिन्हित किए गए चश्मा लगने लायक बच्चों को नि :शुल्क चश्मा जिला अंधापन नियंत्रण समिति की ओर से निशुल्क प्रदान किया जाएगा।

अंगवाली में उत्पाद विभाग का छापा, जावा महुआ व शराब जब्त

बोकारो, एजेंसी। अंगवाली, प्रतिनिधि डीसी विजया जाधव के निर्देशानुसार सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में जिला उत्पाद बल एवं स्थानीय पुलिस बल के सहयोग से गुरुवार को अंगवाली उत्तरी के राजाटांड़ में खाजो नदी किनारे छापामारी की गई। यह आलाक पेटरवार थाना अंतर्गत पड़ता है।जावा महुआ पांच हजार किलो तथा अवैध चुलाई शराब साढ़े तीन सौ लीटर जब्त किया गया। वहीं छापामारी के क्रम में फरार अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है।

जगन्नाथपुर रस्सेल 2 हाई स्कूल में मेधावी पुरस्कृत

चाईबासा, एजेंसी। जगन्नाथपुर रस्सेल 2 हाई स्कूल में बुधवार को सम्मान समारोह का आयोगन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकु थे। इस दरौन विद्यालय के उत्कृष्ट छात्रों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय का पूर्व प्रधानाचार्य इम्तियाज नाजिम ने सभी छात्र–छात्राओं को मार्गदर्शन किया। विधायक सोनाराम सिंकु ने कहा कि शिक्षा सभी के लिए जरूरी है। मंजिल पाना है तो शिक्षित होगा होगा। मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछुवा ने कहा कि मेहनत करते रहे मंजिल अपने आप मिल जाएगी। प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार मिश्रा ने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष धीरज संरक्षक जगदीश सिंकु, पर्व प्रर्चाय इम्तियाज नजीम, मतीन अहमद, बसंती सिंकु,जगदीश सिंकु, अरविंद तिवारी समेत कई लोग मौजूद थे।

बीएयू वैज्ञानिकों ने बकरियों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया

रांची, एजेंसी। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में चल रही बकरी संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की टीम ने पश्चिमी सिंहभूम जिले में अवस्थित बाराबंकी प्रजनन क्लस्टर का भ्रमण किया। विषाणुजनित पीपीआर रोग से बचाव के लिए 471 बकरियों का टीकाकरण किया। मोरबिली वायरस से फैलेनेवाली इस बीमारी से बकरियों में भारी मात्रा में रुग्णता और मृत्यु होती है। टीम ने बकरियों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया।पशुपालकों की बीमार बकरियों के लिए दवा वितरित किया और किसान गोष्ठी आयोजित कर रोग प्रबंधन के लिए आवश्यक वैज्ञानिक परामर्श भी दिया। बीएयू की पशु आनुवंशिकी विशेषज्ञ तथा परियोजना की प्रधान अन्वेषक डॉ नंदनी कुमारी ने बताया कि वर्ष 2019 की पशु जनसंख्या के अनुसार झारखंड में बकरी की आबादी 91 लाख है और बकरी जनसंख्या के मामले में झारखंड का देश में आठवां स्थान है, पिछले पांच वर्षों में झारखण्ड में बकरी की आबादी में 38.59 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

राज्य नि:शक्तता आयुक्त के लिए मांगे गए आवेदन, 60 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेगा वेतन

रांची, एजेंसी। राज्य में लंबे समय बाद राज्य निश्शक्तता आयुक्त के पद पर नियुक्ति होगी। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस पद पर नियुक्ति के लिए 20 अगस्त तक आवेदन मांगे हैं।पूर्व में मंगाए गए आवेदनों को रद कर दिया गया है और नए सिरे से आवेदन मांगे गए हैं। सरकारी सेवा में कार्यरत, सेवानिवृत्त या फिर गैर सरकारी व्यक्ति इसके लिए आवेदन कर सकेंगे। इस पद पर नियुक्ति तीन वर्ष के लिए होगी।हालांकि, आवश्यकता पड़ने पर एक–एक वर्ष का दो बार अवधि विस्तार किया जा सकेगा। इस पद पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु 65 वर्ष निर्धारित की गई है।इस पद पर नियुक्त होने वाले सरकारी कर्मी को जो वेतनमान वर्तमान में मिल रहा है, वही वेतन दिया जाएगा। वहीं, सेवानिवृत्त कर्मी होने पर सरकार के नियमों की गणना कर राज्य सरकार यह तय करेगी।

प्रदेश में इनकम टैक्स का बड़ा ऐक्शन, पवन बजाज की 1200 करोड़ की संपत्ति जब्त

आयकर भवन
INCOME TAX BUILDING

सभी पहलुओं पर सुनवाई के बाद इसे अंतिम रूप से जब्त करने का आदेश जारी किया जाएगा

रांची, एजेंसी। आयकर विभाग की बेनामी संपत्ति इकाई ने झारखंड के कारोबारी पवन बजाज की 1200 एकड़ से अधिक जमीन जब्त की है। बिहार-झारखंड में अबतक की यह सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। जब्त जमीन की सरकारी कीमत करीब 32 करोड़ है, परंतु बाजार मूल्य कहीं अधिक है। यह बड़ा भू-भाग रांची के बुंडू अनुमंडल के तैमारा गांव के पास स्थित दशम जलप्रपात के निकट है। इस भूखंड को जब्त करने संबंधी अंतरिम आदेश आयकर विभाग के पटना में मौजूद बिहार-झारखंड मुख्यालय ने जारी किया है।

नियमानुसार, मामले की सुनवाई आयकर के सक्षम प्राधिकार में होगी। सभी पहलुओं पर सुनवाई के बाद इसे अंतिम रूप से जब्त करने का आदेश जारी किया जाएगा। इस जमीन पर जल्द ही आयकर विभाग अपने अधिकार का सूचना पट्ट लगाने की तैयारी में है। साथ ही संबंधित निबंधन कार्यालय को भी इसकी खाता-खेसरा संख्या की भी जानकारी दी जाएगी। ताकि इस जमीन की खरीद-बिक्री किसी सूरत में नहीं हो सके।

जांच में बेनामी संपत्ति से जुड़ा मामला सामने आया : व्यवसायी पवन बजाज की मूल कंपनी का नाम शाकंबरी कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड है। इनकी दूसरी सहायक कंपनी कोशी कंस्लटेंट प्राइवेट लिमिटेड नाम से है। इसी कंपनी के नाम पर यह 1200 एकड़ का भूखंड बताया गया था। लेकिन, जांच में इसका मालिकाना हक किसी दूसरे के नाम पर निकला, जिसकी जांच करने पर बेनामी संपत्ति से जुड़ा पूरा मामला सामने आया। पवन बजाज की कंपनियों के ठिकानों पर करीब 3 साल पहले आयकर की छापेमारी हुई थी, जिसमें करोड़ों रुपये की टैक्स चोरी की बात सामने आई थी। उसी क्रम में इस संपत्ति के दस्तावेज मिले थे।

आदिवासी भूमि के अवैध हस्तांतरण पर गवर्नर से हस्तक्षेप की मांग : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को आदिवासी महासभा के देव कुमार धान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। आदिवासियों की भूमि के अवैध हस्तांतरण संबंधी उन्हें ज्ञापन सौंपा। शिष्टमंडल ने विशेषकर कांके अंचल के मोजा चामा में अवैध रूप से हस्तांतरित 50 आदिवासी भूमि के ब्योरे और क्रय करने वाले राज्य सरकार के गैर आदिवासी पदाधिकारियों की सूची उपलब्ध कराते हुए तत्काल हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। राज्यपाल द्वारा सीएनटी अधिनियम के प्रावधानों के तहत उपायुक्त के स्तर से स्वयं कार्रवाई किये जाने के संबंध में निदेशित किया गया।

एटीएस ने सिमडेगा जेल परिसर में मारा छापा, 1 स्मार्ट फोन बरामद, हो रहा था कांड

सिमडेगा, एजेंसी। सिमडेगा के जेल परिसर में शुक्रवार को एटीएस ने बड़ी कार्रवाई की है. दरअसल एटीएस यानी कि एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने जेल में अचानक छापा मार दिया. इस दौरान परिसर में बन रहे नव निर्मित बैरक से उन्हें एक स्मार्ट फोन मिला है. इस फोन को कई आपराधिक घटनाओं में इस्तेमाल किये जाने की आशंका जतायी जा रही है. एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने उस मोबाइल फोन जब्त कर लिया है.

गैंगस्टर अमन साहू का गुर्गा आकाश राय इसी जेल में बंद है. बताया जाता है कि वह जेल के अंदर से ही कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलवा रहा था. जब एटीएस को इस बात की सूचना मिली तो उन्होंने इस जेल परिसर में छापा मार दिया. इस दौरान उन्हें एक स्मार्ट फोन बरामद हुआ है. आशंका जतायी जा रही है कि इसी फोन के जरिये वह कई घटनाओं वारदात को अंजाम दिलवा रहा था. फिलहाल एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) उसे फोरेंसिक जांच में भेज दिया है. जांच के बाद ही इस बात की पूरी तरह पुष्टि पाएगी कि इस मोबाइल फोन के जरिये किन किन आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा चुका है और कौन कौन से लोग इसमें शामिल हैं.

आकाश राय को साल 2021 में गिरफ्तार किया गया था. तब से वह जेल में ही बंद हैं. लेकिन जेल में रहने के बावजूद उसने अपना वर्चस्व अपराध की दुनिया में कायम रखा है. बीते दो साल से वह सिमडेगा जेल में बंद है. उसे अमन साहू का खास माना जाता है. वर्चस्व कायम रखने के लिए वह कई जमीन कारोबारियों और व्यवसायियों से रंगदारी मांगता था. नहीं देने पर जान से मारने की धमकी देता था. उसने झारखंड के अलावा आस पास के राज्यों में भी कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिलवाया है. उसके संपर्क कई ऐसे शूटर हैं जो उनके इशारे पर कई बड़ी घटनाओं को अंजाम देते हैं.

जमीन हड़पने के मामलों की जांच करेगी सात सदस्यीय एसआईटी, डीजीपी ने सभी डीएसपी और थानेदारों को भी दे दिया नया निर्देश

रांची, एजेंसी। जमीन घोटाला मामले में ईडी की कार्रवाई के बाद अब झारखंड पुलिस ने भी अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। राज्य के प्रभारी डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रांची में जमीन हड़पने के मामलों की जांच के लिए सात सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है।

इस एसआईटी के अध्यक्ष सीआईडी के आईजी संगठित अपराध सह कारा महानिरीक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल बनाए गए हैं। इनके अलावा इस टीम में डीआईजी मयूर पटेल कन्हैयालाल, कार्तिक एस., संध्या रानी मेहता, एसपी ऋषभ कुमार झा, अनुरंजन किस्पोट्टा व एएसपी दीपक कुमार सदस्य बनाए गए हैं।

डीजीपी ने एसआईटी को जमीन के सभी प्रमुख मामलों की गहन समीक्षा का आदेश दिया है। वैसे मामले, जिनमें फाइनल रिपोर्ट दी जा चुकी है या फिर उनका अनुसंधान लंबित है, उसे भी जांच के अधीन रखा गया है।

एसआईटी अनुसंधान की दशा व दिशा देखेगी, आरोपितों पर कार्रवाई हो रही है या नहीं, कोई निर्दोष तो नहीं फंस रहा है, लंबे समय से अनुसंधान लंबित का कारण तलाशेगी। क्या वरीय पदाधिकारी समय-समय पर पर्यवेक्षण व अनुसंधानकर्ता को सही दिशा-निर्देश दे रहे हैं कि नहीं, उसे भी देखेंगे।

डीजीपी ने रांची जिले के सभी डीएसपी व थाना प्रभारियों को एसआईटी का सहयोग करने, जमीन माफिया की सूची उपलब्ध कराने का भी आदेश दिया है। प्रत्येक थाने में पिछले कुछ वर्षों से जमीन विवाद से संबंधित जितने भी मामले दर्ज हुए, उसकी गहन समीक्षा होगी।

एसआईटी को सहयोग नहीं करने वालों के विरुद्ध भी एसआईटी रिपोर्ट तैयार करेगी। एसआईटी वैसे सरकारी और गैर सरकारी कर्मियों को भी चिह्नित करेगी, जो सरकार के विभिन्न प्रतिष्ठानों को प्रभावित करते हैं या जमीन के अवैध स्थानांतरण में संलिप्त हैं।

डीजीपी ने रांची के एसएसपी को भी निर्देश दिया है कि वे अपने कनीय पदाधिकारियों को निर्देशित करें कि एसआईटी को ससमय सूचनाएं उपलब्ध हो। शिथिलता बरतने वालों पर कार्रवाई भी होगी।

झारखंड के 2 वैज्ञानिकों डॉ अभिलाष और डॉ पूर्वी साइकिया को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के 2 वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के लिए चुना गया है. सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ झारखंड की डॉ पूर्वी साइकिया और जमशेदपुर स्थित सीएसआइआर-एनएमएल के साइंटिस्ट डॉ अभिलाष को 23 अगस्त को राष्टपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली में सम्मानित करेंगी. इस बार 33 वैज्ञानिकों का इस पुरस्कार के लिए चयन हुआ है.डॉ अभिलाष को केंद्र सरकार की ओर से पत्र मिला है, जिसमें उनसे कहा गया है कि वे 23 अगस्त को राष्टपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हों. डॉ अभिलाष ने कहा कि अपने चयन से वे काफी उत्साहित हैं. उन्होंने इसका श्रेय परिजनों के साथ-साथ सीएसआइआर-एनएमएल को दिया. कहा कि एनएमएल में 19 वर्षों के दौरान काफी कार्य किया.

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार हासिल करने के लिए जनवरी में जमशेदपुर के डॉ अभिलाष ने आवेदन किया था. उन्होंने इंजीनियरिंग के क्षेत्र में क्या-क्या कार्य किए, इसका उल्लेख भी किया. इसमें वेस्ट री-साइक्लिंग समेत विभिन्न प्रकार के मेटल के तत्वों को अलग करने से जुड़ी तकनीक की व्याख्या की थी.

केंद्र सरकार ने साइंस एंड टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाली विभूतियों को सम्मानित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कारों की घोषणा कर दी है. इस बार प्रख्यात बायोकेमिस्ट गोविंदराजन पद्मनाभन को पहले विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. इसके अलावा चंद्रयान-3 के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को विज्ञान टीम सम्मान दिया जायेगा.

केंद्र सरकार ने 33 राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कारों की घोषणा की है, जिसमें सीएसआइआर-एनएमएल के साइंटिस्ट डॉ अभिलाष का भी चयन किया गया है. डॉ अभिलाष का चयन युवा विज्ञान के लिए किया गया है. उनका चयन इंजीनियरिंग साइंसेस केटेगरी में किया गया है.

केंद्र सरकार की ओर से जारी सूची में सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड की डॉ पूर्वी साइकिया का भी चयन एनवायरमेंटल केटेगरी में किया गया है. हालांकि, जानकारी के अनुसार फिलहाल वह बीएचयू में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं. इस पुरस्कार के लिए हर वर्ष 14 जनवरी से 28 फरवरी तक नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं. 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं.

झारखंड एटीएस की सिमडेगा जेल में छापामारी, गैंगस्टर अमन साहू के गुर्गे के पास मिला स्मार्टफोन

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने सिमडेगा पुलिस के सहयोग से सिमडेगा मंडल कारा में गुरुवार को छापामारी की।

इस छापामारी में जेल परिसर स्थित अर्द्धनिर्मित बिल्डिंग से एक स्मार्ट फोन बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार, यह मोबाइल कुख्यात अमन साहू गिरोह के सक्रिय सदस्य आकाश राय उर्फ मोनू का है। इस मामले में आकाश राय उर्फ मोनू के विरुद्ध एटीएस थाने में कारा अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

एटीएस अब उससे उसके अन्य सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटा रही है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों पर भी कानून सम्मत कार्रवाई की जा सके। एटीएस को सूचना मिली थी कि सिमडेगा मंडल कारा से अमन साहू गिरोह का सदस्य आकाश राय मोबाइल पर रंगदारी मांग रहा है। इसी सूचना के आधार पर झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ कुमार झा ने सिमडेगा पुलिस का सहयोग लिया और मंडल कारा में छापेमारी की। करीब पांच घंटे की तलाशी के क्रम में उक्त मोबाइल मिला है।

विश्व आदिवासी दिवस पर विशेष : कोल्हान विश्वविद्यालय के जनजाति और क्षेत्रीय भाषा विभाग में ढाई साल से एक भी शिक्षक नहीं

कोल्हान, एजेंसी। कोल्हान आदिवासी बहुल प्रमंडल है और 9 अगस्त को हम विश्व आदिवासी दिवस मनायेंगे. लेकिन यहां के आदिवासियों के उत्थान की बात केवल कागजों में सिमट कर रह गयी है. इसका जीता जागता उदाहरण कोल्हान विश्वविद्यालय (केयू) है. इसकी स्थापना 13 अगस्त 2009 को रांची विश्वविद्यालय से अलग करके की गयी थी.इससे पहले सरायकेला-खरसावां और पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम जिले के कॉलेजों का संचालन रांची विश्वविद्यालय के अधीन होता था. केयू के गठन को लेकर दलील दी गयी थी कि इसकी स्थापना होने से प्रमंडल के गरीब और आदिवासी छात्र-छात्राओं को कोल्हान में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी.

आदिवासी बहुल कोल्हान में विद्यार्थियों को जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई के लिए टीआरएल (ट्राइबल एंड रीजनल लैंग्वेज) विभाग का गठन किया गया. इस विभाग में हो, कुड़माली और संताली विषय की स्नातकोत्तर की पढ़ाई होती है. लेकिन शिक्षकों की कमी है.

टीआरएल विभाग में शिक्षकों के कुल सात स्वीकृत पद हैं. इसमें हो विषय का अलग से एक पद स्वीकृत है, जबकि अन्य छह पद टीआरएल के नाम से है. लेकिन स्थिति यह है कि विभाग में करीब 2.5 साल से एक भी स्थायी शिक्षक नहीं है.

बगैर स्थायी शिक्षक के ही पूरे विभाग का संचालन हो रहा है. इसका खामियाजा विश्वविद्यालय के करीब 500 विद्यार्थियों को उठाना पड़ रहा है. इसे लेकर विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा आंदोलन किया गया. मामला राजभवन तक पहुंचा, लेकिन आज तक स्थिति जस की तस है. सरकार भाषा, संस्कृति और परंपरा बचाने के लिए स्थानीय स्तर पर एजेंडा तैयार कर रही है. लेकिन बुनियादी स्तर पर किसी प्रकार की सुविधा नहीं दिये जाने से जनजातीय विद्यार्थियों को काफी नुकसान हो रहा है.केयू अंतर्गत आने वाले अंगीभूत कॉलेजों और पीजी में संताली, हो, कुडुख, कुड़माली व मुंडारी भाषा के लिए शिक्षकों के पद सृजन संबंधी प्रशासी पदवर्ग समिति के लिए संलेख प्रस्ताव को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व में स्वीकृति दे दी है. संताली, हो, कुडुख, कुड़माली तथा मुंडारी भाषा में शिक्षकों के कुल 159 पद सृजन का प्रस्ताव है. इसमें सहायक अध्यापक के 147, सह प्राध्यापक के आठ और प्राध्यापक के चार पद शामिल हैं.केयू में कुलपति का पद मई 2023 से खाली है. डॉ गंगाधर पांडा के रिटायर होने के बाद से अब तक किसी की नियुक्ति नहीं हुई है. राजभवन की ओर से कुलपति का प्रभार कोल्हान आयुक्त को सौंपा गया है. एक साल से आयुक्त प्रभार में हैं. उन्हें सिर्फ वेतन, पेंशन व अन्य रुटीन कार्य की जिम्मेदारी दी गयी है. नीतिगत फैसले लेने का अधिकार नहीं है.

इससे विश्वविद्यालय में कई महत्वपूर्ण कार्य ठप हो गये हैं. विश्वविद्यालय का समग्र विकास नहीं हो रहा है. विश्वविद्यालय में प्रोवीसी, रजिस्ट्रार, फाइनांस ऑफिसर के साथ-साथ सीसीडीसी का पद भी रिक्त है. सभी पद प्रभारी के भरोसे चल रहे हैं. विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति नहीं रहने का खामियाजा छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है. ना तो समय पर डिग्री सर्टिफिकेट मिल रहा है और ना ही किसी तरह का प्रमाण पत्र. प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी कई काम प्रभावित हो रहे हैं.

टाटा स्टील में बोनस पर फैसला जल्द, यूनियन ने प्रबंधन को लिखी चिट्ठी

TATA
TATA STEEL

रांची, एजेंसी। टाटा स्टील में बोनस समझौता को लेकर टाटा वर्कर्स यूनियन ने अधिकारिक पत्र भेज दिया है. यूनियन अध्यक्ष संजीव चौधरी टुन्नु ने पत्र मैनेजमेंट को लिखा है, इसमें मांग की गयी है कि बोनस समझौता पर जल्द फैसला लें और बैठक शुरू की जाये. पत्र के बाद बाद वार्ता शुरू होगी, ऐसी उम्मीद है. कई दौर की वार्ता के बाद समझौता होगा.

वैसे पहले से फार्मूला तय हो चुका है, जिसके आधार पर समझौता होगा. लेकिन आने वाले साल के लिए भी बोनस का फार्मूला तय किया जा सकता है. संभावना है कि बोनस में कुछ नुकसान भी हो सकता है, क्योंकि बीते वित्तीय वर्ष 2023-2024 में कंपनी को वित्तीय वर्ष 2022-2023 से कम मुनाफा हुआ है. हालांकि, प्रोडक्टिविटी में बढ़ोतरी हुई है.

इसके अलावा सेफ्टी की भी राशि नहीं मिलेगी, क्योंकि इस बार मौत और एलटीआइआर के मामले ज्यादा हुए हैं. यूनियन टाटा स्टील मैनेजमेंट से रायशुमारी कर अतिरिक्त राशि ले पाती है या नहीं, इस पर सभी कर्मचारी की नजर रहेंगी. पहले से यह तय हो चुका है कि बोनस अब फीसदी के आधार पर नहीं, एकमुश्त राशि कर्मचारियों को बोनस के मद में दी जायेगी, जिसका वितरण उनके ग्रेड के अनुसार किया जायेगा.

पिछले साल के फॉर्मूला के आधार पर ही होगा समझौता. 2022 में हुए समझौता के तहत पुराने बोनस फॉर्मूला को वित्तीय वर्ष 2023-24 तक के लिए बढ़ा दिया गया था. इसके तहत फायदा का 1.5 फीसदी, प्रोफिटेबिलिटी पर प्रॉफिट प्रति टन सेलेबल स्टील, प्रोडक्टिविटी प्रति टन क्रूड स्टील का एक व्यक्ति प्रति वर्ष उत्पादन करना और सेफ्टी यानी एलटीआइआर के आधार पर वर्ष 2024 तक का समझौता होना है. इसी फॉर्मूला के आधार पर बोनस समझौता होगा.

पिछले साल बोनस मद में 298.82 करोड़ रुपये प्रबंधन से मिले थे , लेकिन यूनियन की मांग पर मैनेजमेंट ने अतिरिक्त 15.88 करोड़ रुपये दिये थे. इस तरह 314.70 करोड़ रुपये बोनस के मद में बांटे गये थे. कुल 11,676 कर्मचारियों को बोनस मिला था. पिछले साल कर्मचारियों को औसतन 1,59,738 रुपये मिले थे. एनएस ग्रेड में न्यूनतम 42,561 रुपये और अधिकतम 1 लाख 21 हजार 718 रुपये बोनस मिले थे.

ओल्ड सीरीज के कर्मचारियों को अधिकतम 4 लाख 61 हजार 019 रुपये बोनस मिले थे. करीब दो साल से कर्मचारियों को 20 फीसदी और उसके अतिरिक्त भी लाभ मिलता रहा है. ऐसे में अब दारोमदार यूनियन पर है कि वह इस बार भी 20 फीसदी बोनस कर्मचारियों को दिलाये.यूनियन अध्यक्ष संजीव चौधरी टुन्नु ने कहा है कि फॉर्मूला पहले से तय है.

हाथो में सजाई सावन की मेंहदी बनाई मनोहारी रंगोली

हजारीबाग, एजेंसी। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय मुकुंदगंज, हजारीबाग में दो दिवसीय सावन महोत्सव गुरुवार को शुरू हो गया। इस मौके पर प्रशिक्षुओं ने हाथों में रंग-बिरंगी मेंहदी सजाई। वहीं भगवान भोलेनाथ शिवलिंग पर आधारित मनोहारी शुभ रंगोली बनाई। मौके पर आइक्यूएसी कॉर्डिनेटर डॉ बसुंधरा कुमारी ने प्रशिक्षुओं को सावन महोत्सव के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को समझाया। साथ ही सावन में प्रकृति से जुड़ाव की जानकारी दी। इस दौरान महिला प्रशिक्षु और प्राध्यापिकाएं भी सावन का प्रतीक हरे परिधान और श्रृंगार में आकर्षक में लग रही थीं। मेंहदी प्रतियोगिता में विद्यालक्ष्मी कुमारी व वर्षा सिंह संयुक्त रूप से प्रथम, संजय कुमार द्वितीय और अनीशा कुमारी व सुमन कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। सावन महोत्सव का समापन शुक्रवार को होगा। समापन समारोह में प्रशिक्षुओं की ओर से पावन माह श्रावण के गीतों की फुहार बरसेगी। इसमें कजरी गीतों की झंकार खनकेगी। प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार यादव की देखरेख में सहायक प्राध्यापिका कुमारी अंजलि, पुष्पा कुमारी, रचना कुमारी, स्नेहलता खलखो, डॉ मीरा कुमारी, वर्षा कुमारी, महिला शिक्षकेत्तरकर्मी पम्मी कुमारी, ज्योति हेमा एक्का आदि ने महोत्सव के आयोजन में सहयोग किया।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

ऑस्ट्रेलिया दौरे में दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगा भारत

कैनबरा -भारतीय क्रिकेट टीम इस साल के आखिर में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के दौरान ऑस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। यह 1991-92 के बाद पहला अवसर होगा जबकि इन दोनों टीमों के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेली जाएगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि भारतीय टीम 30 नवंबर से कैनबरा के मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय दिन रात्रि अभ्यास मैच खेलेगी।

भारतीय टीम की एडिलेड में होने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच की तैयारी में मदद करने के लिए यह अभ्यास मैच कार्यक्रम में जोड़ा गया है। भारत ने 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी एक दिन रात्रि टेस्ट मैच खेला था।

विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल को स्वदेश लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस में ओलंपिक खेलों के खेल गांव में अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल शुक्रवार को स्वदेश लौट आईं। यह पहलवान गुरुवार को तब चर्चा में आ गई थी जब उन्होंने अपने मान्यता कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश करवाने की कोशिश की थी और बाद में पुलिस ने उन्हें बुलाया। इस घटना ने देश को शर्मसार किया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को तुरंत ही स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम ने हालांकि कहा कि उनका कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था लेकिन खेल गांव के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। भारतीय टीम की जर्सी पहनकर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाली अंतिम तुरंत ही बाहर निकल गई और उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया। अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं। भारत वापस लौटने से पहले 19 वर्षीय अंतिम ने कहा, 'मेरा कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और भ्रम की स्थिति थी। यह सब भ्रम की वजह से हुआ।

आजादी के बाद एथलेटिक्स में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने नीरज

CHOPRA
INDIA

89.45 थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया

पेरिस, एजेंसी

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक अपने नाम किया। नीरज का इस सत्र का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसी के साथ नीरज आजादी के बाद एथलेटिक्स में दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक में 87.58 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन वह पेरिस में टोक्यो का प्रदर्शन नहीं दोहरा सके। पाकिस्तान के नदीम ने अपने दूसरे प्रयास में 92.97 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 88.54 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में नीरज चोपड़ा को रजत पदक जीतने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता के साक्षात उदाहरण हैं! उन्होंने बार-बार अपनी प्रतिभा दिखाई है। भारत को खुशी है कि वह एक बार फिर ओलंपिक में सफल रहे हैं। रजत पदक जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले अनगिनत एथलीटों को अपने सपनों को पूरा करने और हमारे देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

नीरज-नदीम ने फाउल से की शुरुआत

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने पहले प्रयास में फाउल के साथ शुरुआत की। नीरज को शुरू से ही नदीम से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद थी। वहीं, जूलियन वेबर ने भी पहले प्रयास में फाउल किया। गत चैंपियन नीरज चोपड़ा ने भी पेरिस ओलंपिक के फाइनल में फाउल के साथ शुरुआत की। नीरज भाला फेंकने के बाद खुद पर नियंत्रण नहीं रख सके और लाइन को छू गए जिससे उनका प्रयास फाउल करार दिया गया। मालूम हो कि नीरज ने क्वालिफिकेशन में अपने पहले ही प्रयास में 89.34 मीटर का थ्रो कर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था।

नदीम ने तोड़ा ओलंपिक रिकॉर्ड

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए अपने दूसरे प्रयास में 92.97 मीटर का थ्रो फेंका और शीर्ष पह पहुंच गए। नदीम का यह थ्रो ओलंपिक में फेंका गया अब तक का सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। इससे पहले ओलंपिक में सर्वश्रेष्ठ थ्रो 90.57 मीटर का था। यह रिकॉर्ड नॉर्वे के एंड्रियास थोरकिल्दसन के नाम था। एंड्रियास ने 2008 में बीजिंग खेलों में यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था, लेकिन नदीम ने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

स्वर्ण से चूके नीरज

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दूसरे प्रयास में शानदार प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर का थ्रो किया और वह अरशद नदीम के बाद दूसरे स्थान पर आ गए थे। नीरज के करियर का यह दूसरा और इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने तीसरे प्रयास में 88.72 मीटर का थ्रो फेंका और वह शुरुआती तीन प्रयास के बाद शीर्ष पर बने हुए थे। नीरज चोपड़ा ने तीसरे प्रयास में भी फाउल किया। नीरज ने इसके बाद अगले तीनों प्रयास फाउल किए। नीरज फाइनल में सिर्फ एक ही सफल प्रयास कर सके। इससे पहले 10 मुकाबलों में नीरज ने हमेशा नदीम को हराया था, लेकिन पेरिस खेलों में फाइनल में नदीम शुरुआत से ही नीरज से आगे रहे।

चौथे भारतीय बने नीरज

नीरज चोपड़ा भले ही स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव नहीं कर सके, लेकिन वह ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। नीरज से पहले पहलवान सुशील कुमार, बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू और निशानेबाज मनु भाकर ही यह उपलब्धि अपने नाम कर सके हैं। सुशील कुमार ने 2008 में कांस्य और 2012 लंदन ओलंपिक में 66 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि सिंधू ने महिला एकल मुकाबले में 2016 रियो ओलंपिक में रजत और टोक्यो 2020 में कांस्य पदक अपने नाम किया था। महिला निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में ही व्यक्तिगत और मिश्रित स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।

राजनाथ सिंह ने की यह बात

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, असाधारण एथलीट नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उनकी अद्भुत उपलब्धि और रजत पदक जीतने के लिए बहुत-बहुत बधाई। वह कड़ी मेहनत, समर्पण और निरंतरता के प्रतीक हैं। उनकी सफलता से पूरा देश प्रसन्न है।

संन्यास के बाद पदक विजेता पीआर श्रीजेश को मिली नई जिम्मेदारी

INDIA
16
INDIA

जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त

पेरिस, एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे।

स्पेन को हराकर भारत ने जीता कांस्य

भारत ने गुरुवार को स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोधी टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी।

समापन समारोह में मनु के साथ पीआर श्रीजेश होंगे ध्वजवाहक, 11 अगस्त को है कार्यक्रम

भारतीय ओलंपिक संघ ने शुक्रवार को घोषणा की

पेरिस, एजेंसी

पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में मनु भाकर के साथ भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश भारत के ध्वजवाहक होंगे। भारतीय ओलंपिक संघ ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईओए ने अपने बयान में कहा, पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को नियुक्त करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को खुशी हो रही है।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे। मौजूदा खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य जीतने के बाद श्रीजेश ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे।

हॉकी को अलविदा कह दिया

भारत ने गुरुवार को स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोधी टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी।

विनेश के भव्य स्वागत की तैयारी, हरियाणा सरकार देगी 4 करोड़

हरियाणा (एजेंसी)। पेरिस ओलिपिक खेलों में 50 वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती में 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण फाइनल खेलने से कुछ घंटे पहले भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को डिस्क्वालीफाई कर दिया गया। हरियाणा सरकार ने विनेश का विजेता खिलाड़ियों की तरह स्वागत करने और अन्य सुविधाएं देने का ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर लिखा, हरियाणा की बहादुर बेटी विनेश फोगाट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओलिपिक्स के फाइनल में प्रवेश किया। किसी कारण से वह फाइनल नहीं खेल पाई, लेकिन वह हम सभी के लिए चैंपियन है। विनेश फोगाट का स्वागत और सम्मान पदक विजेता की तरह किया जाएगा। हरियाणा सरकार ओलिपिक्स रजत पदक विजेता को जो सम्मान, इनाम और सुविधाएं देती है, वे सभी विनेश फोगाट को भी दी जाएंगी। सरकार की ओर विनेश को चार करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, सरकारी नौकरी देने का भी ऐलान किया गया है। इस दौरान पंजाब के जालंधर स्थित लवली प्रफेशनल यूनिवर्सिटी ने विनेश फोगाट को 25 लाख रुपए देने का ऐलान किया।

हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा ने कहा है कि विनेश फोगाट का सम्मान एक स्वर्ण पदक विजेता की तरह होना चाहिए। हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट खाली है। यदि कांग्रेस के पास बहुमत होता तो उन्हें राज्यसभा भेज देते। इससे अन्य खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलता।

विनेश फोगाट के कोच और ताऊ महावीर फोगाट ने पूर्व सीएम हुड्डा के बयान को राजनीतिक स्टंट बताया। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम ने विनेश को राज्यसभा में भेजने की बात कही तो फिर गीता फोगाट को क्यों नहीं भेजा गया। कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्यसभा में वर्ष 2005 और वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेल हुए थे, तब बबीता ने रजत पदक और गीता ने स्वर्ण पदक जीता था। गीता ने ओलिंपिक्स के लिए क्वालिफाई किया तो उस समय हुड्डा की सरकार थी। गीता और बबीता को डीएसपी बनाया जाना था, लेकिन हुड्डा साहब ने भेदभाव किया और गीता को इंस्पेक्टर और बबीता को सब-इंस्पेक्टर बना दिया। इसके बाद हमने मामला दायर किया और मामला अदालत के माध्यम से सुलझा।

विनेश फोगाट ने डिक्वालीफाई होने के बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा की। उनके ताऊ महावीर फोगाट ने कहा कि उन्हें मनाने का प्रयास किया जाएगा। फाइनल में पहुंचने के बाद बिना मुकाबला खेले अयोग्य घोषित होने से विनेश मानसिक रूप से टूट चुकी है, इसलिए उन्हें कुश्ती से संन्यास लेने जैसा कड़ा फैसला लिया। महावीर फोगाट ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ भी हुआ, उसकी पीड़ा को सहन कर पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं है। विनेश ने इसी पीड़ा में संन्यास लेने की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास रहेगा कि विनेश को न केवल संन्यास का फैसला वापस लेने के लिए मनाऊं, बल्कि उन्हें खेल जारी रखते हुए 2028 के ओलिंपिक्स का हिस्सा बनने के लिए भी प्रेरित करू। पेरिस में जो कुछ हुआ, उसे विनेश ही नहीं, बल्कि कोई भी खिलाड़ी और खेल प्रेमी कभी भूल नही पाएगा। महावीर फोगाट ने कहा कि मानसिक रूप से टूट चुकी विनेश का स्वागत किसी पदक विजेता खिलाड़ी की तरह करने का प्रदेश सरकार का फैसला सराहनीय है। यह कुछ हद तक विनेश के मनोबल को बढ़ाने का काम करेगा।

डेब्यू फिल्म में नहीं चला था इन अभिनेत्रियों की आवाज का जादू

• डबिंग आर्टिस्ट ने बोले थे इनके डायलॉग

हिंदी सिनेमा में कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्हें अपने करियर के शुरुआती दिनों में फिल्म करते समय भाषा और लहजे की दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऐसे में फिल्मों के निर्माता-निर्देशक अक्सर डायलॉग्स के लिए किसी अन्य कलाकार या फिर अन्य अभिनेत्रियों की मदद लेते थे। आपको यह जानकर हैरानी होगी की इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिनकी डेब्यू फिल्म से उनकी असली आवाज गायब है। हालांकि, आगे चलकर अपनी आवाज से ही उन्होंने दर्शकों का दिल जीता। आज हम आपको बॉलीवुड की ऐसी ही अभिनेत्रियों के बारे में बताएंगे, जिनकी डेब्यू फिल्म में आवाज डब की गई।

श्रीदेवी

श्रीदेवी ने चार साल की उम्र से ही फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने वर्ष 1967 में तमिल फिल्म मुरुगा में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी। बॉलीवुड में उन्होंने साल 1979 में आई फिल्म सोलवां सावन से डेब्यू किया था। हालांकि, उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई। श्रीदेवी ने जब बॉलीवुड में शुरुआत की, तब वे हिंदी में बात करने में सहज नहीं थीं, इसलिए हिंदी फिल्मों में उनकी आवाज ज्यादातर नाज द्वारा डब जाती थी। फिल्म आखिरी रास्ता में श्रीदेवी की आवाज को अभिनेत्री रेखा ने डब किया था। श्रीदेवी ने पहली बार फिल्म चांदनी में अपने संवाद के लिए डब किया था।

प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा बॉलीवुड में कई अच्छी फिल्मों के कारण जानी जाती हैं। प्रीति जिंटा ने पहली ही फिल्म में एक अनमैरिड टीनेज प्रेग्नेंट का किरदार निभाया था। यह फिल्म क्या कहना थी। वहीं, बतौर लीड एक्ट्रेस प्रीटी ने सोल्जर फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया था। साल 1998 में आई इस फिल्म में प्रीति बॉबी देओल के अपोटिज नजर आई थीं। प्रीति की फिल्म में ओरिजिनल आवाज नहीं थी। उनकी वॉइस को डब किया गया था।

जैकलीन फर्नांडिज

साल 2006 में मिस श्रीलंका यूनिवर्स रह चुकी जैकलीन फर्नांडिज एक श्रीलंकाई अभिनेत्री व मॉडल हैं। जैकलीन फर्नांडिज ने साल 2009 में रिलीज हुई अलादीन फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म में उनकी ओरिजनल आवाज नहीं थी बल्कि डब की गई थी। मर्डर 2 और हाउसफुल 2 में भी जैकलीन के संवाद डब किए गए थे।

बिपाशा बसु

अभिनेत्री बिपाशा बसु ने अपने करियर की शुरुआत अब्बास मस्तान की क्राइम थ्रिलर फिल्म अजनबी से की है। इस फिल्म में बिपाशा के साथ अक्षय कुमार, बॉबी देओल और करीना कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। फिल्म में बिपाशा ने एक नकारात्मक किरदार निभाया है और इस फिल्म में बेहतरीन अभिनय करने के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू के फिल्मफेयर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। लेकिन बहुत कम लोगों को यह मालूम होगा की अजनबी फिल्म में उनके डायलॉग्स किसी और की आवाज में थे।

दीपिका पादुकोण

शाहरुख खान के ऑपोजिट फिल्म ओम शांति ओम से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली दीपिका पादुकोण की आवज भी डब की गई थी। इस फिल्म में दीपिका की आवाज को और ग्रेसफुल बनाने के लिए कहीं कहीं डब आर्टिस्ट की मदद ली गई थी।

इश्क जबरिया फेम सिद्धि शर्मा ने किया खुलासा

अगर एक्ट्रेस नहीं होती तो क्या होती

एक्ट्रेस सिद्धि शर्मा इन दिनों सीरियल इश्क जबरिया को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह गुलकी का किरदार निभा रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी हॉबी के बारे में बताया और खुलासा किया कि अगर वह एक्ट्रेस नहीं होती तो किस फील्ड में अपना करियर बना रही होती। यह जानकारी उनके फैंस और ऑडियंस के लिए दिलचस्प हो सकती है। सिद्धि ने कहा, अगर मैं एक्ट्रेस नहीं होती, तो मैं यकीनन एक डांसर या मॉडल होती, क्योंकि डांस और मॉडलिंग मेरे पैशन हैं। मुझे हमेशा क्रिएटिव फील्ड में रहना पसंद रहा है। एक्टिंग में आने से पहले, मैंने लंबे समय तक डांस और मॉडलिंग के सफर को एन्जॉय किया। उन्होंने कहा, स्कूल के दिनों में मुझे फैशन डिजाइनिंग का शौक था, लेकिन जब मैं कॉलेज में आई तो मैंने थिएटर में दिलचस्पी लेना शुरू कर दिया और डांसिंग की भी प्रैक्टिस बढ़ा दी। अगर एक्टिंग मेरे लिए कारगर नहीं होती, तो मैं बिना सोचे-समझे डांस या मॉडलिंग में अपना करियर बना लेती। सिद्धि ने कहा, क्रिएटिविटी ने हमेशा मुझे प्रेरित किया है, और मुझे खुद को अभिव्यक्त करने में खुशी मिलती है। चाहे मैं स्टेज पर हूं या कैमरे के सामने, मुझे परफॉर्मेंस का रोमांच पसंद है। किसी चीज को अलग अंदाज में पेश करना और उसे दर्शकों के साथ शेयर करना मेरे लिए हर पल को खास बनाता है। बिहार के बेगूसराय में सेट रोमांटिक ड्रामा इश्क जबरिया एक प्रेम कहानी है, इसमें गुलकी नाम की लड़की एयर होस्टेस बनने का सपना देखती है। इस दौरान उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इस शो में काम्या पंजाबी और लक्ष्य खुराना प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इश्क जबरिया सन नियो पर प्रसारित होता है। सिद्धि इससे पहले पवित्रा- भरोसे का सफर, सावधान इंडिया- क्रिमिनल डिकोडेड और श्रीमद रामायण जैसे शो में नजर आ चुकी हैं।

हाजी अली दरगाह के रेनोवेशन के लिए

अक्षय ने दान किए करोड़ों रुपये

अक्षय कुमार अपनी आगामी कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म खेल खेल में की रिलीज के लिए तैयार हैं। फिल्म के सिनेमाघरों में आने से पहले, अभिनेता ने फिल्म के निर्देशक मुदस्सर अजीज के साथ हाजी अली जाकर सम्मान जताया और आशीर्वाद लिया। अभिनेता ने रेनोवेशन के लिए 1.21 करोड़ रुपये भी दान किए। इससे पहले, अक्षय ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान 3 करोड़ रुपये दान किए थे। हाल ही में, अक्षय कुमार को हाजी अली जाते हुए, प्रार्थना करते हुए और दरगाह परचादर चढ़ाते हुए देखे गए। दरगाह के ट्रस्टी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो साझा करके अभिनेता के योगदान की पुष्टि की। वीडियो में अक्षय समिति के सदस्यों के साथ दरगाह की ओर चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। फिर उन्हें मुदस्सर अजीज के साथ प्रार्थना करते हुए देखा गया। बाद में, अक्षय को प्रबंध ने सम्मानित भी किया। वीडियो के साझा करते हुए इसके कैप्शन में लिखा गया, अक्षय कुमार, एक सच्चे मुंबईकर और एक परोपकारी व्यक्ति हैं, उन्होंने रेनोवेशन खर्च के एक हिस्से की जिम्मेदारी ली, जिसकी राशि 1,21,00,000/- रुपये थी। यह भी बताया गया कि सदस्यों ने अभिनेता के दिवंगत माता-पिता के लिए प्रार्थना की गई।

कंफर्म! कंगना और आर माधवन की तनु वेड्स मनु का आएगा तीसरा पार्ट

साल 2011 में आनंद एल राय की फिल्म तनु वेड्स मनु रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों से बहुत प्यार मिला था। तनु वेड्स मनु को मिली सफलता के बाद इस फिल्म का दूसरा पार्ट आया और दूसरे पार्ट को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया।तनु वेड्स मनु तनु वेड्स मनु रिटर्न्स साल 2015 में रिलीज हुई थीष इस फिल्म में कंगना रनौत और आर माधवन की जोड़ी ने दर्शकों को खूब हंसाया था। अब इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी आना तय है।

तनु वेड्स मनु का आएगा थर्ड पार्ट

रिपोर्ट के मुताबिक, आनंद एल राय ने कहा है कि फिल्म का तीसरा पार्ट जरूर आएगा। उन्होंने कहा, तनु वेड्स मनु एक ऐसी फ्रेंचाइजी जो तीसरा पार्ट डिमांड करती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वो किरदार बहुत खूबसूरत हैं, और कंगना और माधवन ने इन किरदारों को बहुत प्यारी तरह निभाया है। वो किरदार कहानी से भी थोड़े बड़े हो गए थे।

क्यों बनाई तनु वेड्स मनु रिटर्न्स?

आनंद एल राय ने आगे बताया कि शुरुआत में तनु वेड्स मनु से एक फ्रेंचाइजी बनाने का प्लान नहीं था, फिल्म का सीक्वल तनु वेड्स मनु की सफलता के बाद तय किया गया। तनु वेड्स मनु बहुत अच्छे ढंग से खत्म की गई थी। कहानी पूरी थी। लेकिन किरदार वापस आने को आतुर थे। इसलिए हम दूसरी बना पाए।

सैफ अली खान ने गुस्से में पपाराजी को दिया टेढ़ा जवाब

एक्टर सैफ अली खान आमतौर पर पपाराजी के सामने शांत और संयमित रहते हैं। लेकिन हाल ही में वो भड़क उठे जब पपाराजी से उनका पाला पड़ा। एक्टर को अक्सर फोटोग्राफरों के साथ अच्छे संबंध शेयर करते हुए देखा जाता है। लेकिन सैफ की उस समय चिड़चिड़ापन वाली झलक दिखी जब उन्होंने पपाराजी की बात को मानने से इनकार कर दिया। गुरुवार को स्टाइलिश नीले कुर्ते और मैचिंग लूज पैंट में एयरपोर्ट पर नजर आए। जैसे ही वह एंट्री गेट के पास पहुंचे, लगातार वहां मौजूद पपाराजी ने एक फोटो सेशन किया। शुरुआत में फोटो में सहयोग करने वाले सैफ लाइट में खड़े हो गए, जिससे फोटोग्राफरों ने उन्हें कहा कि वहां से थोड़ा हट जाएं क्योंकि वहां फोटो अच्छी नहीं आ रही थी। इसके बाद नाराज होकर सैफ ने पलटकर करते हुए कहा, तो मैं क्या करूं? उन्होंने उनकी बात सुनी भी नहीं और चले गए। सैफ के अकड़ू मिजाज वाला ये वीडियो तेजी से वायरल हो गया है। इस वीडियो पर लोगों ने भी अपना गुस्सा जाहिर किया है। एक ने तो लिख दिया- नाम के नवाब हैं ये, नवाबों वाले लक्षण नहीं।

ममता कुलकर्णी के खिलाफ दर्ज 2016 के ड्रग्स मामला खारिज

बॉम्बे हाईकोर्ट ने पूर्व बॉलीवुड अदाकारा ममता कुलकर्णी के खिलाफ दर्ज 2016 के ड्रग्स मामले को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कार्यवाही स्पष्ट रूप से तुच्छ और परेशान करने वाली थी और इसे जारी रखना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने जैसा होगा। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पूर्व बॉलीवुड अदाकारा ममता कुलकर्णी के खिलाफ दर्ज 2016 के ड्रग्स मामले को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ कार्यवाही स्पष्ट रूप से तुच्छ और परेशान करने वाली थी और इसे जारी रखना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने जैसा होगा।

जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने 22 जुलाई को पारित एक आदेश में, जिसकी एक प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई, कहा कि यह स्पष्ट राय है कि कुलकर्णी के खिलाफ एकत्र की गई सामग्री प्रथम दृष्टया उनके खिलाफ कोई अपराध नहीं बनाती है। याचिकाकर्ता (कुलकर्णी) के खिलाफ अभियोजन जारी रखना अदालत की प्रक्रिया का दुरुपयोग करने जैसा होगा। अदालत ने कहा कि वह संतुष्ट है कि यह एफआईआर को रद्द करने के लिए अपनी अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करने के लिए एक उपयुक्त मामला है क्योंकि कार्यवाही स्पष्ट रूप से तुच्छ और परेशान करने वाली है।

मेरे मम्मी-पापा ने मेरी पहली

सैलरी को फ्रेम कराया हुआ है शरवरी वाघ

एक्ट्रेस शरवरी वाघ की बॉक्स ऑफिस पर हॉरर-कॉमेडी फिल्म मुंज्या को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हुई, उन्होंने फिल्म में बेला का किरदार अदा कर फैंस का दिल जीता। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उनके माता-पिता ने उनकी पहली तनख्वाह को फ्रेम में सजाया हुआ है।

शरवरी ने बात करते हुए कहा, जब मैं असिस्टेंट डायरेक्टर थी, तो मुझे अपनी पहली सैलरी मिली, और मेरे माता-पिता ने उस सैलरी को फ्रेम करवाया था और उसके नीचे एक बहुत प्यारा नोट लिखा था। इसलिए मुझे लगता है कि यह मेरी सबसे बेशकीमती संपत्ति है। एक्ट्रेस को हाल ही में आईएमडीबी ब्रेकआउट स्टार स्टारमीटर अवॉर्ड मिला। जब उनसे उनके पसंदीदा हॉलिडे सीजन के बारे में पूछा गया, तो शरवरी ने गणेश चतुर्थी के लिए अपने प्यार का इजहार किया। उन्होंने कहा, आम तौर पर मेरी पसंदीदा छुट्टी गणेश चतुर्थी है।

मुझे अपने पैतृक स्थान मोरगांव जाना बहुत पसंद है। यह मेरे काम से मिलने वाला सबसे अच्छा समय है और मुझे वह जगह बहुत पसंद है। हर साल मैं गणेश चतुर्थी के दौरान समय निकालती हूं और अपने पैतृक स्थान जाती हूं। वह मेरी अब तक की सबसे अच्छी छुट्टी होती है। वहां हमारा एक घर है, जिसे वाडा कहा जाता है और यह 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। उन्होंने बताया कि उन्हें जोधा अकबर बहुत पसंद है और बचपन में वह इस फिल्म की दीवानी थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं इसे कभी भी फिर से देख सकती हूं। मुझे इसके डायलॉग याद है, मुझे कॉस्ट्यूम और जोधा अकबर के सेट पर मौजूद सभी लोग बहुत पसंद हैं।

ऐश्वर्या राय मैम का किरदार मेरा पसंदीदा रोल हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो शरवरी जल्द ही जॉन अब्राहम के साथ फिल्म वेदा में नजर आएंगी। फिलहाल, वह आलिया भट्ट के साथ अल्फा की शूटिंग कर रही हैं। बता दें कि शरवरी ने 2020 में कबीर खान की वॉर ड्रामा सीरीज द फॉरगॉटन आर्मी- आजादी के लिए से एक्टिंग में डेब्यू किया।

सनी कौशल ने शरवरी वाघ के साथ डेटिंग की अफवाहों का किया खंडन

सनी कौशल, तापसी पन्नू और विक्रांत मैसी अभिनित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा आज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। हसीन दिलरुबा के अगले भाग फिर आई हसीन दिलरुबा में एंट्री लेने वाले सनी कौशल इन दिनों अपनी इस फिल्म के अलावा अपने लव अफेयर के चर्चों की वजह से जमकर सुर्खियां बटोर रहे हैं।

इन दिनों सनी कौशल अपनी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म आज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है। फिर आई हसीन दिलरुबा साल 2021 में आई हसीन दिलरुबा का अगला भाग है। वहीं विक्की कौशल के भाई, कैटरीना के देवर और अभिनेता सनी कौशल अपनी लव लाइफ को लेकर फिर से चर्चा में आ गए हैं।